NEET Bulletin Helpline No.
8800265682
Completely NEET Counselling Guidance
specially for
MBBS BDS BAMS BHMS BUMS
B.Sc Nursing GNM D./ B. Pharma
BPT MPT D/BMLT D.Optometry
OT Technician Clinical Research
B.Sc Ag. Micro Bio Bio Chem
Bio tech. BNYS etc.

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
विजडम इंडिया
निर्भीक और बेबाक अभिव्यक्ति
EMAIL: sheelshukla100@gmail.com
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
लखनऊ से प्रकाशित

वर्ष: 14 अंक: 27 लखनऊ, शनिवार 07 सितंबर 2024 मूल्य: 02 रुपये पृष्ठ- 08

जल संचय जन भागीदारी पहल की पीएम मोदी ने की शुरुआत, बोले– ये भारत की सांस्कृतिक चेतना का हिस्सा है

एजेंसी।

नई दिल्ली मोदी ने कहा कि जल संचय केवल एक नीति नहीं है, ये एक प्रयास भी है और यूं कहें कि ये एक पुण्य भी है। इसमें उदारता भी है और उत्तरदायित्व भी है। आने वाले पीढियां जब हमारा आंकलन करेंगी तो पानी के प्रति हमारा रवैया, शायद उनका पहला पेरामीटर होगा। पीएम नरेंद्र मोदी ने जल संचय जनभागीदारी पहल शुरू की। इस दौरान उन्होंने कहा कि आज गुजरात की ध रती से जलशक्ति मंत्रालय द्वारा एक अहम अभियान का शुभारंभ हो रहा है। इससे पूर्व पिछले

दिनों देश के हर कोने में वर्षा का जो तांडव हुआ, देश का शायद ही कोई ऐसा इलाका होगा जिसको इस मुसीबत से संकट न झेलना पड़ा हो। उन्होंने कहा कि इस बार गुजरात पर बहुत बड़ा संकट आया। सारी व्यवस्थाओं की ताकत नहीं थी कि प्रकृति के इस प्रकोप के सामने हम टिक पाएं। लेकिन गुजरात के लोगों और देशवासियों के एक स्वभाव है कि संकट की घड़ी में कंधे से कंधा मिलाकर हर कोई, हर किसी की मदद करता है।मोदी ने कहा कि जल संचय केवल एक नीति नहीं है, ये एक प्रयास भी है और यूं कहें कि ये एक पुण्य भी है। इसमें उदारता भी है और उत्तरदायित्व भी है। आने वाले पीढियां जब हमारा आंकलन करेंगी तो पानी के प्रति हमारा रवैया, शायद उनका पहला पैरामीटर होगा। उन्होंने कहा कि क्योंकि ये केवल संसाधनों का प्रश्न नहीं है। ये प्रश्न जीवन का है, ये प्रश्न मानवता के भविष्य का है। इसलिए हमने टिकाऊ भविष्य के लिए जिन 9 संकल्पों को सामने रखा है, ।

राजनाथ सिंह ने फिर दिया बड़ा बयान, बोले– शांति स्थापना के लिए कमांडर्स को रहना होगा युद्ध के लिए तैयार

संवाददाता।

लखनऊ मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत दुनिया का एकमात्र देश है जिसने श्वसुधैव कुटुंबकमश का संदेश दिया है। भारत ने हमेशा शांति की वकालत की है और हमेशा करेगा।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को अपने पहले के बयान का जवाब दिया कि ष्सशस्त्र बलों को युद्ध के लिए तैयार रहने की जरूरत हैष। रक्षा मंत्री ने कहा कि उन्होंने वो बयान इसलिए दिया ताकि किसी भी हालत में भारत की शांति भंग न हो सके। भारत के श्वसुधैव कुटुंबकमश के संदेश पर प्रकाश

डालते हुए सिंह ने कहा कि भारत ने हमेशा शांति की वकालत की है लेकिन आज की भू–राजनीतिक स्थिति को ध्यान में रखते हुए भारत और दुनिया में शांति स्थापित करने के लिए भारत को हमेशा युद्ध के लिए तैयार रहने की जरूरत है। मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत दुनिया का एकमात्र देश है जिसने श्वसुधैव कुटुंबकमश का संदेश दिया है। भारत ने हमेशा शांति की वकालत की है और हमेशा करेगा। लेकिन आज भूराजनीतिक स्थिति को देखते हुए, मैंने कहा सेना से कहा कि भारत और विश्व में शांति बनाए रखने के लिए हमें हमेशा युद्ध के लिए तैयार रहना चाहिए ताकि किसी भी परिस्थिति में भारत की शांति भंग न हो। अपने लखनऊ दौरे के दौरान केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह ने शहर के खाटू श्याम मंदिर में पूजा–अर्चना भी की। शीर्ष स्तरीय सैन्य नेतृत्व बैठक के दूसरे और अंतिम दिन लखनऊ में पहले संयुक्त कमांडर सम्मेलन में बोलते हुए, सिंह ने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करने और श्आत्मनिर्भर भारतश के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाते हुए, तीनों सेनाओं के बीच संयुक्तता और एकीकरण को आगे बढ़ाने के लिए

जन्मदिन की पार्टी में महिला को दिया नशीला पर्दाथ, फिर किया रेप, 3 गिरफ्तार

घटना के बारे में विस्तार से बताते हुए एक अधिकारी ने बताया कि, अलिस्का ने कथित तौर पर पीड़िता को अपने जन्मदिन समारोह के लिए अपने घर पर आमंत्रित किया था, जहां दो पुरुष संदिग्ध पहले से ही मौजूद थे। महाराष्ट्र पुलिस ने शुक्रवार (6 सितंबर) को कहा कि उन्होंने बदलापुर में एक जन्मदिन की पार्टी में 22 वर्षीय महिला को कथित तौर पर नशीला पदार्थ देने और उसके साथ बलात्कार करने के आरोप में एक महिला सहित तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने कहा, यह घटना कथित तौर पर बुधवार, 4 सितंबर की रात और गुरुवार तड़के शिरगांव इलाके के एक अपार्टमेंट में हुई। एक अधिकारी के अनुसार, गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान संतोष शिवराम रूपावते (40), शिवम संजय राजे (23) और अलिस्का, जिसे भूमिका रवींद्र मेश्राम (20) के नाम से भी जाना जाता है, के रूप में की गई है। घटना के बारे में विस्तार से बताते हुए एक अधिकारी ने बताया कि, अलिस्का ने कथित तौर पर पीड़िता को अपने जन्मदिन समारोह के लिए अपने घर पर आमंत्रित किया था, जहां दो पुरुष संदिग्ध पहले से ही मौजूद थे। पार्टी के बाद, पुरुषों ने कथित तौर पर बेडरूम में शराब का सेवन करना शुरू कर दिया। जब पीड़िता ने जाने का प्रयास किया, तो उसने अस्वस्थ महसूस करने की शिकायत की। इस बिंदु पर, अलिस्का ने कथित तौर पर उसे नींबू पानी पीने की पेशकश की, जिसमें संदेह था कि इसमें शामक दवा मिलाई गई थी। अधिकारी ने कहा कि पेय पीने के कुछ ही देर बाद पीड़ित को चक्कर और भटकाव महसूस होने लगा। अधिकारी ने बताया कि उसकी हालत का फायदा उठाते हुए एक व्यक्ति ने कथित तौर पर बाथरूम में उसके साथ बलात्कार किया, जब वह बेहोश थी।

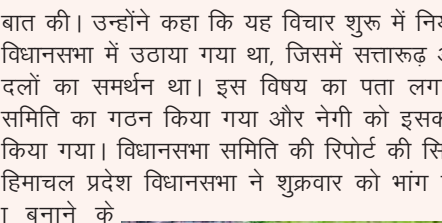

अब भांग की खेती होगी वैध, हिमाचल सरकार ने विधानसभा में पास किया प्रस्ताव

एजेंसी।

हिमाचल विधानसभा समिति के अध्यक्ष जगत सिंह नेगी ने रिपोर्ट और भांग की खेती के संभावित लाभों के बारे में विस्तार से बात की। उन्होंने कहा कि यह विचार शुरू में नियम 130 के तहत विधानसभा में उठाया गया था, जिसमें सत्तारूढ़ और विपक्षी दोनों दलों का समर्थन था। इस विषय का पता लगाने के लिए एक समिति का गठन किया गया और नेगी को इसका अध्यक्ष नियुक्त किया गया। विधानसभा समिति की रिपोर्ट की सिफारिशों के बाद, हिमाचल प्रदेश विधानसभा ने शुक्रवार को भांग की खेती को वैध बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित किया। समिति ने राज्य के लिए आर्थिक

संपत्ति के रूप में इसकी क्षमता पर प्रकाश डालते हुए औषधीय और औद्योगिक उद्देश्यों के लिए भांग की खेती का प्रस्ताव रखा। राजस्व मंत्री और विधानसभा समिति के अध्यक्ष जगत सिंह नेगी ने रिपोर्ट और भांग की खेती के संभावित लाभों के बारे में विस्तार से बात की। उन्होंने कहा कि यह विचार शुरू में नियम 130 के तहत विधानसभा में उठाया गया था, जिसमें सत्तारूढ़ और विपक्षी दोनों दलों का समर्थन था। इस विषय का पता लगाने के लिए एक समिति का गठन किया गया और नेगी को इसका अध्यक्ष नियुक्त किया गया। नेगी ने कहा कि समिति ने हिमाचल प्रदेश के सभी जिलों का दौरा किया और स्थानीय निवासियों से परामर्श किया कि भांग की खेती का उपयोग औषधीय और औद्योगिक उद्देश्यों के लिए कैसे किया जा सकता है। हमने जम्मू–कश्मीर, उत्तराखंड और मध्य प्रदेश में सफल मॉडलों का भी अध्ययन किया। भारी आम सहमति हिमाचल प्रदेश में इसे वैध बनाने के पक्ष में थी। नेगी ने भांग की खेती की व्यावहारिकता पर जोर देते हुए बताया कि इस पौधे को अधिक पानी की आवश्यकता नहीं होती है, यह पशु क्षति के प्रति प्रतिरोधी है और काफी हद तक बीमारियों से मुक्त है। नेगी ने कहा, ष्इसमें औद्योगिक और औषधीय दोनों तरह के उपयोग की काफी संभावनाएं हैं।

कांग्रेस ने तय किए 71 सीटों के लिए उम्मीदवार, जुलाना से चुनावी दंगल में उतरेंगी विनेश फोगाट!

एजेंसी।

नई दिल्ली फोगाट आज पार्टी नेता केसी वेणुगोपाल की मौजूदगी में कांग्रेस में शामिल हुईं और उन्होंने पार्टी की महिलाओं का समर्थन करने वाली पार्टी के रूप में सराहना की। पुनिया और फोगट 2023 में बृज भूषण शरण सिंह के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोपों पर विरोध प्रदर्शन का हिस्सा थे। हरियाणा विधानसभा चुनाव को लकेर आज कांग्रेस की बैठक हुई। सूत्रों ने बताया कि 71 सीटों पर उम्मीदवारों के नाम फाइनल कर लिए गए हैं। वहीं, कांग्रेस में शामिल हुईं पहलवान विनेश फोगाट जुलाना सीट से हरियाणा विधानसभा चुनाव लड़ेंगी। हालांकि, सूत्रों ने कहा कि बजरंग पुनिया, जो आज पार्टी में शामिल होने के लिए फोगाट के साथ थे, विधानसभा चुनाव नहीं लड़ेंगे। जब से विनेश फोगाट ने पार्टी में शामिल होने से पहले कांग्रेस नेता राहुल गांध

ी से मुलाकात की, तब से यह अटकलें लगाई जा रही थीं कि पहलवान को चरखी दादरी या जुलाना से मैदान में उतारा जा सकता है। फोगाट आज पार्टी नेता केसी वेणुगोपाल की मौजूदगी में कांग्रेस में शामिल हुईं और उन्होंने पार्टी की महिलाओं का समर्थन करने वाली पार्टी के रूप में सराहना की। पुनिया और फोगट 2023 में बृज भूषण शरण सिंह के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोपों पर विरोध प्रदर्शन का हिस्सा थे। विनेश फोगाट और बजरंग पुनिया के कांग्रेस में शामिल होने पर केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि मैं इसमें और कुछ नहीं जोड़ना चाहता, अगर कोई किसी भी राजनीतिक दल में शामिल होना चाहता है, तो वे स्वतंत्र हैं। कांग्रेस में शामिल होने के बाद, लोगों को अपने इरादों के बारे में अधिक स्पष्टता मिली है। वहीं, हरियाणा में कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच गठबंधन को लेकर विराम लगता दिखाई दे रही है। सूत्रों ने बताया कि कांग्रेस और आम आदमी पार्टी सीट बंटवारे पर आम सहमति तक पहुंचने में विफल रहे हैं, जिससे गठबंधन पर बातचीत लगभग खत्म हो गई है। सूत्रों ने बताया कि आम आदमी पार्टी 50 सीटों पर चुनाव लड़ेगी और रविवार को अपने उम्मीदवारों की पहली सूची जारी करेगी। जानकारी के मुताबिक, कांग्रेस द्वारा आप की मांगें नकारने के बाद गठबंधन की बातचीत पटरी से उतर गई। आप हरियाणा में चुनाव लड़ने के लिए 10 सीटों की मांग कर रही थी, जिसे सबसे पुरानी पार्टी ने अस्वीकार कर दिया। विशेष रूप से, पहले यह बताया गया था कि राहुल गांधी आप के साथ गठबंधन करने के इच्छुक थे क्योंकि आम चुनावों में उनके गठबंधन ने राज्य में भाजपा को एक और क्लीन स्वीप नहीं होने दिया था। इस साल हुए लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने 9 सीटों पर जबकि आम आदमी पार्टी ने 1 सीट पर चुनाव लड़ा था। 9 में से कांग्रेस 5 सीटें जीतने में कामयाब रही। आप ने जिस एकमात्र सीट पर चुनाव लड़ा था वह हार गई।

370 हटाने का असर कश्मीर ही नहीं जम्मू में भी दिखा, उमर ने किया दावा- 2024 के चुनावों में घटा बीजेपी का जनाधार

एजेंसी।

जम्मू–कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री अनुच्छेद 370 को निरस्त करने की आलोचना करते हैं और कश्मीर के अधिवास कानूनों को भारत में सबसे कमजोर बताते हैं। उन्होंने भाजपा पर पीर पंजाल के दक्षिण में आतंकी हमलों को रोकने में विफल रहने का भी आरोप लगाया। इसके अतिरिक्त, उमर ने अफजल गुरु की फांसी पर अपने विचार साझा करते हुए मृत्युदंड का विरोध किया। जम्मू–कश्मीर

के पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने स्मिता प्रकाश के साथ एएनआई पॉडकास्ट के इस एपिसोड में आगामी जम्मू–कश्मीर विधानसभा चुनावों में दो सीटों पर चुनाव लड़ने के अपने फैसले पर चर्चा की। उन्होंने कांग्रेस के साथ अपनी पार्टी के गठबंधन के बारे में भी बात की और बताया कि पीडीपी के साथ गुपकर गठबंधन क्यों विफल रहा। उनका दावा है कि मौजूदा जम्मू–कश्मीर विधान परिषद से समझौता किया गया है, हालांकि उनका मानना घ्है कि इसे मजबूत किया जाएगा। जम्मू–कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री अनुच्छेद 370 को निरस्त करने की आलोचना करते हैं और कश्मीर के अधिवास कानूनों को भारत में सबसे कमजोर बताते हैं। उन्होंने भाजपा पर पीर पंजाल के दक्षिण में आतंकी हमलों को रोकने में विफल रहने का भी आरोप लगाया। इसके अतिरिक्त, उमर ने अफजल गुरु की फांसी पर अपने विचार साझा करते हुए मृत्युदंड का विरोध किया। वह पंडितों को घाटी में वापस लाने की अपनी पार्टी की प्रतिबद्धता पर भी जोर दिया। कश्मीर मुद्दे पर भाजपा के दृष्टिकोण पर निशाना साधते हुए, अब्दुल्ला ने उस कथा की आलोचना की जिसमें कहा गया था कि अनुच्छेद 370 केवल कश्मीरियों के लिए चिंता का विषय था, जम्मू के लोगों के लिए नहीं। उन्होंने बताया कि, भाजपा के चित्रण के विपरीत, पिछले कुछ चुनावों में जम्मू में उनका समर्थन वास्तव में कम हो गया है। उन्होंने तर्क दिया कि यदि अनुच्छेद 370 को हटाने का जम्मू में सार्वभौमिक रूप से स्वागत किया गया था, तो भाजपा के मार्जिन में काफी वृद्धि होनी चाहिए थी, लेकिन इसके बजाय, वे पिछले वर्षों की तुलना में 2024 के चुनावों में कम हो गए थे। उन्होंने इस साल की शुरुआत में बारामूला से लोकसभा चुनाव में अपनी अप्रत्याशित हार के बारे में बात की और कहा कि यह दिखाना महत्वपूर्ण है कि नेशनल कॉन्फ्रेंस एक विजेता पार्टी है। मुझे लगता है कि बारामूला संसदीय चुनाव में जो हुआ उसके बाद पार्टी के लिए यह दिखाना महत्वपूर्ण है कि हम एक विजेता पार्टी हैं और हम कठिन परिस्थितियों में भी जीत सकते हैं। जब मैं हार गया तो बडगाम बारामूला संसदीय क्षेत्र का हिस्सा था। इसलिए मुझे लगता है यह इसका एक महत्वपूर्ण हिस्सा है कि मैंने छह साल तक अपने दादा का प्रतिनिधित्व किया है।

अधर में अटका कांग्रेस और आप का गठबंधन! सीटों पर नहीं बनी सहमति

एजेंसी।

नई दिल्ली कहा यह भी जा रहा था कि पूर्व मुख्यमंत्री और विपक्ष के नेता भूपिंदर सिंह हुड्डा आम आदमी पार्टी के साथ गठबंधन के पक्ष में नहीं हैं। कथित तौर पर उन्होंने पार्टी के वरिष्ठ नेतृत्व के समक्ष भी अपना विचार व्यक्त किया है। हरियाणा में कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच गठबंधन को लेकर विराम लगता दिखाई दे रही है। सूत्रों ने बताया कि कांग्रेस और आम आदमी पार्टी सीट बंटवारे पर आम सहमति तक पहुंचने में विफल रहे हैं, जिससे गठबंधन पर बातचीत लगभग खत्म हो गई है। सूत्रों ने बताया कि आम आदमी पार्टी 50 सीटों पर चुनाव लड़ेगी और रविवार को अपने उम्मीदवारों की पहली सूची जारी करेगी। जानकारी के मुताबिक, कांग्रेस द्वारा आप की मांगें नकारने के बाद गठबंधन की बातचीत पटरी से उतर गई। आप हरियाणा में चुनाव लड़ने के लिए 10 सीटों की मांग कर रही थी, जिसे सबसे पुरानी पार्टी ने अस्वीकार कर दिया। विशेष रूप से, पहले यह बताया गया था कि राहुल गांधी आप के साथ गठबंधन करने के इच्छुक थे क्योंकि आम चुनावों में उनके गठबंधन ने राज्य में भाजपा को एक और क्लीन स्वीप नहीं होने दिया था। इस साल हुए लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने 9 सीटों पर जबकि आम आदमी पार्टी ने 1 सीट पर चुनाव लड़ा था। 9 में से कांग्रेस 5 सीटें जीतने में कामयाब रही। आप ने जिस एकमात्र सीट पर चुनाव लड़ा था वह हार गई। कहा यह भी जा रहा था कि पूर्व मुख्यमंत्री और विपक्ष के नेता भूपिंदर सिंह हुड्डा आम आदमी पार्टी के साथ गठबंधन के पक्ष में

नहीं हैं। कथित तौर पर उन्होंने पार्टी के वरिष्ठ नेतृत्व के समक्ष भी अपना विचार व्यक्त किया है। हरियाणा में लोकसभा चुनाव में आप और कांग्रेस के बीच गठबंधन था, जहां कांग्रेस ने उसे कुरुक्षेत्र सीट की पेशकश की थी। हालांकि, आप के सुशील गुप्ता बीजेपी के नवीन जिंदल से 29,021 वोटों से हार गए। कुल मिलाकर, आप को 3.94 प्रतिशत वोट मिले। हुड्डा विशेष रूप से कांग्रेस–आप गठबंधन को लेकर परेशान हैं क्योंकि अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय पार्टी जिन सीटों की मांग कर रही है उनमें वे सीटें भी शामिल हैं जहां से उनके उम्मीदवार हैं।

सूत्रों के हवाले से बताया कि इन सीटों में जिंद, पिहोवा और कलायत शामिल हैं। कांग्रेस–आप के बीच प्रस्तावित सीट बंटवारे से न सिर्फ हुड्डा खेमा नाराज है। कथित तौर पर कुछ मौजूदा विधायकों को टिकट देने से इनकार करने के अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) नेतृत्व के फैसले से भी हुड्डा खेमे के नेता नाराज हैं।

दो बार गलती हुई थी, अब कभी इधर उधर नहीं होगा, आरजेडी के साथ गठबंधन को लेकर बोले नीतीश कुमार

एजेंसी।

पटना नीतीश कुमार की टिप्पणियों से 3 सितंबर को पटना में राज्य सचिवालय में पूर्व भारतीय ब्लॉक भागीदार से मुलाकात के बारे में स्थिति साफ हो गई। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा के सामने उन्होंने कहा कि पहले आईजीआईएमएस में बेड की संख्या 770 थी। राजद नेता और पूर्व सहयोगी तेजस्वी यादव के साथ मुलाकात के बाद बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को लेकर एक और उलटफेर की चर्चा शुरू हो गई है। हालांकि, आज नीतीश कुमार ने साफ तौर पर कहा कि लालू यादव के नेतृत्व वाले राजद के साथ गठबंधन करने करने का उनका फैसला गलत था। नीतीश ने एक कार्यक्रम में कहा कि हम दो बार उन लोगों के साथ चले गए। गलती हुई थी। अब कभी नहीं होगी। अब फिर कभी नहीं जाएंगे। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि बिहार में बीजेपी और जनता दल यूनाइटेड (JDU) ने मिलकर सारा काम किया है। नीतीश कुमार की टिप्पणियों से 3 सितंबर को पटना में राज्य सचिवालय में पूर्व भारतीय ब्लॉक भागीदार से मुलाकात के बारे में स्थिति साफ हो गई। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा के सामने उन्होंने कहा कि पहले आईजीआईएमएस में बेड की संख्या 770 थी। बाद में बेड की संख्या बढ़ाकर 1370 करने का निर्णय लिया गया और अगले साल तक 1200 सुपरस्पेशलिटी अस्पताल का निर्माण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि 2005 में स्वास्थ्य की स्थिति बहुत खराब थी। कमी थी अस्पताल में दवाओं और डॉक्टरों की कमी और एक महीने में 39 मरीज प्राथमिक स्वास्थ्य के लिए आते थे। लेकिन 2006 में जब हमारी सरकार बनी तो मुफ्त दवा देने का निर्णय लिया गया। पहले एक महीने में 39 मरीज आते थे लेकिन अब हर महीने 11 हजार मरीज आते हैं। राजद पर वार करते हुए नीतीश ने कहा कि क्या पहले वालों ने कुछ किया? श्हमने गलती की कि हम दो बार उनके साथ गए और फिर बाद में हटा दिए, अब हम कभी इधर उधर नहीं जाएंगे। हम लोग शुरू से साथ थे। बीच में कभी दो बार इधर उधर हुआ गलती हुई, अब कभी इधर उधर नहीं होगा। तेजस्वी के साथ नीतीश कुमार की हालिया मुलाकात ने एक और उलटफेर की अटकलों को हवा दे दी है, जिससे केंद्र की एनडीए सरकार चिंतित हो जाएगी। जेडीयू नई दिल्ली में मौजूदा एनडीए प्रशासन में सबसे बड़े सहयोगियों में से एक है और उसके समर्थन वापस लेने से बीजेपी, जो लोकसभा चुनाव 2024 में अपने दम पर बहुमत हासिल करने में विफल रही,।

निर्माण और सड़क परियोजनाएं भ्रष्टाचार की भेंट चढ गयी है– अखिलेश यादव

लखनऊ । समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा हैं कि भाजपा सरकार में भ्रष्टाचार चरम पर है। इस सरकार में ज्यादातर निर्माण और सड़क परियोजनाएं भ्रष्टाचार की भेंट चढ गयी है। गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस–वे गोरखधंधे का सबसे बड़ा रास्ता बनने जा रहा है। 6 की जगह 4 लेन बनने के बाद भी, प्रति किमी देश का सबसे महँगा एक्सप्रेस–वे बनने का (महा भ्रष्टाचारी) रिकार्ड भी इसी के नाम है।अखिलेश यादव ने कहा कि क्या ऐसा कोई मॉनिटरिंग सिस्टम भाजपा सरकार के ऊपर निगाह रखने के लिए नहीं बन सकता जो बेलगाम भाजपाइयों को नियम और कानून तोड़ने व महा भ्रष्टाचार की गलत लेन में बेतहाशा रफ्तार से अपनी गाड़ी दौड़ाने से रोक सके। 'व्यवस्था' किसी एडवांस मैनेजमेंट सिस्टम से नहीं, सही नीयत से शासन–प्रशासन चलाने से सुधरती है।अखिलेश यादव ने कहा कि इससे पहले बुंदेलखंड एक्सप्रेस–वे के निर्माण कार्यों को लेकर तमाम तरह की शिकायतें भी आ चुकी हैं। बुंदेलखंड एक्सप्रेस–वे तो प्रधानमंत्री द्वारा उद्घाटन के एक ही सप्ताह में कई जगह टूट गया था। अयोध्या में भी बड़े पैमाने पर जमीनों की खरीद, बिक्री और निर्माण कार्यों में हुआ भ्रश्टाचार सबके सामने है। भाजपा के लोगों ने अयोध्या में जिस तरह की लूट मचाई है, उसकी दूसरी मिषाल नहीं दिखती है। भाजपा की पोल खुल चुकी है। झूठ और लूट का उसका चरित्र जनता के सामने आ चुका है। भाजपा नेता कार्यकर्ता और दल से विभिन्न पदों पर रहे लोग खुद स्वीकार करते हैं कि भाजपा सरकार में अब तक का सबसे ज्यादा भ्रष्टाचार हो रहा है। भाजपा सरकार के भ्रष्टाचार से आम जनता त्रस्त है, हर विभाग में लूट मची है। झूठ और लूट भाजपा की पहचान बन गई है। भाजपा ने किसानों, नौजवानों, महिलाओं सभी को धोखा दिया है। जनता के साथ धोखा और वायदा खिलाफी भी भ्रष्टाचार ही है।

एडीजी ने की उप राष्ट्रपति के आगमन को लेकर तैयारियों की समीक्षा

–मातहतों को सतर्क रहकर ड्यूटी करने के दिए निर्देश

चित्रकूट। अपर पुलिस महानिदेशक प्रयागराज जोन भानु भास्कर की अध्यक्षता में आयुक्त बालकृष्ण त्रिपाठी, पुलिस उप महानिरीक्षक अजय कुमार सिंह, जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन एवं पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह की उपस्थिति में उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड के जगद्गुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग राज्य विश्वविद्यालय में आयोजित आधुनिक जीवन एवं ऋषि परंपरा कार्यक्रम में प्रतिभाग को लेकर मजिस्ट्रेट, जोनल मजिस्ट्रेट व सुरक्षा बलों के साथ ब्रीफिंग रामायण मेला सीतापुर में हुई।

अपर पुलिस महानिदेशक ने कहा कि जो काम छोटा होता है उसे सूक्ष्म मानकर हम लोग कमजोर हो जाते हैं, ऐसा नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि अंतिम पक्ति में खडा आरक्षी भी सतर्क रहे, यह हम लोगों की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि सर्वप्रथम चुनौती सडक की होती है। सडक पर यह देखें की कोई विस्फोटक, बिजली का तार गैस सिलेंडर व अन्य विस्फोटक वस्तु नहीं है। उन्होंने कहा कि वीआईपी के आने पर सभी सचेत रहते हैं, लेकिन जाते समय सचेत नहीं रहते हैं यह बहुत बडी भूल है। उन्होंने कहा कि पेडों की निगरानी, विस्फोटक, शार्ट सर्किट, जहां पर खुले तार है वहां पर देख ले। इसकी भी पहले से तैयारी करें। उन्होंने कहा कि रिहर्सल के बाद इसकी जांच कर आज ही सही कराएं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में जहां भी वीआईपी मूवमेंट हुआ है वहां पर सभी की ड्यूटी लगी और सफल रहा है। उन्होंने कहा कि वीआईपी के जाने के बाद 20–30 मिनट के बाद ही अपने ड्यूटी स्थल को छोडे। साथ ही कहा कि छोटी–छोटी गलतियां व थोडी चूक से बडी घटना हो जाती है। कहा कि संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान करें।

आयुक्त बालकृष्ण त्रिपाठी ने कहा कि चित्रकूट एक पवित्र नगरी में उप राष्ट्रपति का आगमन हो रहा है जो सावधानियां बरतनी है उसको पूर्वाभ्यास के साथ ही देखें। यह धार्मिक स्थल है यहां पर श्रद्धालु आते रहते हैं, उनमें कोई भी कठिनाई नहीं होनी चाहिए। उन्होंने अधिशासी अधिकारी कर्वी को निर्देशित किया कि कोई पशु रास्ते में नहीं रहना चाहिए। पुलिस उप महानिरीक्षक परिक्षेत्र बांदा अजय कुमार सिंह ने कहा कि जो भी सुरक्षा बंदोबस्त किया जा रहा है उसे सतर्कता से साथ करें। उन्होंने कहा कि उप राष्ट्रपति की आगमन जिस रास्ते से हो उस पर लगी ड्यूटी गंभीरता पूर्वक करें। उन्होंने कहा कि जगद्गुरु रामभद्राचार्य में दो दिवसीय सेमिनार के आयोजन में सम्मिलित होंगे। उन्होंने कहा कि अष्टावक्रा हाल में जिसकी ड्यूटी लगी है वह विनम्रता के साथ ड्यूटी करें। जिलाधिकारी ने कहा कि सम्बन्धित अधिकारियों को जो जिम्मेदारी दी गयी है उसका अच्छे से निर्वहन करें। उन्होंने कहा जो बच्चें हाल में रहे उसके साथ अच्छा व्यवहार करें। साथ ही कहा कि जो भी बात यहां पर कहीं जा रही है, उसको अच्छे से समझ लें। उन्होंने कहा कि उप राष्ट्रपति के इस सेमिनार में किसी प्रकार की समस्या नहीं आनी चाहिए। पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह ने कहा कि वरिष्ठ अधिकारियों की जो ड्यूटी लगाई गई है, वह फिलट बरकरार रखें। उन्होंने कहा कि आप लोग पहले भी ड्यूटी कर चुके हैं। इसमें कुछ अच्छा करें। उन्होंने कहा कि वीआईपी में अच्छे से दृढता व विनम्रता के साथ ड्यूटी निभाए। उन्होंने कहा कि जब तक हेलीकॉप्टर यहां से उनका न उड जाए तब तक अपनी ड्यूटी पर बने रहिए। उन्होंने कहा कि कोई भी सेध नहीं लगाने पाए, सभी लोग ड्यूटी गंभीरता से करें। इस मौके पर मुख्य विकास अधिकारी अमृतपाल कौर, अपर पुलिस अधीक्षक चक्रपाणि त्रिपाठी, अपर जिलाधिकारी वित एवं राजस्व उमेश चंद्र निगम. उप जिलाधिकारी कर्वी पूजा साहू आदि मौजूद रहे।

भारतीय ज्ञान परंपरा में उनके अवदान विषय पर अन्तर्राष्ट्रीय सेमीनार का आयोजन

चित्रकूट। जगद्गुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग राज्य विश्वविद्यालय के दर्शन शास्त्र विभाग द्वारा महामहोपाध्याय पंडित गोपीनाथ कविराज और भारतीय ज्ञान परंपरा में उनके अवदान विषय पर एवं भारतीय दर्शन अनुसंधान परिषद नई दिल्ली के सौजन्य से अंतर्राष्ट्रीय सेमीनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ प्रो नवजीवन रस्तोगी, डॉ एचएल लूसी गेस्ट, यूके ब्रिटेन, डॉ राकेश सिंह निदेशक बौद्ध शोध संस्थान संस्कृति मंत्रालय उत्तर प्रदेश, प्रो जटाशंकर तिवारी ने मां सरस्वती के चित्र पर पुष्प अर्पित कर किया गया।

कुलपति प्रो शिशिर कुमार पांडेय ने कविराज गोपीनाथ द्वारा रचित पुस्तको के सम्बन्ध में बताने के साथ उनमें निहित तत्वों के सम्बन्ध में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ऐसे तत्व लोक जीवन के लिए हितकर होंगे, इसके उपयोग से आपसी सम्बन्ध की भावना बनाए रखने में सहायक है। सागर विश्वविद्यालय के प्रो एबी शर्मा ने बताया कि नई शिक्षा नीति 2020 में ज्ञान परंपरा के सम्बन्धा पर अत्यधिक बल दिया गया है। प्रो मालवी ने कविराज के नाम पर अधिक पुस्तक लिखने एवं इन पर शोध लिखने पर बल दिया। ब्रिटेन से आई डॉ एचएल लूसी ने ज्ञान परंपरा को विभिन्न विषयों में लेखन के लिए आने वाली समस्याओं पर प्रकाश डाला। साथ ही कविराज के सम्बन्ध में जानने के लिए और पढकर उनके सम्बन्धा में जानकारी प्राप्त की जा सकती है। अन्तर्राष्ट्रीय बौद्ध संस्थान के निदेशक डॉ राकेश सिंह ने कविराज के जीवन एवं अध्यात्म जीवन में उनके साहित्य के महत्व पर प्रकाश डाला।

लखनऊ विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त प्रो नवजीवन रस्तोगी ने बताया कि भारतीय संस्कृति पर जो आघात हुआ था, उसे क्रांति के शिलालेख आचार्य कविराज की थे। अगर मन में संकल्पित भाव जाग जाए तो ऐसे दार्शनिक के ऊपर शोध करने की आवश्यकता है। श्रीलंका कोलंबो विश्वविद्यालय से धर्म गुरु ने जटाशंकर तिवारी ने बताया कि कविराज की बौद्ध दर्शन एवं भारतीय दर्शन किसके लिए थे। एसोसिएट प्रो नेहरू ग्राम भारती डीम्ड विश्वविद्यालय प्रयागराज डा राजेश कुमार तिवारी ने भी अपने विचार व्यक्त किए। इस आयोजन में प्रो अंबिका दत शर्मा, ज्योति सलाम, डॉ मीनाक्षी जोशी, डॉ अंबरीष राय काशी, भोपाल मध्य प्रदेश, कानपुर, लखनऊ, सांची, अमरकंटक आदि सहभागी हुए है। आयोजन सचिव डॉ अमिता तिवारी और संयोजक अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार डॉ हरिकांत मिश्रा ने आभार व्यक्त किया।

संगोष्ठी में मत्स्य विभाग की योजनाओं की दी गई जानकारी

राजापुर (चित्रकूट)। नगर पंचायत के बारात घर में मछुआ समुदायों के बीच मत्स्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में संगोष्ठी हुई। जिसमें समुदाय के लोगों के उत्थान के लिए कई प्रकार की कल्याणकारी योजनाओं पर चर्चा की गई।

संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए मत्स्य विकास अधिकारी दीपक मिश्रा ने कहा कि प्रदेश सरकार ने यमुना के किनारे बसने वाले केवट, धीमर, घोघ, मल्लाह आदि मछुआ समुदाय के लिए मत्स्य आखेट को पट्टे देने की योजना चलाई है। जिसमें मत्स्य किसान क्रेडिट कार्ड, पांच लाख रुपए तक फ्री बीमा, साइकिल, बाइक, टाटा पिकअप 40 प्रतिशत के अनुदान पर दिए जाने का प्रावधान किया गया है। प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना व मुख्यमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना भी जनपद में लागू की गई है। इन योजनाओं का लाभ लेने के लिए मत्स्य विभाग से रजिस्ट्रेशन कराना अनिवार्य है। मत्स्य जीवी सहकारी समिति राजापुर भभेट के अध्यक्ष अमरलाल निषाद व सचिव घनश्याम निषाद ने कहा कि समाज को एकता के साथ ही रहकर समुदाय के बीच व्यापार करना लाभप्रद सिद्ध होगा। अपील किया कि नशामुक्त होकर आने वाले भविष्य पर ध्यान दें। इस अवसर पर सभासद राममिलन निषाद, सीताराम, नन्हूलाल, बाबू कमतू, संतोष कुमार, रमई निषाद, सुरेश, लक्षन, अजय, रामसिया आदि मौजूद रहे।

गणेश उत्सव की आज से शुरुआत

चित्रकूट। गणेश उत्सव की आज से शुरुआत होगी। जिसमें शहर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में पंडालों में मूर्तिया भी स्थापित की जाएगी। इसके अलावा घरों में भी कई भक्त भगवान गणेश की मूर्ति रख गणेश उत्सव मनाते हैं। जिले में गणेश उत्सव बनाने की परम्परा कई साल से चली आ रही है। जिसमें सबसे पहले जिले में बसे महाराष्ट्र प्रदेश के परिवार के सदस्यों ने शुरु की। जिसमें शहर के पुरानी बाजार स्थित शिक्षक के नेतृत्व में गणेश उत्सव की शुरुआत हुई। इसके बाद कई अन्य स्थानों में भगवन गणेश के पंडाल सजने लगे। जिसमें नई बाजार में भी गणेश की मूर्ति की पंडाल में स्थापना कर एक सप्ताह तक उत्सव मनाया जाता है। इसी तरह से ग्रामीण क्षेत्र में भी गणेश उत्सव मनाया जाता है। जिसमें राजापुर में गणेश उत्सव मनाया जाएगा। गणेश उत्सव कमेटी के सदस्य भक्तों में के द्वारा पांडालों को अंतिम रूम दिया जा रहा है। जिले में 150 स्थानों में गणेश उत्सव मनाया जाता है।

आमने सामने दो ट्रकों की भिड़त

राजापुर। कर्वी–राजापुर रोड में भरत पेट्रोल पंप के पास आमने सामने दो ट्रकों की भिड़त हो गई। इससे अज्ञात चालक घायल हो गया। जिसको इलाज के लिए सामुदायिक अस्पताल में भर्ती कराया गया। वही घटना स्थल पर लगभग एक घंटे तक जाम लगा रहा। इससे आवागन करने वाले ट्रक सहित अन्य वाहन खड़े। सडक से जब ट्रक हटाया गया। इसके बाद जाम खुला।

अज्ञात कारणों के चलते युवक ने लगाई फांसी, मौत

चित्रकूट। अज्ञात कारणों के चलते युवक ने घर के अन्दर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। पहाड़ी थाना क्षेत्र के अन्तर्गत बकटा बुजुर्ग गांव के निवासी भालेन्द्र सिंह (46) पुत्र बीरबल सिंह ने बीती रात अपने घर के अन्दर छत से रस्सी में फांसी का फंदा डालकर आत्महत्या कर लिया। परिजनों को इसकी जानकारी होने पर घर में हडकम्प मच गया। घटना की जानकारी मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस को परिजनों ने बताया कि मृतक भालेन्द्र सिंह की पत्नी की मृत्यु लगभग 12 वर्ष पहले हो गयी थी। उसके चार बच्चे हैं, जो ननिहाल में रहते हैं। तीन भाईयों में सबसे बड़ा मृतक भालेन्द्र सिंह राशन कार्ड से मिलने वाले गल्ले से जीवन यापन करता था।।

मुख्यमंत्री ने कैम्पियरगंज, गोरखपुर में जटायु संरक्षण एवं प्रजनन केन्द्र का उद्घाटन किया

प्रकृति और पर्यावरण को बचाकर विकास कार्य करने से सतत विकास की अवधारणा सफलीभूत हो सकेगी– मुख्यमंत्री

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि रामायण कालीन मर्यादाएं तथा अनुशासन हमें सदाचरण हेतु प्रेरित करते हैं। जहां एक ओर उस कालखण्ड में गिद्धराज जटायु ने मित्रता का धर्म निभाने तथा नारी गरिमा की रक्षा करने के दायित्व का निर्वहन किया, वहीं दूसरी ओर जटायु की वर्तमान पीढ़ी द्वारा इस पृथ्वी को शुद्ध करने का अविस्मरणीय कार्य किया जाता है। पेस्टिसाइड तथा दवाओं के अत्यधिक उपयोग का दुष्प्रभाव गिद्धों की प्रजातियों पर पड़ा। परिणामस्वरूप इनकी संख्या में तेजी से कमी आई। इनके बचाव के लिए ही आज यहां दुनिया, देश तथा प्रदेश का पहला जटायु संरक्षण व प्रजनन केंद्र प्रारम्भ हो रहा है। हमें प्रकृति को बचाना है तथा इससे जुड़े हुए जीव जंतुओं के प्रति भी हमारा दायित्व बनता है।

मुख्यमंत्री आज कैम्पियरगंज, गोरखपुर में 05 हेक्टेयर क्षेत्रफल में बने जटायु संरक्षण एवं प्रजनन केन्द्र का उद्घाटन करने के पश्चात अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। उन्होंने हरियाली तीज की हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हम सब आज अपनी वैदिक और पौराणिक परम्परा तथा गिद्धराज जटायु की वर्तमान पीढ़ी के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करते हुए जटायु संरक्षण एवं प्रजनन केंद्र के लोकार्पण के कार्यक्रम के साथ जुड़ रहे हैं। रामायण काल के पहले बलिदानी गिद्धराज जटायु ने धर्म तथा नारी गरिमा की रक्षा के लिए स्वयं को बलिदान किया था। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि इस अवसर पर रामायण कालीन प्रसंग का स्मरण हो रहा है, जब तुलसीदास जी कहते हैं कि 'गीधराज सुनि आरत बानी। रघुकुलतिलक नारि पहिचानी।। अधम निसाचर लीन्हें जाई। जिमि मलेछ बस कपिला गाई।।' अर्थात गिद्धराज जटायु ने सीता जी की दुःख भरी वाणी सुनकर पहचान लिया कि यह तो प्रभु श्री रामचन्द्र की धर्मपत्नी हैं। राक्षस माता सीता का अपहरण करके ठीक उसी प्रकार ले जा रहा है, जिस प्रकार कपिला गाय को कोई म्लेच्छ बलपूर्वक ले जा रहा हो। जटायुराज ने निहत्थे होकर भी राक्षसराज रावण से युद्धकर उसे घायल करने का कार्य किया था। हमारी संस्कृति में गाय तथा बन्दर आदि पशु सम्मान की दृष्टि से देखे जाते हैं। किसी भी व्यक्ति द्वारा इन पशुओं को हानि पहुंचाने का कृत्य हमारे लिए असह्य होता है। क्योंकि इनके पूर्वजों ने कभी हमारी परम्परा के लिए अपना सर्वस्व बलिदान कर दिया था। हनुमान जी ने अपना सम्पूर्ण जीवन प्रभु श्रीराम की भक्ति तथा माता सीता को ढूंढने के लिए समर्पित किया था। इस कारण हम उनके प्रति श्रद्धा का भाव रखते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि जटायुराज की मित्रता महाराज दशरथ से थी। उन्होंने अपनी मित्रता तथा नारी गरिमा को बचाने के लिए रामायण काल के पहले बलिदानी के रूप में स्वयं को स्थापित किया। अयोध्या में श्री रामजन्मभूमि मंदिर के ठीक सामने निर्मित स्थल पर जटायुराज की विशाल प्रतिमा स्थापित है। मित्रता कैसी होनी चाहिए, यह सीख हमें जटायु से लेनी चाहिए। वचन किस प्रकार निभाये जाने चाहिए, रामायण इस बारे में हमारा मार्गदर्शन करती है, 'रघुकुल रीत सदा चली आई, प्राण जाए पर वचन न जाई।' जो वचन दिया, उसे अवश्य पूर्ण करना है। रामायण का यह प्रसंग आज हमारे लिए आदर्श बना है। गांव–गांव में रामलीलाएं होती हैं।

मुख्यमंत्री ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि इस केंद्र में वनटांगिया समुदाय से जुड़े लोग केयरटेकर के रूप में काम कर रहे हैं। उनको स्थानीय स्तर पर नौकरी प्राप्त हो रही है। उन्होंने वन विभाग को यहां फॉरेस्ट्री कॉलेज के निर्माण के लिए निर्देशित करते हुए कहा कि इसमें फॉरेस्ट्री विषय से सम्बन्धित डिग्री व डिप्लोमा के पाठ्यक्रम चलाए जाएं, ताकि यहां से निकलने वाले विद्यार्थियों को वन विभाग में विभिन्न पदों पर नौकरी प्राप्त हो सके। इसके माध्यम से हम वन विभाग के संरक्षण के साथ–साथ प्रदेश के क्लाइमेट जोंस के अनुसार फॉरेस्ट्री को विकसित करने के कार्यक्रम को आगे बढ़ा सकेंगे। यह इस क्षेत्र के लिए एक बड़ा कार्य हो सकता है। इस दिशा में प्रयास को आगे बढ़ाने की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश, देश तथा दुनिया का ऐसा पहला राज्य है, जिसने 07 वर्षों में 200 करोड़ से अधिक वृक्षारोपण के बड़े लक्ष्य को आगे बढ़ाया है। वर्ष 2017 से पूर्व पेड़ काटे जाते थे। वर्ष 2017 के बाद पेड़ लगाए जा रहे हैं। इनकी रक्षा कर प्रकृति के साथ–साथ वर्तमान पीढ़ी को बचाने का कार्य किया जा रहा है। हरियाली तथा प्रकृति के अभाव में मानवता को संकट का सामना करना पड़ेगा। जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभाव के कारण असमय तथा मूसलाधार वर्षा होना, बादल फटना, आकाशीय बिजली गिरना आदि घटनाएं हो रही हैं। इसके कारण फसलें भी प्रभावित हो रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें पर्यावरण को प्लास्टिक कचरे से मुक्त करना होगा क्योंकि प्लास्टिक कृषि, गोवंश, प्रकृति तथा पर्यावरण आदि के लिए हानिकारक है। अधिक से अधिक वृक्षारोपण पर ध्यान देना होगा। ईंधन के लिए पेड़ न काटने पड़ें इसलिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में 12 करोड़ गरीबों को प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के अन्तर्गत रसोई गैस के निःशुल्क कनेक्शन प्रदान किए हैं। प्रदेश सरकार द्वारा इस योजना के एक करोड़ 86 लाख लाभार्थियों को होली व दीपावली के पर्व पर निःशुल्क रसोई गैस के सिलेंडर उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई है। आगामी दीपावली पर्व पर पुनः निःशुल्क सिलेंडर उपलब्ध कराया जाएगा। जंगल केवल जंगल नहीं बल्कि ऑक्सीजन के केंद्र हैं। इनके माध्यम से जलवायु परिवर्तन को रोका जा सकता है। पर्यावरण तथा जीव जंतुओं को बचाया जा सकता है। यह कार्य मनुष्यों को बचाने में भी बड़ी भूमिका का निर्वहन करेगा। उन्होंने कहा कि वन विभाग ने अनेक कार्य किये हैं, जैसे प्रदेश में 100 वर्ष पुराने पेड़ों को बचाने के लिए हेरिटेज वृक्षों की श्रृंखला खड़ी की गई है। इसके अन्तर्गत वृक्षों को चिन्हित करना, बचाने की तैयारी करना आदि उपाय किए जाते हैं। अधिक से अधिक लोगों को प्रकृति के नजदीक लाने के लिए वेटलैण्ड, पक्षी विहार, टाइगर रिजर्व क्षेत्र आदि की व्यवस्था की गई है। इसके परिणामस्वरुप प्रदेश में वन क्षेत्र में वृद्धि हुई है तथा जंगली जीव जंतुओं को बचाने में सफलता प्राप्त हुई है। प्रदेश में लुप्तप्राय नदियों को पुनर्जीवित किया जा रहा है। अमृत सरोवर के रूप में जल संरक्षण करने के साथ–साथ लोगों को जल तथा प्रकृति को बचाने के लिए प्रेरणा प्रदान की जा रही है। यही कारण है की जल की शुद्धता का प्रतीक माने जाने वाली डॉल्फिन फिर से दिखाई दे रही है। विकास की यह परंपरा क्रमिक रूप से आगे बढ़ रही है। प्रकृति और पर्यावरण को बचाकर विकास कार्य करने से सतत विकास की अवधारणा सफलीभूत हो सकेगी। इसके माध्यम से हम संसाधनों का लंबे समय तक उपयोग कर पाएंगे। प्रकृति की कीमत पर किया गया विकास क्षणिक होता है। इसके दूरगामी परिणाम अत्यंत खतरनाक होते हैं। आज यहां इसी मुहिम का हिस्सा बनते हुए इस कार्यक्रम को आगे बढ़ाया जा रहा है। यह एक पवित्र कार्य है। हम नए भारत के नए उत्तर प्रदेश में हैं। आज प्रदेश प्रत्येक क्षेत्र में तेजी के साथ आगे बढ़ रहा है। यहां हाईवे एक्सप्रेस–वे का निर्माण हो रहा है। रेलवे का विस्तार हो रहा है। नगरीय क्षेत्र में मेट्रो सहित पब्लिक ट्रांसपोर्ट के अन्य साधनों का विकास हो रहा है। प्रदेश बेहतरीन एयर कनेक्टिविटी से जुड़ रहा है। प्रदेश में नौकरी तथा रोजगार की नई सम्भावनाओं को आगे बढ़ाने का कार्य किया जा रहा है। जनपद गोरखपुर भी विकास के पथ पर तेजी से अग्रसर हो रहा है। यहां बन्द पड़ा खाद का कारखाना फिर से प्रारम्भ हो चुका है। एम्स प्रारम्भ हो चुका है। आज बी0आर0डी0 मेडिकल कॉलेज पहले की तुलना में बेहतरीन सेवाएं प्रदान कर रहा है। चारों ओर से फोरलेन तथा सिक्स लेन की कनेक्टिविटी हुई है। लोगों को गोरखपुर के प्राणी उद्यान में प्रकृति के साथ रहने का अवसर प्राप्त हो रहा है। यहां का रामगढ़ ताल नए कलेवर के साथ सबके सामने है। यहां के सड़कों की लाइटिंग हर एक को अपनी ओर आकर्षित कर रही हैं।

शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले शिक्षक–शिक्षिकाओं को किया गया सम्मानित

चित्रकूट। सामाजिक संस्था आयुष्मान वानप्रस्थ विश्वविद्यालय की ओर से दृष्टि संस्थान में आयोजित समारोह में शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले जिले के 75 शिक्षक–शिक्षिकाओं को सम्मानित किया गया है।शिक्षक सम्मान समारोह के मुख्य अतिथि सदर विधायक अनिल प्रधान, विशिष्ट अतिथि पूर्व सांसद भैरों प्रसाद मिश्र, सहकारी बैक के चेयरमैन पंकज अग्रवाल व जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी बीके शर्मा ने शिक्षकों को तिलक लगाकर शाल ओढाकर और प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मान किया।

मुख्य अतिथि सदर विधायक ने कहा कि विश्व में वही देश प्रगति किया है जिस देश में शिक्षक का सम्मान राष्ट्रपति से भी बढकर है । उन्होंने शिक्षा के स्तर पर गिरावट पर कहा कि इसके लिये शिक्षक ही खुद आत्मचिन्तन करके सुधार करने में सक्षम हैं और कोई शिक्षा के स्तर को बढाने के लिये सक्षम नहीं हो सकता है। शिक्षक अपने शिष्यों की कामयाबी देखकर पिता से भी ज्यादा खुश होते हैं । इस मौके पर उन्होंने सभी गुरूओ को प्रणाम किया।

पूर्व सांसद भैरों प्रसाद मिश्र ने कहा कि शिक्षा के स्तर को सुधारने के लिये शिक्षकों के साथ–साथ अभिभावकों की भी जिम्मेदारी है और सरकार भी शिक्षकों के साथ अच्छा व्यवहार करे। उन्होंने ऑनलाइन उपस्थिति पर कहा कि दूर–दूर से शिक्षक–शिक्षिकाओं को विद्यालय आना–जाना पड़ता है इस पर आधे घंटें की छूट होनी चाहिये। शिक्षकों का सम्मान दुनिया में सर्वोपरि है।

शिवलाल सिंह राजपूत ने कहा कि शिक्षा सतत चलने वाली प्रक्रिया है। अफ्रीकी राष्ट्रपति रहे नेन्शन मण्डेला की लाइनों को सुनाते हुये कहा कि शिक्षा वह हथियार है जिसमें बलबूते हम दुनियां जीत सकते हैं। लोग गुरू से ज्यादा अब गूगल को वरीयता देने लगे यहीं से शिक्षा में गिरावट आने लगी। शिवबरन त्रिपाठी ने कहा कि शिक्षा के स्तर में गिरावट आई है इस सच्चाई को सभी को स्वीकारना चाहिये और इसके सुधार की दिशा में प्रयास नये सिरे से होना चाहिये। उन्होंने यहां तक कहा कि इस युग न तो छात्र बढना चाहता है और न ही शिक्षक बढाना चाहता है। यह चिन्तन करने का विषय है। बालकों में क्षमता और प्रतिभा की कमी नहीं है हमें विद्यार्थियों में विद्यमान ईश्वर प्रदत्त क्षमता को विकसित करने के लिये उन्हें अच्छा वातावरण देने की जरूरत है।

बीएसए बीके शर्मा ने कहा कि शिक्षा में सुधार केवल एक मात्र शिक्षक ही ला सकते हैं। इसीलिये शिक्षक को राष्ट्र निर्माता का दर्जा दिया गया है। दुनियां में कोई ऐसा तंत्र नहीं है जो शिक्षा में सुधार लाने में सक्षम हो शिवाय शिक्षक के, समाज में शिक्षक का स्थान सबसे उच्च है। बस चिन्ता इस बात की है कि शिक्षक का जो मूल रूझान होना चाहिये वह नहीं दिख रहा। इसमें शिक्षकों को अपनी गरिमा का ध्यान रखते हुये अपने कर्तव्यों का संकल्पबद्ध होकर पालन करना चाहिये।

समारोह में शिक्षकों के अलावा कुछ प्रबन्धक भी रहे जिनमें जेपी मिश्रा, शिवलाल राजपूत, डा मनोज द्विवेदी, प्रेमनारायण गुप्ता इसके अलावा प्रधानाचार्य डा रणवीर सिंह चौहान, छोटेलाल सिंह, शिवबरन त्रिपाठी, सुरेश चंद्र, नीतू वर्मा, मोहनलाल, अरूणा, सीमा सिंह, प्रियंका सिंह,शिवनायक यादव, दादूराम, शिक्षक फूलचन्द्र चंद्रवंशी, विजय कुमार पाण्डेय, रामबचन सिंह, शंकर प्रसाद यादव आदि शामिल रहे।

कार्यक्रम का संचालन संस्था के निदेशक बलवीर सिंह ने किया।

कार्यक्रम में डा एसपी त्रिपाठी, लल्लूराम शुक्ल, अनीता सिंह, विजय चन्द्र गुप्त, राजेश दुबे, दृष्टि संस्था के संस्थापक शंकर लाल गुप्त, पंकज दुबे, बसंतलाल आदि गणमान्य लोगों की उपस्थिति रही।

सामूहिक दुष्कर्म के आरोपी पीड़िता को दे रहे धमकी

–एसपी से आरोपियों की गिरफ्तारी को लगाई गुहार

चित्रकूट। एक अस्पताल के डॉक्टर व एक दरोगा समेत कई पर सामूहिक दुष्कर्म का आरोप लगाने वाली महिला ने एसपी से न्याय दिलाने की गुहार लगाई है।राजापुर थाना क्षेत्र के एक कस्बा निवासी महिला शुक्रवार को पति के साथ पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंची। सौपे गए पत्र में आरोप लगाया कि कस्बे के सिद्धिविनायक अस्पताल के डॉक्टर ने इलाज के दौरान वीडियो बनाकर दुष्कर्म किया। इसके बाद सरधुआ में एक दरोगा से फिर कौशांबी में तीन लोगों से ब्लैकमेल कर दुष्कर्म कराया। राजापुर थाने में डॉक्टर समेत पांच के खिलाफ सामूहिक दुष्कर्म की रिपोर्ट दर्ज है। महिला ने एसपी से कहा कि आरोपी डॉक्टर दबाव डालकर धमकी दे रहे हैं कि वह जेल जाएंगे तो उसके पति को मार देंगे। इससे उसका परिवार भयभीत है। आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हो रही है। भीम आर्मी के जिला संयोजक संजय गौतम व अन्य पदाधिकारी महिला व उसके परिजनों से मिले। आश्वस्त किया कि उसकी न्याय की लड़ाई में साथ हैं। गिरफ्तारी न होने पर आंदोलन किया जाएगा।

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, शनिवार 07 सितंबर 2024
sheelshukla100@gmail.com

उत्कृष्ट शिक्षक सम्मान से सम्मानित हुए प्रधानाध्यापक सत्य प्रकाश मिश्र

जौनपुर।शिक्षक दिवस के अवसर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों को कलेक्ट्रेट स्थित प्रेक्षागृह में प्रशस्ति पत्र व अंगवस्त्र

देखकर सम्मानित किया गया। जिसमें जेठपुरा कंपोजिट विद्यालय के प्रधानाध्यापक सत्य प्रकाश मिश्रा भी सम्मानित हुए ।यह पुरस्कार उन शिक्षकों को मिला जो अच्छे कार्य करते हैं इसके साथ ही बच्चों में शिक्षक की अलख जगाने के लिए अनेक तरह से प्रयासरत रहते हैं ।जेठपुरा के ग्राम वासियों का मानना है कि सत्य प्रकाश में जब से विद्यालय में प्रधानाध्यापक नियुक्त हुए हैं। तब से विद्यालय की तस्वीर बदल गई है बच्चों को अच्छी शिक्षा के अच्छा भोजन भी मिलता है ।इस विद्यालय की तुलना प्राइवेट स्कूल से नहीं की जा सकती है यहां पर उनके नेतृत्व में सभी अध्यापक बच्चों को अच्छी तरह से पढ़ते हैं व समय–समय पर खेल कूद और अन्य प्रतियोगी परीक्षा कराकर बच्चों की प्रतिभा को निखारने का काम करते हैं ।पत्रकारों द्वारा उत्कृष्ट पुरस्कार में पाने के बारे में पूछा गया तो उन्होंने बताया इस पुरस्कार मिलने में हमारे सहयोगी अध्यापक का विशेष योगदान रहा जिसके लिए मैं सभी को धन्यवाद देता हूं । मिश्रा ने कहा कि हमारा उद्देश्य है बच्चों को अच्छी शिक्षा देना क्योंकि आजकल सभी लोग अपने बच्चों को प्राइवेट विद्यालय में भेजते हैं। लेकिन इससे अच्छी शिक्षा सरकारी विद्यालयों में दी जा रही है ।इस विद्यालय से पढ़कर बहुत से बच्चे अच्छे–अच्छे पदों पर नियुक्त हुए हैं। उन्होंने अभिभावकों से अपील करते हुए कहा कि अपने बच्चों को सरकारी स्कूल पढ़ने के लिए अवश्य भेजें। इस पुरस्कार मिलने से क्षेत्र के सम्मानित लोग व अध्यापक टीम ने उन्हें बधाई दी।

इण्टरनेशनल मैकफेयर–2024 का भव्य उद्घाटन

लखनऊ, 6 सितम्बर। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, महानगर कैम्पस द्वारा आयोजित चार दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय गणित एवं कम्प्यूटर फेयर 'मैकफेयर इण्टरनेशनल–2024' का आगाज बड़े ही शानदार तरीके

से सी.एम.एस. कानपुर रोड ऑडिटोरियम में हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में पधारे उत्तर प्रदेश के सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री जे.पी.एस. राठौर ने दीप प्रज्वलित कर मैकफेयर इण्टरनेशनल का विधिवत् उद्घाटन किया। उद्घाटन समारोह में देश–विदेश से पधारे बाल वैज्ञानिकों को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि श्री जे. पी.एस. राठौर, सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) ने कहा कि आज के इस वैज्ञानिक युग में कम्प्यूटर, विज्ञान व गणित विषयों का महत्व अत्यधिक बढ़ गया है इसलिए आज यह जरूरी है कि, विश्व के महानतम वैज्ञानिक अपने ज्ञान का उपयोग आम लोगों की बुनियादी आवश्यकताओं, विकास, रचनात्मक कार्यो, विश्व एकता एवं विश्व शान्ति के लिए करें, और आज यहाँ आप लोगों के बीच में आकर मेरा विश्वास भी और अधिक मजबूत हो गया है, कि आने वाले समय में विश्व का भविष्य हमारे बाल वैज्ञानिकों के सुरक्षित हाथों में है।

उद्घाटन समारोह के दौरान सी.एम.एस. छात्रों ने नेपाल, श्रीलंका, भूटान एवं देश के विभिन्न प्रदेशों से पधारे प्रतिभागी छात्र टीमों एवं उनके शिक्षकों के सम्मान में एक से बढ़कर एक रंगारंग शिक्षात्मक–सॉस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर सभी का दिल जीत लिया। देश–विदेश के लगभग 500 बाल वैज्ञानिक अपनी प्रतिभा व ज्ञान का उत्कृष्ट प्रदर्शन करने लखनऊ पधारे हैं। इससे पहले, मैकफेयर इण्टरनेशनल में पधारे प्रतिभागी छात्र आज अपरान्हः सत्र में सी.एम.एस. कानपुर रोड ऑडिटोरियम में आयोजित एक प्रेस कान्फ्रेन्स में पत्रकारों से मिले और इस आयोजन पर खुलकर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि हम संसार के सभी वैज्ञानिकों से अपील करते हैं कि वह विज्ञान का उपयोग मानवता की भलाई के लिए करने का संकल्प लें। विदित हो कि सी.एम.एस. महानगर कैम्पस द्वारा 'मैकफेयर इण्टरनेशनल–2024' का आयोजन 6 से 9 सितम्बर तक सी.एम.एस. कानपुर रोड ऑडिटोरियम में किया जा रहा है।

हाथरस में हुआ एक दर्दनाक सड़क हादसा

हाथरस में एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ है, जहां 12 लोगों की मौत हो गई और कई गंभीर रूप से घायल हुए हैं।

जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका बताई जा रही है. शुक्रवार की शाम एक मैक्स लोडर और एक रोडवेज बस के बीच भीषण टक्कर हुई।

बताया जा रहा है कि मैक्स में लगभग 30 लोग थे और सभी मुकुंद खेड़ा तेरहवीं भोज खाकर खंदौली के पास गांव सेवला वापस लौट रहे थे।यह दर्दनाक घटना घटना आगरा–अलीगढ़ बाईपास पर मीतई गांव के पास हुई।

मरने वालों में बच्चे और महिला–पुरुष शामिल हैं. मृतकों के परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है।

राष्ट्रीय सामाजिक सेवा संघ ने भूखे को कराया भोजन

सुल्तानपुर(आरएनएस)। राष्ट्रीय सामाजिक सेवा संघ के निःशुल्क रसोई द्वारा प्रत्येक बृहस्पतिवार को जिला अस्पताल और रेलवे स्टेशन पर जंन सहयोग के माध्यम से सैकड़ो मरीजो तीमारदारों, यात्रियों तथा जरूरतमन्दों को लगातार मुफ्त खाना खिला कर भूख मिटाने का सिलसिला जारी है।

सगठन के विधिक सलाहकार एडवोकेट संजय मिश्र ने जरूरतमन्दों को उपलब्ध ा कराया गया। देर शाम बृहस्पतिवार को राष्ट्रीय सामाजिक सेवा संघ के अध्यक्ष मेराज अहमद खान के नेतृत्व में स्वशाषी राज्य महाविद्यालयध जिला अस्पताल और जिला महिला अस्पताल में भर्ती मरीजो और उनके तीमारदारों एव जरूरतमन्दों को उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष दिलीप पाण्डेय ने निःशुल्क भोजन की थाली देकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि भूखे को भोजन खिलाना कितना महान और आवश्यक कार्य है कि यहाँ लाइन लगाकर खड़े बेसहारा लोगो की जरुरत को देखा जा सकता है। राष्ट्रीय सामाजिक सेवा संघ ने जब से समाज सेवा के क्षेत्र में शुरुआत किया है पीछे मुड़ कर नही देखा लगातार कई प्रकार के जनहितकारी कार्य करते हुए समाज के हर वर्ग के लोगो को जोड़ने का काम कर रहा है। उध ार रेलवे स्टेशन पर वरिष्ठ टिकट निरीक्षक साहिल कुमार ने भोजन की थाली वितरित किया। राष्ट्रीय सामाजिक सेवा संघ के विधिक सलाहकार एडवोकेट संजय मिश्रा कहते है कि संस्था की टीम समाज के प्रति निःस्वार्थ सेवा भाव और निष्ठा को देख कर लगा कि अगर अपनी गाढ़ी कमाई का कुछ अंश किसी असहाय जरूरतमंद पर खर्च करना चाहिए तो इस जगह करे जहाँ वास्तविक जरूरतमंद है मैं संस्था से जुड़ा और मैं प्रतिमाह आर्थिक सहयोग करता आ रहा हूँ किन्तु जरूरतमन्दों की जरूरत को देखते हुए इस बृहस्पतिवार का अपने व्यक्तिगत बजट से भोजन का पूरा व्यय करने का साहस आया। राष्ट्रीय सामाजिक सेवा संघ के मार्गदर्शक निजाम खान बताया कि भोजन के मेन्यू में अरहर की दाल, सब्जी ,रोटी और चावल शामिल रहा।जिसको मेडिकल कालेज में 289 और रेलवे स्टेशन पर 145 कुल 434 जरूरतमन्दों को मुफ्त भोजन की थाली वितरित की गई। इस मौके पर प्रदीप श्रीवास्तव, सत्य प्रकाश वर्मा, नफीसा बानों, हाजी मुहम्मद मुजतबा अंसारी,डॉ शादाब खान, अब्दुल वदूद मिलियन टेलर,राशिद वर्दी टेलर, राज कुमार यादव,संजय सिंह, आदिल हसन, अशुतोष झा लकी,शमशुद्दीन,सद्दाम खान, हसन खान माता प्रसाद जायसवाल, बैजनाथ प्रजापती, सुल्तान महमूद कैफी इत्यादि का भोजन वितरण कार्य मे महत्वपूर्ण योगदान रहा।

शिक्षक दिवस पर लायंस क्लब ने किया गुरुजनों को सम्मानित

सुल्तानपुर(आरएनएस)। शिक्षक दिवस के अवसर पर लायंस क्लब सुल्तानपुर सेंट्रल के द्वारा आयोजित सम्मान सभा गुरुओं को सम्मानित किया गया। इसी क्रम में डा. इंद्र मणि कुमार, एसोसिएट प्रोफेसर राणा प्रताप महाविद्यालय, डा.रवि शंकर मिश्रा, शहीद स्मारक विद्यालय रनकेडीह, जे एन उपाध्याय प्राचार्य महर्षि विद्या मंदिर सुल्तानपुर, डा. सतीश कुमार सिंह असिस्टेंट प्रोफेसर सन्त तुलसीदास पी जी कालेज कादीपुर को माला, शॉल एवं स्मृति चिन्ह प्रदान करते हुए सम्मानित किया गया। इस अवसर उपस्थिति शिक्षकगण ने अपने उद्बोधन में समाज एवं छात्रों के लिए गए समर्पित भाव से दीक्षा प्रदान किए जाने का उल्लेख किया। सभा में उपस्थित संस्थापक अध्यक्ष लायन सतीश कुमार श्रीवास्तव भी उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि सीए लायन सौरभ कांत ने शिक्षक गण के लिए बहुत ही सुंदर शब्दों के साथ अपना उद्बोधन प्रस्तुत किया। सभा में उपस्थित शिक्षक गण का परिचय क्रमशः अध्यक्ष लायन शबीहुल हसनैन, सचिव लायन आशीष अग्रवाल, कोषाध्यक्ष लायन जसबीर सिंह के द्वारा सदन में प्रेषित किया गया। सचिव लायन आशीष अग्रवाल ने सभा का सुंदर संचालन किया।

तरही शब्बेदारी व जुलूस ए अमारी का आयोजन आज

सुल्तानपुर। अंजुमन हैदरिया मनियारपुर की तरफ से शनिवार को रात में 8बजे एक मजलिस का आयोजन बड़ा इमाम बाड़ा मनियारपुर में किया गया है। जिसको मौलाना अली अब्बास खान प्रोफेसर कुम यूनीवर्सिटी ईरान पढ़ेंगे बाद मजलिस रात भर शब्बेदारी होगी जिसमें सुलतानपुर की सभी अंजुमनें नौहा ख्वानी व सीना जनी करेंगी। संचालन जाहिद कानपुरी करेंगे। रविवार को सुबह 5बजे अमारी का जुलूस बड़ा इमाम बाड़ा से उठकर गॉव से होता हुआ छोटे इमाम बाड़े पर समाप्त होगा दौराने जुलूस मौलाना मूनिस जान्सठी मौलाना मुशीर अब्बास खान सुलतानपुरी मौलाना आजम मेंहदी खान सुलतानपुरी मौलाना सैयद नकी रजा जैदी सुलतानपुरी मौलाना आजम हुसैन सुलतानपुरी मौलाना फकीह हैदर सुलतानपुरी तकरीर करेंगे ।और बाहरी अंजुमन आरफी बघरा मुजफ्फरनगर पंजतनी सेथल बरैली सिपाहे हुसैनी भनौली सादात अजाये अहलेबैत अहले सुन्नत सिपाह जौनपुर कारवाने अजा जान्सठ मुजफ्फरनगर जाफरिया दोसीपुरा बनारस नौहा ख्वानी व सीना जनी करेंगी। अंजुमने हैदरिया मनियारपुर की तरफ से अलताफ हुसैन व गुलाम अब्बास ने लोगों से जुलूस में पहुॅचने की अपील की है।

ई–रिर्सोसेज वर्कशॉप कार्यक्रम का आयोजन

सुलतानपुर(आरएनएस)। कमला नेहरू केन्द्रीय पुस्तकालय में प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी संस्थान मे नवागत छात्रों को ई–रिर्सोसेज पुस्तकों एवं जर्नल्स का वर्कशाप कार्यक्रम का आयोजन 09 सितम्बर से आयोजित कर रहा है। जिसके तहत सभी संकाय के छात्रों को इसके उपयोग की जानकारी दी जाएगी। आज पुस्तकालय प्रभारी डॉ. राजेश पाण्डेय ने अपने पुस्तकालय सहयोगियों के साथ बैठक कर इस कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की। केन्द्रीय पुस्तकालय समिति के समन्वयक डॉ. शक्ति सिंह ने इस आयोजन से सम्बंधित आवश्यक सुझाव दिए। संस्थान के प्रबंधक विनोद सिंह एवं प्राचार्य प्रो. आलोक कुमार सिंह अत्याधुनिक सुविधा सम्पन्न पुस्तकालय ही शिक्षकों और छात्रों की पठ्नीय आवश्यकता को पूरी करता है। इनकी इसी मंशा से संस्थान पुस्तकालय समृद्ध हुआ है। पुस्तकालय प्रभारी ने बताया प्रबंधक एवं प्राचार्य जी तथा पुस्तकालय समिति का सहयोग पुस्तकालय को सदैव मिलता रहता है।

हैरिंग्टनगंज में प्रधानमंत्री खेल प्रतियोगिता का आज होगा शुभारम्भ

-पूर्व सांसद लल्लू सिंह करेंगे उद्घाटन, कल पुरस्कार वितरण करेंगे खेल मत्री गिरीश चंन्द्र यादव

अयोध्या(आरएनएस)। ब्लाक स्तर की प्रधानमंत्री खेल प्रतियोगिता हैरिंग्टनगंज ब्लाक के शहीद रामसूरत इंटर कालेज के सामने देहली बाजार मार्ग में सात व आठ सितम्बर को आयोजित होगी। प्रतियोगिता का उद्घाटन पूर्व सांसद लल्लू सिंह करेंगे। समापन के अवसर पर प्रदेश के खेल मंत्री गिरीश चन्द्र यादव उपस्थित रहेंगे। प्रतियोगिता में वालीबॉल, रस्सीकसी तथा कबड्डी की प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। लोकसभा क्षेत्र के अन्य ब्लाकों में भी प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी। जिसके विजेता तथा उपविजेता टीमों का लोकसभा स्तर पर फाइनल खेला जाएगा। प्रतियोगिता की तैयारी को लेकर मसौधा ब्लाक के एमजेएस स्कूल भरतकुंड तथा सोहावल ब्लाक के जनसमाज इंटर कालेज में पूर्व सांसद लल्लू सिंह ने आयोजन समिति के सदस्यों के साथ बैठक की। बैठक में पूर्व सांसद ने समिति के सदस्यों से आयोजन को लेकर सभी तैयारियां पूर्ण करने के निर्देश दिए।

सोहावल ब्लाक की बैठक में पूर्व सांसद ने कहा इस प्रकार के आयोजनों से ग्रामीण प्रतिभाओं को बल मिलता है। आयोजन समिति के सदस्य इसका प्रयास करें कि प्रतियोगिता में अधिक से अधिक ग्राम पंचायत तथा क्षेत्र की अन्य टीमें प्रतिभाग करें। जिससे अधिक से अधिक प्रतिभाओं को मंच मिल सके। सोहावल की बैठक में जनसमाज इंटर कालेज के प्रधानाचार्य प्रदीप कुमार वर्मा, अयोजन समिति के अध्यक्ष राज नारायन तिवारी, सचिव सिद्धार्थ सिंह, सुरेंद्र रावत, रवि कुमार सिंह, दयानाथा पाण्डेय, मसौधा की बैठक में आयोजन समिति की अध्यक्ष ज्ञान प्रकाश वर्मा गुड्डू, सचिव ऋषि मिश्रा, उपाध्यक्ष माता प्रसाद वर्मा, सियाराम निषाद, लोकेश द्विवेदी सहित आयोजन समिति के अन्य सदस्य मौजूद रहे।

पूर्व प्रधानाचार्य व बड़े बाबू पर सरकारी अभिलेखों को जलाने का लगा गम्भीर आरोप

सुल्तानपुर। स्वार्थ में अपने कल को बेहतर बनाने के लिए स्कूल का लिपिक (बड़े बाबू) इस हद तक गिर कर मौके की तलाश में जुट गया और मौका मिलते ही कार्यालय में रखें सरकारी पत्रावली को गायब कर उसे जला कर राख कर दिया। स्कूल के प्रधानाचार्य द्वारा मामले की शिकायत उच्चाधिकारियों से होने के बाद सरकारी तंत्र को प्रभावित करने वाला फर्जी नियुक्ति हथियाये बैठे बाबू अपने ही बुने जाल में फंसते नजर आ रहे है।

जयसिंहपुर विकासखंड के ग्राम सपाही में स्थित राष्ट्रवादी इंटरमीडिएट कॉलेज की शिक्षा बद से बदतर हो चुकी है। जहां वर्षों से प्रधानाचार्य व प्रबन्धक की खींचातानी में शिक्षक की मौज, तो वहीं दूसरी तरफ तैनात स्कूल के बड़े बाबू यमुना प्रसाद दुबे की दवंगई एक मुख्य कारण बनता जा रहा है। जिसका खुलासा स्कूल के प्रधानाचार्य शीतला प्रसाद तिवारी ने शिक्षा निदेशक माध्यमिक उत्तर प्रदेश प्रयागराज, व पुलिस अधीक्षक को पत्र देकर कार्यालय में जमा सरकारी पत्रावली को गायब करने व जला कर नष्ट कर देने की शिकायत मे लिखा है। यही नहीं प्रधानाचार्य शीतला प्रसाद तिवारी ने लिपिक के पद पर तैनात यमुना प्रसाद दुबे द्वारा पत्रावलियों को गायब कर जलाकर नष्ट कर देने के कारण भी स्पष्ट किया है, कि शिक्षा निदेशक माध्यमिक उत्तर प्रदेश प्रयागराज द्वारा 29 अगस्त के आदेश में स्पष्ट है कि माध्यमिक स्कूलों में वर्ष 2003 से वर्ष 2020 के बीच स्कूलों से नियुक्ति संबंधित नामों की सूची मांगी है। सहायक अध्यापक एवं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों की नियुक्ति में हुई गड़बड़ी को लेकर कहा है कि प्रबंध कमेटी द्वारा प्रदेश में 40,000 हजार नियुक्ति में चयन गठित समिति किसके आदेश से गठित की गई है, तथा चयन समिति में कौन–कौन सदस्य थे स्पष्टीकरण मांगा है। इन शिक्षकों व चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी की जांच सतर्कता विभाग कर रहा है। उन्होंने कहा कि विभागीय पत्र आने से फर्जी तरीके से नियुक्ति पत्र हासिल करने वाले हैरान व परेशान कार्यालय लिपिक यमुना प्रसाद दूबे की मुश्किले बढ़ गई और अपनी नियुक्ति संबंधित मुश्किलें बढ़ते देख कार्यालय की अलमारी में रखें सरकारी दस्तावेज को गायब कर आग के हवाले कर दिया। चयन समिति में पूर्व प्रधानाचार्य छोटे लाल तिवारी भीतरखाने से लिपिक की नियुक्ति में बराबर के दोषी है। इसलिए पूर्व प्रधानाचार्य छोटेलाल तिवारी कदम कदम पर बड़े बाबू द्वारा किए जा रहे लापरवाही पर पर्दा डालने का काम कर रहे थे। मौजूदा प्रधानाचार्य ने घटना के दूसरे दिन सुबह स्कूल पहुंचने पर मामले का खुलासा करते हुए थाना कोतवाली जयसिंहपुर सी ओ जयसिंहपुर, पुलिस अधीक्षक सहित जिला विद्यालय निरीक्षक, संयुक्त शिक्षा निदेशक से जांच कर कार्यवाही की मांग की है। बताया जा रहा है कि अगर जांच सही तरीके से हुई तो प्रदेश भर के सहायक अध्यापक और चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी आधे से अधिक बाहर होंगे।

एनपीएस, यूपीएस के विरोध में उतरे स्वास्थ्य कर्मचारी

सुलतानपुर(आरएनएस)। अटेवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष विजय कुमार बंधु जी के आव्हान पर आज

अंतिम 5 वें दिन एनपीएस, यूपीएस का विरोध करते हुए चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों ने अपने बांहों में काला फीता बांध कर, एक स्वर में नारा दिया कि हम कर्मचारियों को सिर्फ और सिर्फ पुरानी पेंशन चाहिए। पुरानी पेंशन व्यवस्था बहाल हो को लेकर स्वाशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय एवं चिकित्सालय सुलतानपुर के प्रांगण में विरोध सभा का आयोजन कर कर्मचारियों को जागरूक करते हुए बताया कि अभी पूरे देश एवं प्रदेश में पांच दिनों तक सरकार को चेतावनी दी गई है। इसके बाद "बंधु" जी के नेतृत्व में अगला जो भी आदेश आएगा उसका अनुपालन करते हुए पुरानी पेंशन हेतु संघर्ष किया जाएगा। हमारे साथी पुरानी पेंशन लेने के लिए दृढ़ संकल्पित है। विरोध ा सभा में कर्मचारी संगठनों के सभी पदाधिकारी एवं सदस्यों ने भाग लिया।

डिप्लोमा फार्मेसिस्ट एसोसिएशन के मंत्री लक्ष्मण स्वरूप श्रीवास्तव, चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी संघ के अध्यक्ष ओमप्रकाश गौड़, कोषाध्यक्ष चुन्नीलाल, राजकीय नर्सेज संघ के अध्यक्ष राजप्रताप सिंह, मंत्री श्रीमती रेनू मिश्रा, उपाध्यक्ष चंद्रिका प्रसाद, लैब केमिस्ट संघ से विजय चौधरी मंत्री धर्मेंद्र यादव अध्यक्ष,नेत्र परीक्षण अधिकारी जय भीम बौद्ध, कमालुद्दीन, विजय गौतम, अजीतसिंह, सलीम खान,मो आदिल आदि उपस्थित थे।

पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार किया गया आरोपी

मिल्कीपुर–अयोध्या(आरएनएस)। थाना खंडासा क्षेत्र के एक गांव में एक दलित किशोरी के साथ गैर समुदाय के युवक द्वारा दुष्कर्म किए जाने के मामले में खंडासा पुलिस केस दर्ज होते ही एक्टिव मोड में आ गई। गुरुवार रात थाना क्षेत्र के विनायक पुर मोड़ पर पुलिस और आरोपियों के बीच हुई मुठभेड़ में एक आरोपी गिरफ्तार कर लिया है। उसके पैर में गोली लगी है। जबकि दूसरा अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया है।खंडासा पुलिस टीम द्वारा देर रात वाहन चेकिंग की जा रही थी। पुलिस के अनुसार चेकिंग के दौरान एक मोटरसाइकिल पर दो संदिग्ध व्यक्तियों को रात करीब नौ बजे सतनापुर नहर के विनायकपुर मोड़ पर रोका गया। रोके जाने पर संदिग्ध व्यक्तियों द्वारा पुलिस टीम पर फायरिंग की गई। आत्मरक्षा में पुलिस टीम द्वारा फायरिंग किये जाने पर एक के दाहिने पैर में गोली लगी और दूसरा व्यक्ति अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया।

पूछताछ करने पर घायल व्यक्ति ने अपना नाम शहबान निवासी ग्राम रायपट्टी थाना खंडासा बताया और फरार होने वाले व्यक्ति का नाम मोनू निवासी रायपट्टी थाना खंडासा जनपद अयोध्या बताया। जानकारी करने पर ज्ञात हुआ दोनों एससी–एसटी एक्ट व 3ध्4 पॉक्सो एक्ट थाना खंडासा जनपद के वांछित हैं। 20 दिन पहले आरोपी ने 16 वर्षीय किशोरी को फोन कर नहर की पटरी पर बुलाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। किशोरी ने जब विरोध किया तो आरोपी अपने एक साथी के साथ युवती और उनके परिजनों को जान से मार देने की धमकी देना शुरू कर दिया था। बुधवार को पीड़ित किशोरी ने अपने पिता के साथ पुलिस को आप बीती सुनाई थी जिस पर दोनों

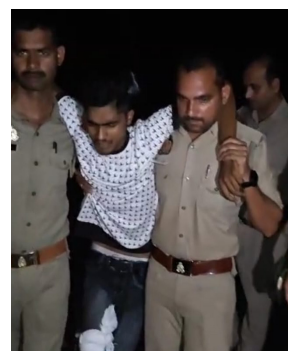

आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज हुआ था। मुठभेड़ में एक बिना नम्बर की काले रंग की मोटरसाइकिल, एक तमन्चा व कारतूस बरामद हुआ है। पुलिस टीम में थानाध्यक्ष विवेक कुमार सिंह, सब इंस्पेक्टर महेन्द्र कुमार, विक्रम सिंह आदि शामिल रहे।

अवध विवि में आज शुरू होगी इण्टरनेशनल कांफ्रेस

अयोध्या(आरएनएस)। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय में संस्टेंनेबल प्रिटिंग एण्ड पैकेजिंग विषय पर चार दिवसीय इण्टरनेशनल कॉन्फ्रेंस में देश विदेश के विशेषज्ञों का जमावड़ा होगा। परिसर के स्वामी विवेकानंद सभागार में 07 व 08 सितम्बर को भारत सरकार के सहयोग से विश्वविद्यालय व ऑफसेट प्रिंटिग एसोसिएशन द्वारा आयोजित इण्टरनेशनल कॉन्फ्रेंस में विदेशों एवं भारत के 60 से अधिक विशेषज्ञ शामिल होंगे, साथ ही इसी दिन पुस्तक प्रदर्शनी लगाई जा रही है जिसमें ख्यातिलब्ध लेखकों की पुस्तकें लोगों को आसानी से मिल सकेंगी। इस कॉन्फ्रेंस का शुभारम्भ 07 सितम्बर को प्रातः 09 बजे होगा, तत्पश्चात् 11 बजे उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो0 प्रतिभा गोयल करेंगी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महात्मा गांधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय मोतिहारी, बिहार के कुलपति संजय श्रीवास्तव होंगे।

संपादकीय

अराजकता जैसी स्थिति

बदलाव के सकारात्मक परिणाम की उम्मीदें गुजरे लगभग तीन हफ्तों में बिखर चुकी हैं। इस दौर में अराजकता जैसी स्थिति बनी रही है। इससे ये धारणा गहरी होती चली गई है कि फिलहाल किसी नई शुरुआत की संभावना नहीं है।

बांग्लादेश में पांच अगस्त को शेख हसीना सरकार के खिलाफ छात्र आंदोलन के सफल होने के बाद देश के जिन हलकों में उम्मीद का माहौल बना, वहां अब मायूसी घर कर रही है। बदलाव के सकारात्मक परिणाम होने की उम्मीदें गुजरे लगभग तीन हफ्तों में बिखर चुकी हैं। इस दौर में अराजकता जैसी स्थिति बनी रही है। शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग के नेताओं और कार्यकर्ताओं के खिलाफ प्रतिशोध से प्रेरित हिंसा के जारी रहने से यही धारणा बनी है कि अत्याचार के निशाने भले बदल गए हों, लेकिन देश में फिलहाल किसी नई शुरुआत की उम्मीद नहीं है।

इसी बीच कार्यवाहक सरकार ने जमात–ए–इस्लामी और उसके छात्र संगठन छात्र शिविर पर से प्रतिबंध हटा लेने का एलान किया है। सरकार के मुताबिक इन संगठनों के दहशतगर्दी में शामिल होने के कोई साक्ष्य उपलब्ध नहीं हुआ। इसी बीच एक दशक पहले एक धर्मनिरपेक्ष ब्लॉगर की हत्या के दोषी एक व्यक्ति को भी जेल से इस तर्क पर रिहा कर दिया गया है कि वह अपनी सजा भुगत चुका है।

इन निर्णयों से उचित ही यह सवाल उठा है कि क्या बांग्लादेश के सत्ता तंत्र पर कट्टरपंथी इस्लामी तत्व हावी होते जा रहे हैं। उधर यह धारणा भी बनी है कि बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) बिना सत्ता में हुए सत्ताधारी दल जैसा व्यवहार कर रही है। इस बीच बांग्लादेश के स्वतंत्रता अभियान की ध र्मनिरपेक्ष विरासत की वकालत करने वाली किसी शक्ति का अभाव नजर आया है।

बंगबंधु शेख मुजीब से जुड़े ठिकानों और 1971 के स्वतंत्रता संग्राम से संबंधित स्मारकों को नष्ट करने की घटनाओं के साथ इस शून्यता को जोड़ कर देखा जाए, तो यह आशंका तार्किक नजर आती है कि बांग्लादेश ऐसी डगर पर चल चुका है, जिससे पीछा छुड़ाते हुए वह अस्तित्व में आया था। इस बीच सड़कों पर हिंसक टकराव जारी हैं। अब तक केंद्रीय सत्ता को सख्ती से लागू करने में सहयोग करने को लेकर सेना अनिच्छुक बनी हुई है। पांच अगस्त को भंग हुई पुलिस व्यवस्था अब तक प्रभावी ढंग से बहाल नहीं हो पाई है। इसका असर कारोबारी गतिविधियों पर पड़ा है। कुल मिलाकर देश विकट स्थिति में है।

तानाशाही की झलक

भारत की आजादी के बाद से अब तक राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ कई विवादस्पद दौरों से गुजरा है, जिसके तहत् इस संगठन को प्रतिबंधात्मक दायरे से भी गुजरना पड़ा है। खैर, वह सब कांग्रेसी शासन कालों के दौरान हुआ, किंतु आज जबकि पिछले एक दशक से केन्द्र में संघ समर्थक भारतीय जनता पार्टी की सरकार है, तो संघ का दबी जुबान आरोप है कि संघ को सताने की स्पर्द्धा में मोदी सरकार ने कांग्रेस को भी पीछे छोड़ दिया है और इस त्रासदी का मुख्य आधार प्रधानमंत्री व उनकी अपनी टोली द्वारा संघ की उपेक्षा है, अपनी इस त्रासदी का जिक्र करने के लिए केरल में संघ ने अपनी तीन दिवसीय समन्वय बैठक बुलाई जिसमें सभी उपस्थिततों को संघ प्रमुख की बातों पर गौर कर निर्णय लेने की अपेक्षा की गई थी, लेकिन भाजपा संगठन के प्रमुख जगत प्रकाश नड्डा ने अचानक वहां पहुंच कर, श्श्मीडिया मैनेंजच्य कर अपनी आवाज को बुलंदगी के साथ पेश किया और बैचारे संघ प्रमुख की आवाज के साथ उनके प्रयासों पर पानी फैर दिया।

संघ की पिछले कुछ दिनों की भूमिका को देखकर प्रध ाानमंत्री व उनके सहयोगी सतर्क हो गए थे और उन्होंने इसी रणनीति के तहत् भाजपाध्यक्ष को संघ की केरल बैठक में भेजकर यह सब किया। वर्ना संघ के इस सम्मेलन के पहले दिन जो संघ प्रमुख ने तेवर दिखाए थे, वे ही तेवर यदि तीनों दिन पूरे सम्मेलन में जारी रहते तो वह भाजपा सत्ता व संगठन के लिए ठीक संकेत नही होते, इसीलिए मीडिया को मैनेज कर भाजपा प्रमुख की बात को जोर–शोर से उठाया गया और संघ प्रमुख की बातों को दबा दिया गया। देश में अब तक कायम हुई भाजपा या पूर्व जनता पार्टी की सरकारों में यह पहली बार हो रहा है, जब संघ अपने आपको उपेक्षित महसूस कर रहा है, इससे पूर्व अटल जी के प्रधानमं.त्रित्व काल में भी अटल–अड़वानी ने संघ को प्रमुख माना था तथा ये नेता समय–समय पर संघ पदाधिकारियों से सलाह–मशवरा करते रहते थे, किंतु अब संघ को शायद भाजपा सरकार के चलते पहली बार उपेक्षा के दौर से गुजरना पड़ रहा है। इसीलिए अब वह जमाना लद गया, जब सत्ता प्रमुख संगठन प्रमुख से मिलने या मशवरे के लिए जाया करता था, आज तो स्थिति यह है कि संघ प्रमुख प्रधानमंत्री से भेंट का समय मांगते है और वह भी कई दिनों तक नही मिल पाता, इसीलिए अब संघ ने भी दबी जुबान मोदी व उनकी सरकार पर सख्त टिप्पणियां शुरू कर दी है।संघ ही नही अब तो भाजपा के वरिष्ठ नेता भी दबी जुबान यह कहने में कोताही नही बरतते कि मोदी जी अब बहुत बदल गए है, अब वे 2014 वाले मोदी जी नही रहे और इसी मसले को लेकर सत्तारूढ़ दल व उसके जनक संगठन (संघ) में अच्छी–खासी चर्चा है, जो मोदी जी के चौथे कार्यकाल के लिए शुभ नही मानी जा रही, संघ–भाजपा तथा उसके संगी–साथी मोदी जी के उन तैवरों को श्श्तानाशाही की झलकच्य बता रहे है, यह स्थिति भाजपा में सिर्फ केन्द्र तक ही सीमित नही है, बल्कि भाजपा शासित राज्यों के सत्ता संगठनों में भी इसकी झलक देखने को मिल रही है। इस स्थिति को लेकर भाजपा के हितचिंतकों व सहयोगियों में भी अच्छी खासी चिंता है ।

उत्तराखण्ड में हो रहे सांप्रदायिक अपराध और उसका निराकरण

इस प्रकार की घटनाओं के बढ़ते जाने पर उत्तराखण्ड की पुष्कर सिंह धामी की सरकार इन घटनाओं का संज्ञान लेती है और स्थिति को समझती है। बात बहुत आगे बढ़ चुकी होती है किंतु पुष्कर सिंह इसे अपनी तेज कार्य योजना से रोकने का प्रयास कर रहे हैं।श्यामपुर उत्तराखण्ड का एक सुंदर सा गाँव हैं। वहाँ सभी लोग सुख–शांति से अपना जीवन यापन कर रहे होते हैं। अचानक वहां गाँव के किनारे पर एक फकीर आकर मिट्टी का एक ढेर बनाता है उस पर चादर डालता है और फिर उसके बगल में एक झोपड़ी बनाकर रहने लग जाता है। अब श्यामपुर के लोग आते जाते लोगों को वह फकधीर या मजार का खाधदिम बहलाता–फुसलाता है और लोग वहाँ माथा टेकने लगते हैं। लोगों की श्रद्धा को बढ़वाकर वह खघदिम दूसरे चरण में भोले–भाले ग्रामीणों से कहता है कि वे अपने खेत में ही एक छोटे से कोने कहीं मजार बना देंगे तो वह आकर उस मजार पर नमाज पढ़कर उसे भी सिद्ध बना देगा। खघदिम के बहकावे में आकर वह ग्रामीण ऐसा ही करता है और अपने खेत में मजार बनाकर वहाँ प्रतिदिन दिया–बत्ती करने लग जाता है। लोगों का आना जाना बढ़ता है तो वहाँ एक दानपेटी रख दी जाती है। अब खघदिम हर सप्ताह आकर उस दानपेटी से राशि निकालकर ले जाता है। शनैः–शनैः वह खघदिम, उसी ग्रामीण के पैसों से मजार पर टिन डलवा देता है उसे पक्का निर्माण करवा देता है। इधर मजार पर लोगों का आना–जाना बढ़ता है उधर गाँव में कुछ और मुस्लिम परिवार आकर बसने लगते हैं और मजारें भी बढ़ने लगती है। अचानक गाँव में लव जिहाद की घटनाएँ बढ़ने लगती हैं। गाँव की लड़कियों मुस्लिम लड़कों के झाँसे में आकर अपना सर्वस्व उन्हें सौंपने लगती है। अब गाँव में कभी गर्भस्थ होने से, कभी इज्जत के डर से, कभी मजार के खघदिम के नाराज

होने के डर से तो कभी बाहुबल के सहारे हिंदू लड़कियां मुस्लिम लड़कों से निकाह करने लगती हैं। कभी–कभी तो इस कार्य में हिंदू लड़कियों के परिवार भी दबाव में आकर सहमति देने लगते हैं। इस कथा में केवल गाँव का नाम काल्पनिक है बाकधी सब जो लिखा है वह उत्तराखण्ड के कई–कई ग्रामों की स्थिति का सच्चा कच्चा–चिट्ठा है। उत्तराखण्ड में लैंड जिहाद, लव जिहाद, मतांतरण, व्यापार जिहाद इसी प्रकार हजारों ग्रामों में अपने पैर पसार चुका है। इस प्रकार की घटनाओं के बढ़ते जाने पर उत्तराखण्ड की पुष्कर सिंह धामी की सरकार इन घटनाओं का संज्ञान लेती है और स्थिति को समझती है। बात बहुत आगे बढ़ चुकी होती है किंतु पुष्कर सिंह इसे अपनी तेज कार्य योजना से रोकने का प्रयास कर रहे हैं। उत्तराखण्ड सरकार का बुलडोजर चलने लगता है और ऐसी सैकड़ों नकघ्ली मजारों पर बुलडोजर चलाकर मजारों को ध्वस्त करके मजार के आसपास कघ्ज्जा की गई सैंकड़ों–हजारों एकड़ जमीन को भी इन खघदिमों से मुक्त कराता है।अब शासन–प्रशासन के देखने में यह भी आता है कि शासकीय ही नहीं बल्कि निजी जमीन पर भी ये दिखावटी और अपराध ाी प्रकार के खघदिम मजारों के सहारे कघ्ज्जा किए बैठे होते हैं। इन जमीनों के हिंदू जनजातीय स्वामी इन अपराध ाी खघदिमों के बहकावे में आकर, जिन्न–जिन्नात के प्रकोप के भय से अपनी जमीनें, पैसा, लड़कियां सब कुछ इन अपराधी खघदिमों को दे रहे होते हैं। पिछले दिनों देहरादून के समीप पछुवा नामक ग्राम में ऐसे दो प्रकरण देखने में आए थे, जब अवैध मजार को हटाने गये प्रशासन को हिंदू समाज के जनजातीय और अनुसूचित जाति के लोगों ने रोकने का प्रयास किया। इन भोले–भाले हिंदू ग्रामीणों का कहना था कि ये मजारें तो उन्होंने स्वयं अपनी मन्नत पूर्ण होने पर बनवाई है। प्रशासन जब मामले की गहराई में गया तो ग्रामीणों ने बताया कि – उनको किसी कष्ट के निवारण के लिए खघदिम ने मजार पर बुलाया तो वे गये थे। इसके बाद वहाँ के खघदिम ने उन्हें बहला–फुसलाकर मन्नत करवा ली और उनसे कहा कि ष्आप की इच्छा पूरे होने पर चादर चढ़ाना और अपनी जमीन पर बाबा का मजार बनवा देना फिर आपको इतनी दूर यहाँ आने की भी जरूरत नहीं पड़ेगी और मजार के कारण आपका खेत भी दोगुनी उपज देने लगेगा।ष कहीं–कहीं तो इन अपराधी खघदिमों ने भोले–भाले ग्रामीणों से उनके मंदिरों को ही मजार में बदल देने और पूजा पद्धति को बदलने हेतु भयभीत करके तैयार करवा लिया था। कई स्थानों पर निजी जमीनों पर बनी इन मजारों के पास अन्य मुस्लिम परिवार मित्र बनकर बस जाते और इसके बाद सभी प्रकार के अपराध वहाँ होने लगते। भोले भाले जनजातीय और अनुसूचित जाति के हिंदू ग्रामीण अपनी जमीन और लड़कियों को अपने हाथों से छूटते हुए देखते और हाथ मलते ही रह जाते थे।उत्तराखण्ड की पुलिस ने जब इन मजारों की जाँच की तो इसके पीछे एक संगठित गिरोह के सक्रिय होने की बात सामने आई। यह गिरोह बेरोजगार मुस्लिमों को खघदिमों के कपड़े पहनवाकर, थोड़ा–बहुत बोलने और झाड़ने फूंकने का प्रपंच सिखाकर लैंड जिहाद व लव जिहाद हेतु तैयार करवाकर इस प्रकार की घटनाएँ करवाता था और बड़ी मात्रा में आस्था के नाम पर लोगों से पैसा भी निकलवा लेता था। बड़ी संख्या में इन मजारों पर हिंदू बंधु जाने लगते और धन, संपत्ति, जेवर, खाद्यान्न, फल आदि चढ़ाने लगते। इस चढ़ावे से फलते–फूलते वहाँ के खघदिम अपनी मजार की दूसरी–तीसरी–चौथी ब्रांच खोलते जाते थे। कालू शाह, भूरे शाह, बुल्ले शाह और न जाने कौन–कौन से शाहों के नाम पर पर ये मजारें बनाई जाती और कमाई होने पर यहाँ के अपराध ाी खघदिम बगल के गाँव में जाकर अपनी परेंचायजी जैसी एक और मजार बनवा लेते थे।

उत्तराखण्ड की पुष्कर सिंह सरकार पर आरोप लग रहें है कि वह दुराग्रह पूर्वक मजारों पर बुलडोजर चला रही है, किंतु सच्चाई कुछ और ही है। सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय के 20 जून 2009 के निर्णय के अनुसार कोई भी धार्मिक स्थल का निर्माण, पुनर्निर्माण या जीर्णोद्धार बिना जिला कलेक्टर की अनुमति के बिना नहीं किया जा सकता है। भूमि के दस्तावेज की प्रति के साथ कलेक्टर को आवेदन देकर और अनुमति लेकर ही यह कार्य किया जा सकता है। पुष्कर सिंह धामी ने इसी न्यायलीन आदेश का पालन करते हुए तीन सौ से अधिक अवैध मजारों को ध्वस्त किया है। ऐसे पचासों मंदिरों को और एक गुरुद्वारे को भी धामी सरकार ने तोड़ दिया है और शासन की पाँच हजार एकड़ जमीन को 'लैंड जिहाद' से मुक्त कराया है। उत्तराखण्ड राज्य सरकार ने मई 2023 तक कुल मिलाकर 3,793 ऐसे क्षेत्रों की पहचान की है जहां मजारों के माध्यम से लैंड जिहाद किया गया है। नैनीताल आश्चर्यजनक रूप से इस कुचक्र का शीर्ष है जहां चौदह सौ तैतीस स्थान और हरिद्वार भी जहां साढ़े ग्यारह सौ स्थानों पर अतिक्रमण करके मजारों के सहारे कघ्ज्जे किए गए थे। और भी जिलों में यह कहानी बड़े स्तर पर सामने आई है। उत्तराखण्ड में ऐसे अवैध ढाँचों के सहारे लगभग बारह हजार हेक्टेयर भूमि अब भी इन कथित खघदिमों के पास है, जिसे मुक्त कराया जाना है। विशेष बात यह है कि उत्तराखंड में इस अभियान को सांप्रदायिक कहकर पुष्कर सिंह सरकार के विरुद्ध वातावरण तैयार किया जा रहा है। मुस्लिम समाज का प्रबुद्ध, धनाड्य वर्ग व मजहबी नेता भी मजारों के माध्यम से अपराध कर रहे इन तथाकथित खघदिमों की आलोचना नहीं कर रहें है। मुस्लिम समाज के प्रबुद्ध व अमनपसंद नागरिकों, नेताओं व मजहबी नेताओं को इस दिशा में आगे आना चाहिये व मजहब

राष्ट्रवादी और लोकलुभावन राजनीति

श्रुति व्यास

करीब एक हफ्ते पहले, जर्मनी के पश्चिमी शहर जूलिंगन में एक स्थानीय उत्सव के दौरान कई लोगों को चाकूबाजी का शिकार बनाए जाने से देश में हंगामा मचा था। इस घटना में तीन लोग मारे गए। कथित अपराधी एक सीरियाई था जो जर्मनी में शरण लेना चाह रहा था। उसे कई महीने पहले जर्मनी से निर्वासित कर दिया जाना चाहिए था। अभियोजक इस घटना को इस्लामिक उग्रवाद से जोड़ रहे हैं। घटना के बाद से शरणार्थियों को देश से निकाल बाहर करने एवं शरण देने संबंध ाी कानूनों को कड़ा बनाने की मांग बड़े पैमाने पर उठने लगी। माहौल में आक्रोश था और परिवर्तन की चाहत भी।

उस उत्तेजनापूर्ण माहौल का लाभ उठाते हुए अति दक्षिणपंथी आल्टरनेटिव फॉर जर्मनी (एएफडी) पार्टी ने एक नया नैरेटिव चलवाया। एएफडी के एक नेता बियोर्न होके ने हमले का एक वीडियो एक्स पर पोस्ट किया और सवाल पूछा, ष्जर्मनों, थिरुंजीयानों (जर्मनी के एक प्रांत थिरुन्जिया के निवासी) क्या आप ऐसे हालातों में जीने के आदी बनना चाहते हैं? या आप लादे गए बहुसंस्कृतिवाद के गलत रास्ते को छोडना चाहते हैं?ष पार्टी के अन्य नेताओं ने भी इसी तरह के विचार व्यक्त किए, और आम लोग इस नैरेटिव से जुड़ते चले गए।

इसका नतीजा यह हुआ की रविवार को एएफडी ने थिरुन्जिया और सेक्सिनी के महत्वपूर्ण राज्य–स्तरीय चुनावों में ऐतिहासिक सफलता हासिल की, जो द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद हुए चुनावों में सबसे बड़ी थी। थिरुन्जिया, जहां पार्टी का नेतृत्व होके के हाथों में है, में पहली बार राज्य स्तरीय चुनावों में एएफडी सबसे शक्तिशाली पार्टी के रूप में उभरी है। दोनों राज्यों में उसे 30 प्रतिशत से अधिक वोट हासिल हुए।

पूर्वी जर्मनी में अति दक्षिणपंथ के प्रबल होने से प्रेक्षक चिंतित हैं क्योंकि इससे जर्मनी और यूरोप में प्रवासी विरोधी, राष्ट्रवादी और लोकलुभावन राजनीति एक बार फिर जोर पकड़ सकती है।

आल्टरनेटिव फॉर जर्मनी, जो जर्मन भाषा में एएफडी नाम से जानी जाती है, एक राष्ट्रवादी पार्टी है जो 11 सालों से राजनीति में है। पार्टी का विदेशियों के प्रति द्वेष भाव सर्वज्ञात है। उसे छह साल पहले तब प्रसिद्धि हासिल हुई जब तत्कालीन चांसलर एंजेला मर्केल ने मध्यपूर्व के युद्धग्रस्त देशों के दस लाख से अधिक निवासियों को जर्मनी में आने दिया और वहां बसने की अनुमति दी। अपनी नीतियों के चलते एएफडी को सरकारी निगरानी में रखा गया है क्योंकि यह जर्मनी के संविधान के लिए खतरा है। इसके बावजूद पार्टी ने इन चुनावों में सर्वाधिक सीटें हासिल कीं।

जूलिंगन में हुई चाकूबाजी की घटना के बाद जनता में होके के अति–दक्षिणपंथी आप्रवासी–विरोधी विचारों की स्वीकार्यता बढ़ गई है दृ इस हद तक कि प्रमुख राजनैतिक दल भी एफएडी के नैरेटिव को खारिज करने के बजाए उसका समर्थन कर रहे हैं। चांसलर स्कोल्ज ने अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इस बात पर जोर दिया है कि अवैध प्रवासियों पर लगाम कसी जानी चाहिए।

शरण लेने के इच्छुक ऐसे लोगों, जिनके अनुरोध अस्वीकार कर दिए गए हैं, के तत्काल निर्वासन पर जोर दिया जा रहा है। डेश पीगर (जिसका अर्थ होता है आईना) को दिए गए एक साक्षात्कार में स्कोल्ज ने कहा ष्हमें यह तय करने का अधिकार है कि हम किसे आने दें और किसे नहींष। एक अन्य साक्षात्कार के दौरान जब स्कोल्ज से अरब पृष्ठभूमि के लोगों के ष्इजराइल के प्रति नफरतष और यहूदी–विरोधी रवैये के बारे में पूछा गया तो उनका जवाब था ष्हमें बहुत बड़े पैमाने पर निर्वासन की कार्यवाही करनी चाहिए।ष

एएफडी के अलावा सस्ती लोकप्रियता हासिल करने में जुटी एक और पार्टी भी मैदान में है जिसने अपने गठन के केवल आठ महीने बाद चुनावों में अच्छी–खासी कामयाबी हासिल की। सारा वागनकनेख एलाइंस (बीएसडब्लू) एक श्वाम–रूढिघ्वादीच्य पार्टी है जिसे जनवरी में वागनकनेख नाम की पूर्वी जर्मनी की एक पूर्व कम्युनिस्ट द्वारा स्थापित किया गया था, जिसने अन्य वाम दलों से नात तोड़ लिया था। यह एक अति–वामपंथी दल है और इसने चुनावों में दोनों राज्यों में तीसरा स्थान हासिल किया। एएफडी की तरह बीएसडब्लू भी जर्मनी में कड़ी आप्रवासन नीति की पक्षधर है और यूक्रेन का साथ देने का विरोध करती है और यूक्रेन–रूस विवाद का हल युद्ध के जरिए नहीं बल्कि कूटनीति के माध्यम से हो, यह चाहती है। बीएसडब्लू का मजबूत प्रदर्शन जर्मनी के सोशल डेमोक्रेट्स के लिए बुरी खबर है। चांसलर ओलाफ स्कोल्ज भी इसी पार्टी में हैं और इस बात का खतरा है कि पार्टी के और बहुत से वामपंथी मतदाता उससे दूर हो जाएं।

सस्ती लोकप्रियता हासिल करने में जुटी इन पार्टियों का मजबूत प्रदर्शन केन्द्रीय सरकार के लिए एक बड़ा झटका है। राष्ट्रीय सरकार में शामिल तीनों दलों दृ सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी, ग्रीन पार्टी और लिब्रेटेरियन फ्री डेमोक्रेटिक पार्टी दृ को इन राज्यस्तरीय चुनावों में काफी नुकसान झेलना पड़ा है। इससे यह साफ हो गया है कि ये पार्टियां और उनके नेता न केवल पूर्व पूर्वी जर्मनी में अलोकप्रिय हो गए हैं बल्कि कमोबेश पूरे देश में यही स्थिति है।

यह स्पष्ट है कि अगले राष्ट्रीय चुनाव में देश दक्षिणपंथ की ओर करवट लेगा।

आज का राशिफल

मेष राशि–

आज आपका दिन अनुकूल रहेगा। आज बुजुर्गों का धार्मिक कार्यों में मन लगेगा। दोस्तों के साथ आज रेस्टोरेंट जायेंगे, जहां खुश्शी का माहौल बना रहेगा। ऑफिस में किसी बात को लेकर मूड अपसेट हो सकता है, जहाँ तक हो सके नार्मल रहे।

वृष राशि–

आज आपका दिन बढिया रहने वाला है। दांपत्य रिश्ते में चल रही अनबन से छुटकारा मिलेगा। आज का दिन आपके रिश्ते में मिठास घोलेगा। कंस्ट्रक्शन के कारोबारियों का चल रहा काम आज पूरा हो जायेगा।

मिथुन राशि

– आज आपका दिन शानदार रहने वाला है। आज भाई बहनों के साथ खूब मनोरंजन करेंगे। आस–पड़ोस के लोगों से मधुरता बनाये रखें। प्रोफेसर्स के लिए दिन लाभदायक रहेगा। हाल ही में डांस अकेडमी ज्वाइन किया लोग मन लगा कर सीखें।

कर्क राशि–

आज आपका दिन नार्मल रहने वाला है। ऑफिस आज आपके किसी काम की तारीफ होगी। कम्पटीशन की तैयारी में आपको सफलता मिलेगी। अपने अभ्यास को जारी रखें। इस राशि की जो महिलायें अपना बिजनेस स्टार्ट करना चाहती हैं उनके लिए आज अच्छे योग बन रहे हैं।

सिंह राशि–

आज आपका दिन बढिया रहने वाला है। कारोबार में थोडा सोंच समझकर आगे बढना आज उचित रहेगा। ठाने हुए कार्यों में आपको सफलता जरुर मिलेगी। इस राशि के लोगो को जरुरत से ज्यादा किसी पर भरोसा नहीं करना चाहिए।

कन्या राशि–

आज आपका दिन खुशहाल रहेगा द्य आज कोई खुशखबरी मिलेगी जिससे आप पूरा दिन उत्साहित रहेंगेद्य ऑफिस में दोस्तों के साथ पार्टी कर सकते हैंद्य दांपत्य जीवन खुशहाल रहेगाद्य आज आपके विचारों में उग्रता आयेगी हार्डवेयर के करोबारियों का दिन लाभदायक साबित होगा।

तुला राशि–

आज आपका दिन मिलाजुला रहेगा। प्रतियोगी परिक्षा की तैयारी में लगे छात्रों को अपनी मंजिल तक पहुँचने में सफलता मिलेगी। आप सामाजिक क्षेत्र से जुड़े है आज आपको सम्मानित किया जाएगा। आंख की समस्या से परेशान लोग अच्छे डॉक्टर को दिखायेंगे। संतान पक्ष से आपको कोई खुशखबरी मिल सकती है। कपड़ा व्यापारियों के काम में अनुकूलता बनी रहेगी।

वृश्चिक राशि–

आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। धार्मिक कार्यों की तरफ आपका झुकाव रहेगा। दूसरों की मदद आदि के कार्य में रूचि बढ़ेगी। अगर आपने किसी से रुपए उधार लिए हैं, तो आप जल्द उसे चुकता कर देंगे।

धनु राशि–

आज आपका दिन मिला–जुला रहेगा। आज कोई भी निर्णय लेने से पहले परिवारजन की राय अवश्य लें। किसी काम को करने की उत्सुकता बढ़ेगी। आज आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा, आपके अन्दर एनर्जी भरपूर रहेगी।

मकर राशि–

आज आपका दिन शानदार रहेगा। बेरोजगारों को रोजगार का मौका मिलेगा। आपको सभी रुके कार्यों में सफलता मिलेगी। छात्र पढ़ाई में रूचि लेंगे.. अपनी जिम्मेदारियों को बखूबी समझेंगे। नए बिजनेस की शुरुआत आपके लिए फलदायी होगी।

कुंभ राशि–

आज आपका दिन शानदार रहेगा। काम पर निकलते समय अचानक किसी फ्रेंड की काल आयेगी, उनसे आपको महत्वपूर्ण जानकारी मिलेगी। अपने जीवन को बेहतर ढंग से जीने का प्रयास करेंगे। काफी समय पहले कोई देखी गई

मीन राशि–

आज आपका दिन सामान्य रहने वाला है। अगर आप टेक्निकल कोर्स कर रहे हैं, तो आपको अच्छी जॉब मिल सकती है। ऑफिस के काम में आज व्यस्त रहेंगे, कोशिश करके घरवालों को भी समय दें। किसी मित्र से उसका काम पूरा कराने का वादा किया है, तो आज आप उसे पूरा करायेंगे। दाम्पत्य जीवन में खुशियों की बौछार होगी, आपसी अनबन आज खघ्त्म होगा।

यूक्रेन के चार मंत्री बर्खास्त, विदेश मंत्री दिमित्रो कुलेबा पहले ही दे चुके हैं इस्तीफा

कीव यूक्रेन की संसद ने चार मंत्रियों को बाहर कर दिया है। वहीं विदेश मंत्री दिमित्रो कुलेबा इस्तीफा दे चुके हैं।

सांसदों ने यूरोपीय और यूरो–अटलांटिक एकीकरण के लिए उप प्रधान मंत्री ओल्हा स्टेफनिशिना, सामरिक उद्योग मंत्री ऑलेक्जेंडर कामिशिन, न्याय मंत्री डेनिस माल्युस्का और पर्यावरण संरक्षण और प्राकृतिक संसाधन मंत्री रुस्लान स्ट्रेलेट्स को बर्खास्त करने के लिए मतदान किया।संसद ने विदेश मंत्री दिमित्रो कुलेबा की बर्खास्तगी पर विचार नहीं किया, जिन्होंने बुधवार को इस्तीफा दे दिया था। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा कि कैबिनेट फेरबदल का उद्देश्य विभिन्न चरणों में यूक्रेन को मजबूत करना है।

संसद के अध्यक्ष रुस्लान स्टेफानचुक ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पर लिखा, विदेश मंत्री दिमित्रो कुलेबा ने बुधवार को संसद को इस्तीफा पत्र सौंप दिया। स्टेफनचुक ने कहा कि संसद निकटतम पूर्ण सत्र में कुलेबा के आवेदन पर विचार करेगी। 43 वर्षीय कुलेबा को मार्च 2020 में यूक्रेन का विदेश मंत्री नियुक्त किया गया था। मंगलवार को सर्वेंट ऑफ द पीपल पार्टी के संसदीय गुट के नेता डेविड अराखामिया ने टेलीग्राम पर कहा कि कैबिनेट के 50 प्रतिशत से अधिक स्टाफ को बदला जाएगा।आयरिश प्रधानमंत्री साइमन हैरिस के साथ संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में राष्ट्रपति जेलेंस्की ने इस मुद्दे पर भी राय रखी। उन्होंने कहा, वह किसी रिप्लेसमेंट का ऐलान नहीं कर सकते हैं क्योंकि उन्हें नहीं पता कि उम्मीदवार सरकार में शामिल होने के उनके प्रस्ताव को स्वीकार करेंगे या नहीं।

राष्ट्रपति की वेबसाइट से पता चला कि उन्होंने अर्थव्यवस्था को संभालने वाले शडिप्टी चीफ ऑफ स्टाफ्य रोस्टीस्लाव शुरमा को भी निकाल दिया था। संसद सत्र खत्म हो चुका था, लेकिन कुलेबा के इस्तीफे पर विचार नहीं किया गया।

यूक्रेन की संसद में यह महत्वपूर्ण बदलाव तब हो रहे हैं, जब युद्ध के चलते रूसी सेना पूर्वी मोर्चे पर आगे बढ़ रही है। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की इस महीने एक प्रमुख सहयोगी अमेरिका की यात्रा पर जाने वाले हैं, जहां उनके राष्ट्रपति जो बाइडेन को अपनी श्जीत की योजनाय्य के बारे में बता सकते हैं।

फरवरी 2022 में रूस द्वारा आक्रमण शुरू करने के बाद से जेलेंस्की ने कई फेरबदल के आदेश दिए हैं। पिछले सितंबर में, उन्होंने भ्रष्टाचार के कई घोटालों के बीच अपने रक्षा मंत्री को बर्खास्त कर दिया था और हाल ही में युद्ध में असफलताओं के बाद सेना के शीर्ष कमांडर को हटा दिया था।

इस साल की शुरुआत में मंत्रियों को निकाले जाने या इस्तीफा देने के बाद से कम से कम पांच विभाग खाली हो गए हैं, जिनमें महत्वपूर्ण कृषि और इन्फ्रास्ट्रक्चर विभाग भी शामिल हैं।वहीं इस मामले पर विपक्षी विधायक इरीना हेराशचेंको ने कहा, यह बिना मंत्रियों की सरकार है। एक बौद्धिक और कार्मिक संकट जिसके प्रति अधिकारी अपनी आंखें बंद कर रहे हैं। उन्होंने राष्ट्रीय एकता को समर्पित सरकार का आह्वान किया जो जेलेंस्की की राजनीतिक टीम की सत्ता की बागडोर पर कड़ी पकड़ को खत्म कर दे। राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की का कार्यकाल मई में समाप्त हो गया था, लेकिन वह अपने पद पर बने हुए हैं क्योंकि यूक्रेन में मार्शल लॉ लागू है।

केन्या के स्कूल हास्टल में आग, 17 छात्रों की मौत, 13 गंभीर रूप से झुलसे

ओनयांगो ने टेलीफोन पर रॉयटर्स को बताया कि आग की घटना में हमने 17 विद्यार्थियों को खो दिया है जबकि 14 घायल हो गए हैं। हमारी टीम इस समय घटनास्थल पर है। केन्या के सिटीजन टेलीविजन ने कहा कि न्येरी काउंटी के हिलसाइड एंडराशा प्राइमरी में मृत छात्र इतनी आग में जल गए कि उन्हें पहचाना नहीं जा सका, जिसका कारण अभी तक निर्धारित नहीं किया जा सका है।मध्य केन्या में आग लगने से कम से कम 17 छात्रों की मौत हो गई, क्योंकि स्थानीय मीडिया रिपोर्टों में दावा किया गया था कि वे पहचान से परे जल गए थे। रेसिला ओनयांगो ने कहा कि आग में 14 अन्य छात्र गंभीर रूप से घायल हो गए, जिससे मरने वालों की संख्या बढ़ने की आशंका बढ़ गई है। ओनयांगो ने टेलीफोन पर रॉयटर्स को बताया कि आग की घटना में हमने 17 विद्यार्थियों को खो दिया है जबकि 14 घायल हो गए हैं। हमारी टीम इस समय घटनास्थल पर है। केन्या के सिटीजन टेलीविजन ने कहा कि न्येरी काउंटी के हिलसाइड एंडराशा प्राइमरी में मृत छात्र इतनी आग में जल गए कि उन्हें पहचाना नहीं जा सका, जिसका कारण अभी तक निर्धारित नहीं किया जा सका है।न्येरी काउंटी के आयुक्त पायस मुरुगु और शिक्षा मंत्रालय ने बताया कि जिस छात्रावास में आग लगी, उसमें 150 से अधिक लड़के रहते थे। चूंकि अधिकांश इमारतें लकड़ी के तख्तों से बनी हैं, इसलिए आग बहुत तेजी से फैली। केन्या के उपराष्ट्रपति रिगाथी गचागुआ ने स्कूल प्रशासकों से आग्रह किया कि वे यह सुनिश्चित करें कि आवासीय विद्यालयों के लिए शिक्षा मंत्रालय द्वारा अनुशंसित सुरक्षा दिशानिर्देशों का पालन किया जाए। शिक्षा मंत्रालय की एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार, केन्याई आवासीय विद्यालयों में आग लगना आम बात है। यह आग अक्सर मादक द्रव्यों के इस्तेमाल और क्षमता से अधिक लोगों के रहने के कारण लगती हैं। इन विद्यालयों में बड़ी संख्या में छात्र रहते हैं क्योंकि माता–पिता का मानना छ्है कि इनमें रहने से उनके बच्चों का समय आने–जाने में व्यर्थ नहीं होता और उन्हें पढ़ाई के लिए अधिक समय मिल जाता है। आगजनी की कुछ घटनाएं कार्यभार अधिक होने या रहने की खराब स्थिति को लेकर विरोध प्रदर्शन के दौरान छात्रों द्वारा की गईं।

राजधानी

नैरोबी में 2017 में एक स्कूल में छात्रों द्वारा आग लगाने के कारण 10 छात्रों की मौत हो गई थी। स्कूल में आग लगने की सबसे घातक घटना 2001 में हुई थी जब माचकोस काउंटी में एक छात्रावास में आग लगने से 67 छात्रों की मौत हो गई थी।

तीस्ता जल बंटवारे पर मतभेद सुलझाना चाहते हैं, मोहम्मद युनूस ने भारत के लिए क्या मैसेज दिया

2011 में तत्कालीन प्रधान मंत्री मनमोहन सिंह की ढाका यात्रा के दौरान भारत और बांग्लादेश तीस्ता जल बंटवारे पर एक समझौते पर हस्ताक्षर करने वाले थे, लेकिन पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अपने राज्य में पानी की कमी का हवाला देते हुए इसका समर्थन करने से इनकार कर दिया। बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस ने कहा कि उनकी कार्यवाहक सरकार लंबे समय से लंबित तीस्ता जल–बंटवारा संधि पर भारत के साथ मतभेदों को हल करने के तरीकों पर काम करेगी, क्योंकि इसमें वर्षों तक देरी करने से किसी भी देश का कोई फायदा नहीं होगा। यहां अपने आधिकारिक आवास पर पीटीआई–भाषा के साथ एक साक्षात्कार में यूनुस ने कहा कि दोनों देशों के बीच जल बंटवारे के मुद्दे को अंतरराष्ट्रीय मानदंडों के अनुसार हल किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे (जल बंटवारे) पर बैठे रहने से कोई उद्देश्य पूरा नहीं हो रहा है। अगर मुझे पता हो कि मुझे कितना पानी मिलेगा, भले ही मैं खुश न होऊं और हस्ताक्षर कर दूं तो बेहतर होगा। इस मुद्दे को हल करना होगा। 2011 में तत्कालीन प्रधान मंत्री मनमोहन सिंह की ढाका यात्रा के दौरान भारत और बांग्लादेश तीस्ता जल बंटवारे पर एक समझौते पर हस्ताक्षर करने वाले थे, लेकिन पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अपने राज्य में पानी की कमी का हवाला देते हुए इसका समर्थन करने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि हालांकि हम सभी चाहते थे कि इस संधि को अंतिम रूप दिया जाए, यहां तक घ्कि भारत सरकार भी इसके लिए तैयार थी। हालांकि, पश्चिम बंगाल की राज्य सरकार इसके लिए तैयार नहीं थी। हमें इसे हल करने की जरूरत है। यूनुस ने कहा कि बांग्लादेश जैसे निचले तटीय देशों के पास कुछ अधिकार हैं जो उन्हें प्रदान किए जाने चाहिए। उनकी टिप्पणी तब आई जब जल संसाधन पर उनकी सलाहकार सैयदा रिजवाना हसन ने पहले पीटीआई को बताया कि अंतरिम सरकार किसी श्तीसरे पक्षश के हस्तक्षेप के बिना तीस्ता जल बंटवारा संधि पर भारत के साथ बातचीत फिर से शुरू करना चाहती है।

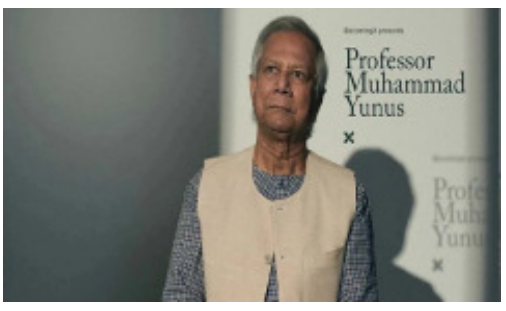

खैबर पख्तूनख्वा में सेना पर बड़ा हमला,लाशों के लग गए ढेर ?

पाकिस्तान की संसद में भी इसको लेकर चर्चा चल रही है। वहीं उत्तर–पश्चिमी पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में शुक्रवारकोएक सैन्य मुख्यालय पर हुए आतंकवादी हमले में कम से कम दो आत्मघाती हमलावर मारे गए।

पिछले हफ्ते बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी ने पाकिस्तान के दक्षिण–पश्चिमी बलूचिस्तान प्रांत में दर्जनों लोगों की हत्या कर दी थी। फिर खबर आई कि तहरीक ए तालिबान पाकिस्तान के आतंकी खैबर पख्तूनवा प्रांत में पाकिस्तानी कर्नल को अगवा कर ले गए। जिसके बाद से पाकिस्तान में हल्ला है कि अगर तालिबान ने खैबर में आकर पाकिस्तानी कर्नल को अगवा कर लिया तो अगली बार वो इस्लामाबाद में आकर पाक जनरल को भी उठा सकता है। पाकिस्तान की संसद में भी इसको लेकर चर्चा चल रही है। वहीं उत्तर–पश्चिमी पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में शुक्रवारकोएक सैन्य मुख्यालय पर हुए आतंकवादी हमले में कम से कम दो आत्मघाती हमलावर मारे गए। सुरक्षा बलों ने कहा कि उन्होंने अफगानिस्तान की सीमा से लगे मोहमंद जिले के घलानाई कस्बे में मोहमंद राइफल्स मुख्यालय पर आतंकवादी हमले के बाद पांच आत्मघाती हमलावरों में से दो को मुठभेड़ में मार गिराया है। सुरक्षा बलों ने बताया कि मुठभेड़ अब भी जारी है तथा मुख्यालय में तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। घलानाई मुख्यालय मोहमंद जनजातीय जिले में स्थित है, जो पेशावर से लगभग 50 किलोमीटर दूर है। मोहमंद जिले में जमात उल अहरार आतंकवादी समूह की गतिविधियों में वृद्धि देखी गई है। यह समूह प्रतिबंधित तहरीक–ए–तालिबान पाकिस्तान का हिस्सा है। ऐसा माना जा रहा है कि इस हमले के पीछे जमात उल अहरार समूहहै।

जस्टिन ट्रूडो वापस लिया समर्थन, Justin Trudeau को नया सहयोगी नहीं मिला तो गिर सकती है सरकार

कनाडाई मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, आने वाले महीनों में जगमीत सिंह की पार्टी को दुविधा का सामना करना पड़ सकता है। एक तो चूंकि अब जगमीत सिंह की पार्टी सत्तारुढ़ गठबंधन से बाहर हो चुकी है तो उसे कुछ बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है।अपने भारत विरोधी रुख के लिए जाने जाने वाले कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की सरकार पर खतरा मंडराता दिख रहा है। वह जिन कट्टरपंथियों के समर्थन से सरकार चला रहे हैं उनमें से एक ने ट्रूडो से समर्थन वापस लेकर कनाडा की राजनीति में बड़ी हलचल मचा दी है। हम आपको बता दें कि कनाडा में जल्द ही चुनाव कराये जाने की नौबत आ सकती है क्योंकि प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी का समर्थन खो दिया है जो उन्हें सत्ता में बनाए रखने में मदद कर रही थी। न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता जगमीत सिंह ने अपना बिना शर्त समर्थन वापस लेने का ऐलान किया है जिससे ट्रूडो को अक्टूबर 2025 के अंत तक होने वाले संघीय चुनाव तक पद पर बने रहने के लिए नए गठबंधन की तलाश करने के लिए मजबूर होना पड़ा है।न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता जगमीत सिंह ने कहा है कि उनकी पार्टी एनडीपी ने ट्रूडो को समर्थन देने के लिए 2022 के समझौते को समाप्त कर दिया है। उन्होंने टोरंटो में संवाददाताओं से कहा कि मैंने जस्टिन ट्रूडो के साथ समझौते को तोड़ दिया है और मुझे पता है कि इसका मतलब है कि अब चुनाव होने की अधिक संभावना है। उन्होंने कहा कि जब भी चुनाव होगा हम लड़ने के लिए तैयार हैं। उन्होंने यह भी कहा कि उनकी पार्टी इस बात से नाखुश थी कि लिबरल्स ने पिछले महीने रेलवे कर्मचारियों को काम पर वापस जाने के लिए मजबूर किया था, इस कदम को उन्होंने ष्एक भयानक निर्णयष कहा। जगमीत सिंह ने इस सवाल को टाल दिया कि क्या वह ट्रूडो को सत्ता से हटाने के लिए अविश्वास प्रस्ताव लाने की मांग करेंगे। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी मुद्दे–दर–मुद्दे के आधार पर इस पर फैसला करेगी। हम आपको बता दें कि एनडीपी निचले सदन यानि हाउस ऑफ कॉमन्स में चौथी सबसे बड़ी पार्टी है।कनाडाई मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, आने वाले महीनों में जगमीत सिंह की पार्टी को दुविधा का सामना करना पड़ सकता है। एक तो चूंकि अब जगमीत सिंह की पार्टी सत्तारुढ़ गठबंधन से बाहर हो चुकी है तो उसे कुछ बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है। इसके अलावा यह भी कहा जा रहा है कि यदि जगमीत सिंह ने ट्रूडो सरकार को गिराने के लिए मतदान किया, तो यह उसके लिए भी नुकसानदेह होगा क्योंकि सर्वेक्षण एनडीपी को भी कमजोर दिखा रहे हैं। हम आपको बता दें कि सर्वेक्षणों से यह भी पता चलता है कि नवंबर 2015 में पहली बार सत्ता संभालने वाले जस्टिन ट्रूडो से मतदाता अब ऊब गये हैं। कनाडाई मतदाता बढ़ती महंगाई, आवास की कमी और अन्य समस्याओं को लेकर बहुत परेशान हैं जिससे अनुमान लगाया जा रहा है कि जस्टिन ट्रूडो के लिए सत्ता में लौटना अब आसान नहीं होगा। जस्टिन ट्रूडो को एक दिन पहले एक और बड़ा झटका लगा था जब उनके करीबी सहयोगी जेरेमी ब्रॉडहर्स्ट ने घोषणा की कि वह पद छोड़ रहे हैं। एक्स पर पोस्ट किए गए एक बयान में ब्रॉडहर्स्ट ने अपने परिवार के साथ अधिक समय बिताने की इच्छा का हवाला दिया। लेकिन टोरंटो स्टार ने लिबरल पार्टी के सूत्रों के हवाले से कहा कि ब्रॉडहर्स्ट को नहीं लगता कि ट्रूडो फिर से जीत सकते हैं। वैसे फिलहाल जस्टिन ट्रूडो की सरकार सुरक्षित है, क्योंकि इसे तभी हटाया जा सकता है जब विपक्षी दल एकजुट हों और अविश्वास मत का समर्थन करें। जहां तक सर्वेक्षण में जताये गये अनुमानों की बात है तो आपको बता दें कि 21 अगस्त को जारी एकोस सर्वेक्षण में कंजर्वेटिवों को 38.2: सार्वजनिक समर्थन प्राप्त हुआ। लिबरल 23.7: और एनडीपी 18.2: मत ही हासिल करती दिख रही है। एंगस रीड पोलिंग फर्म के अध्यक्ष शची कर्ल ने इस बारे में कहा है कि न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी को ट्रूडो के साथ अपने करीबी रिश्ते से नुकसान हो रहा है। वैसे लिबरल पार्टी का कहना है कि वह जल्दी चुनाव कराने की योजना नहीं बना रही है और उसका लक्ष्य अक्टूबर 2025 तक सत्ता में बने रहना है। हम आपको बता दें कि जस्टिन ट्रूडो ने भी समय से पहले चुनाव कराने की बात को खारिज कर दिया है।

राष्ट्रपति मैक्रों ने उन्हें ही क्यों बनाया फ्रांस का नया प्रधानमंत्री

मिशेल बार्नियर एक अनुभवी राजनीतिज्ञ हैं और उन्हें फ्रांस के हाउते–सावोई के अल्पाइन क्षेत्र में अपनी मूल उत्पत्ति पर गहरा गर्व है। 9 जनवरी 1951 को जन्मे बार्नियर का फ्रांसीसी और यूरोपीय राजनीति दोनों में एक लंबा और प्रतिष्ठित करियर रहा है। राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन ने यूरोपीय संघ के पूर्व ब्रेक्सिट वार्ताकार मिशेल बार्नियर को फ्रांस का नया प्रधानमंत्री नियुक्त किया है। इसके साथ ही 50 दिनों से अधिक की कार्यवाहक सरकार समाप्त हो गई। मैक्रों और उनके सहयोगियों द्वारा कई हफ्तों तक किए गए गहन प्रयासों के बाद बार्नियर की नियुक्ति की गयी है। वे एक ऐसे उम्मीदवार की तलाश में थे जो मैक्रों के विरोधियों द्वारा नयी सरकार को गिराने की कोशिशों को नाकाम कर सके। बार्नियर फ्रांस के अल्पाइन क्षेत्र हाउते–सावोई से आते हैं और अनुभवी राजनीतिज्ञ हैं। वह यूरोपीय संघ से ब्रिटेन के अलग होने को लेकर चली बातचीत में मुख्य वार्ताकार थे। वह गैब्रियल एटल की जगह लेंगे, जिन्होंने 16 जुलाई को चुनावों में त्रिशंकु संसद आने के बाद पद से इस्तीफा दे दिया था। मिशेल बार्नियर एक अनुभवी राजनीतिज्ञ हैं और उन्हें फ्रांस के हाउते–सावोई के अल्पाइन क्षेत्र में अपनी मूल उत्पत्ति पर गहरा गर्व है। 9 जनवरी 1951 को जन्मे बार्नियर का फ्रांसीसी और यूरोपीय राजनीति दोनों में एक लंबा और प्रतिष्ठित करियर रहा है। ब्रिटेन के साथ जटिल ब्रेक्सिट वार्ता के दौरान उन्हें यूरोपीय संघ के मुख्य वार्ताकार के रूप में अंतरराष्ट्रीय पहचान मिली। विभिन्न प्रमुख भूमिकाएँ निभाई 50 से अधिक वर्षों के राजनीतिक करियर में बार्नियर ने विभिन्न प्रमुख भूमिकाएँ निभाई हैं, जिनमें फ्रांसीसी विदेश मामलों, यूरोपीय मामलों, पर्यावरण और कृषि मंत्री के साथ–साथ दो बार यूरोपीय आयुक्त के रूप में कार्य करना शामिल है। अपने व्यापक अनुभव के बावजूद, उन्होंने अब तक कभी भी राष्ट्रपति या प्रधान मंत्री जैसे नेतृत्व पद का चुनाव नहीं किया था।

बाढ़ रोकने में नाकाम रहने पर 30 अधिकारियों को दी जाएगी फांसी, फरमान आने के बाद देशवासी हैरान

प्योंगयांग । उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने एक बार फिर तानाशाही फरमान जारी किया है। उन्होंने बाढ़ और भूस्खलन रोकने में नाकाम रहने वाले 30 अधिकारियों को फांसी देने का आदेश दिया है। स्थानीय मीडिया ने बताया कि देश में बाढ़ और भूस्खलन के कारण एक हजार लोगों की मौत हो गई है।

उत्तर कोरिया के टीवी चोसुन ने एक अधिकारी के हवाले से बताया कि भ्रष्टाचार और काम में लापरवाही बरतने के आरोप में 20 से 30 अधिकारियों को मौत की सजा सुनाई गई है। अधिकारी ने टीवी चोसुन को बताया कि पिछले महीने के अंत में बाढ़ प्रभावित इलाके में 20 से 30 कैडरों को मौके पर ही फांसी दे दी गई थी। इससे पहले किम जोंग उन ने बाढ़ और भूस्खलन के कारण मृत्यु दर में हुई बढ़ोत्तरी और 15 हजार से अधिक लोगों के विस्थापित होने के बाद अधिकारियों को कड़ी सजा देने का आदेश दिया था।

सिनुइजू और उत्तरी प्योंगान प्रांत के उइजू काउंटी में भारी बारिश हुई। इसके चलते 4,100 घरय 7,410 एकड़ कृषि भूमि और कई इमारतें, सड़कें और रेल पटरियां जलमग्न हो गई थीं। दक्षिण कोरियाई मीडिया आउटलेट्स ने बताया कि बाढ़ और भूस्खलन के कारण मरने वालों या लापता लोगों की संख्या लगभग एक हजार से अधिक हो सकती है। हाल ही में किम जोंग उन ने बाढ़ पीडिघ्तों से मिलने और सहायता प्रदान करने के लिए उइजू काउंटी का दौरा किया था। उन्होंने उत्तर कोरिया में बाढ़ से हुए भयंकर नुकसान पर आई दक्षिण कोरियाई मीडिया की रिपोर्टों की निंदा की थी। किम ने इन रिपोर्टों को मनगढ़ंत और राजनीति से प्रेरित बताया था।

इस बीच उत्तर कोरिया को चीन, रूस और दक्षिण कोरिया से सहायता की पेशकश की गई थी, लेकिन किम जोंग ने किसी भी तरह की सहायता लेने से इनकार कर दिया था। हालांकि, उन्होंने मदद की पेशकश के लिए रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का आभार जताया था। किम ने कहा कि वह जरूरत पडने पर मदद मांगेंगे। कोविड–19 के बाद से उत्तर कोरिया में फांसी की सजा की घटनाएं बढ़ गई हैं। महामारी से पहले देश में हर साल औसतन 10 लोगों को फांसी दी जाती थी, महामारी के बाद बढ़कर 100 तक पहुंच गई है।

अमेरिका के स्कूल में गोलीबारी में चार की मौत

वाशिंगटन । अमेरिका के जॉर्जिया प्रांत के एक हाई स्कूल में हुई गोलीबारी में कम से कम चार लोगों की मौत हो गई और कई घायल हो गए। राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कहा कि देश में मूर्खतापूर्ण बंदूक हिंसा समाज को तोड़ रही है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, कथित शूटर को हिरासत में ले लिया गया है। यह गोलीबारी स्थानीय समय के अनुसार, सुबह करीब 9.30 बजे जॉर्जिया के विंडर में अपालाची हाई स्कूल में हुई।बैरो काउंटी के शेरिफ जुड स्मिथ ने एक समाचार सम्मेलन में संवाददाताओं से कहा, आज आप हमारे पीछे जो देख रहे हैं, वह एक बुरी चीज है। उन्होंने केवल इतना कहा कि कई लोग घायल हुए हैं। राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कहा कि वह उन लोगों की मृत्यु पर शोक व्यक्त करते हैं, जिनकी जान बेहद मूर्खतापूर्ण बंदूक हिंसा के कारण चली गई। राष्ट्रपति ने कहा, विंडर, जॉर्जिया में जो खुशी का माहौल होना चाहिए था, वह अब एक और भयावह अनुस्मारक में बदल गया है कि कैसे बंदूक हिंसा हमारे समुदायों को अलग करती रहती है।उन्होंने कहा कि देश भर के छात्र पढना और लिखना सीखने की बजाय झुकना और छिपना सीख रहे हैं। उन्होंने कहा कि देश इसे सामान्य रूप से स्वीकार नहीं कर सकता।राष्ट्रपति ने कहा, हम संघीय, प्रांतीय और स्थानीय स्तर पर अधिकारियों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं और उन पहले प्रतिक्रिया देने वालों के आभारी हैं जिन्होंने संदिग्ध को हिरासत में लिया तथा और लोगों की जान जाने से बचाया। उन्होंने कहा कि इस बंदूक हिंसा महामारी को समाप्त करना उनके लिए व्यक्तिगत है और इसीलिए उन्होंने दोनों दलों से समर्थन वाले सुरक्षित समुदाय अधिनियम पर हस्ताक्षर किए हैं।

उन्होंने कहा, मैंने बंदूक हिंसा रोकथाम के लिए पहला व्हाइट हाउस कार्यालय भी स्थापित किया है, जिसकी देखरेख उपराष्ट्रपति हैरिस करती हैं। हमने महत्वपूर्ण प्रगति की है, लेकिन इस संकट के लिए और भी अधिक करने की आवश्यकता है। अमेरिकी सरकार स्कूल की गोलीबारी के आंकड़े नहीं रखती है। हालांकि, मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार 2024 में 46 ऐसी गोलीबारी की घटनाएं हुई हैं, जो 1999 के बाद से किसी भी वर्ष की तुलना में अधिक है 1999 में कोलंबिन हाई स्कूल में गोलीबारी में 15 लोग मारे गए थे। मीडिया रिपोर्ट्स में आगे दावा किया गया है कि 3,83,000 से अधिक छात्र स्कूलों में गोलीबारी के गवाह रहे हैं।

मुशीर खान की बेहतरीन पारी ने इन खिलाड़ियों का काम किया खराब,

भारत और बांग्लादेश के बीच सीरीज टीम इंडिया का सेलेक्शन ट्रॉयल माना जा रहा है। कुछ खिलाड़ियों ने इस सेलेक्शन ट्रायल में बेहतरीन प्रदर्शन किया तो कुछ ने बेहद निराश किया है। खासकर मुशीर खान और अक्षर पटेल ने गेंदबाजों को काफी परेशान किया। भारत और बांग्लादेश के बीच खेली जाने वाली 2 मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले दलीप ट्रॉफी में युवा मुशीर खान का बल्ला जमकर बोला है। बता दें कि, भारत और बांग्लादेश के बीच सीरीज टीम इंडिया का सेलेक्शन ट्रॉयल माना जा रहा है। कुछ खिलाड़ियों ने इस सेलेक्शन ट्रायल में बेहतरीन प्रदर्शन किया तो कुछ ने बेहद निराश किया है। खासकर मुशीर खान और अक्षर पटेल ने गेंदबाजों को काफी परेशान किया। इंडिया बी की ओर से खेल रहे मुशीर खान ने 181 रन की पारी खेली और अपनी टीम को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया। यह वीनर्स नकली दांतों से 300 गुना बेहतर है!

और कीमत बहुत सस्ती हैऔर जानें

19 वर्षीय मुशीर खान ने आकाशदीप, आवेश कान, खलील अहमद, कुलदीप यादव जैसे गेदंबाजों को पछाड़ दिया है। ये चारों ही गेंदबाज बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम में चुने जाने के दावेदार हैं। लेकिन मुशीर खान ने अपने प्रदर्शन से इनकी दावेदारी पर प्रश्न चिह्न लगा दिया है। मुशीर खान ने नवदीप सैनी के साथ तब 205 रन की साझेदारी की, जब इंडिया बी 94 रन पर 7 विकेट गंवा चुकी थी। इस साझेदारी ने जहां इंडिया बी को 300 रन के पार पहुंचाया, वहीं विरोधी गेंदबाजों की कलई खोल दी। इंडिया ए का बॉलिंग अटैक आकाश दीप, आवेश खान, खलील अहमद, कुलदीप यादव के जिम्मे था। ये चारों ही भारतीय टीम के लिए खेल चुके हैं, ऐसे में 56 ओवर तक एक भी विकेट ना गिरना गेंदबाजी पर सवाल उठना लाजमी है। वह भी तब जब एक छोर पर पुछल्ले बल्लेबाज नवदीप सैन थे। हालांकि, कुलदीप यादव ने मुशीर खान को आउट कर इस खतरनाक साझेदारी को तोड़ा, लेकिन तब तक मुशीर और नवदीप सैन अपना काम कर चुके थे। कुलदीप ने मैच में 21 ओवर बॉलिंग की और सिर्फ एक विकेट ले सके। उन्होंने 3.90 की इकोनॉमी रेट से 82 रन लुटाए।

दलिप ट्राफी 2024 में अक्षर पटेल का कमाल का प्रदर्शन, फिफ्टी पूरी कर इंडिया डी के लिए बने संकटमोचक

इंडिया 100 रन भी नहीं बना पाएगा, लेकिन अक्षर की तेज तर्रार पारी ने स्कोरबोर्ज पर कम से कम पहली पारी में 150 से ज्यादा रन तो खड़े कर दिए। 74 गेंद पर जब अक्षर 37 रन बनाकर खेल रहे थे, उसके बाद उन्होंने छक्का, चौका और छक्का लगाकर अपना पचासा पूरा किया। 78 गेंद पर उनका स्कोर फिर 53 रन पहुंच गया।दलीप ट्रॉफी 2024 के पहले राउंड में आज इंडिया सी वर्सेस इंडिया डी के बीच मैच खेला जा रहा है। अनंतपुर में खेले जा रहे इस मैच में इंडिया डी को पहले बल्लेबाजी करने का मौका मिला। जहां इंडिया सी के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ ने टॉस जीतकर और इंडिया डी को पहले बल्लेबाजी का न्योता दिया। इंडिया डी की शुरुआत बेहद खराब रही और 48 रनों तक टीम ने 6 विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद क्रीज पर आए अक्षर टेल और उन्होंने साबित कर दिया कि क्यों उन्हें संकटमोचक कहा जाता है। अक्षर ने 118 गेंदों पर 86 रनों की पारी खेली। यह वीनर्स नकली दांतों से 300 गुना बेहतर है! और कीमत बहुत सस्ती हैऔर जानेंएक समय तो ऐसा लगा रहा था इंडिया 100 रन भी नहीं बना पाएगा, लेकिन अक्षर की तेज तर्रार पारी ने स्कोरबोर्ज पर कम से कम पहली पारी में 150 से ज्यादा रन तो खड़े कर दिए। 74 गेंद पर जब अक्षर 37 रन बनाकर खेल रहे थे, उसके बाद उन्होंने छक्का, चौका और छक्का लगाकर अपना पचासा पूरा किया। 78 गेंद पर उनका स्कोर फिर 53 रन पहुंच गया। अक्षर का साथ अर्शदीप सिंह ने भी निभाया, जिन्होंने 33 गेंदों पर 13 रन बनाए। अर्शदीप के अलावा श्रीकर भरत और सारांश जैन ने भी 13–14 रनों की पारियां खेलीं। अक्षर ने अपनी पारी के दौरान 118 गेंदों का सामना किया और इस दौरान उनके बल्ले से 6 चौके और इतने ही छक्के निकले। इंटरनेशनल क्रिकेट में भी अक्षर इस तरह की मुश्किल परिस्थितियों से टीम इंडिया को बाहर निकाल चुके हैं। अक्षर बैट के साथ–सात गेंद से भी कमाल करने में माहिर हैं।

बीसीसीआई एजीएम 29 सितंबर कोरू सचिव का चुनाव नहीं, नए एनसीए का होगा उद्घाटन

बीसीसीआई की 93वीं वार्षिक आम बैठक (एजीएम) यहां 29 सितंबर को होगी लेकिन इस बैठक में बोर्ड के नए सचिव का चुनाव होने की संभावना नहीं है। हालांकि एजीएम शहर के बाहरी इलाके में अत्याधुनिक राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) के उद्घाटन के दौरान ही होगी क्योंकि बोर्ड के सभी सदस्य शहर में मौजूद रहेंगे।भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की 93वीं वार्षिक आम बैठक (एजीएम) यहां 29 सितंबर को होगी लेकिन इस बैठक में बोर्ड के नए सचिव का चुनाव होने की संभावना नहीं है। हालांकि एजीएम शहर के बाहरी इलाके में अत्याधुनिक राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) के उद्घाटन के दौरान ही होगी क्योंकि बोर्ड के सभी सदस्य शहर में मौजूद रहेंगे।दो दशक से अधिक समय पहले अस्तित्व में आने के बाद से एनसीए एम चिन्नास्वामी स्टेडियम परिसर से संचालित हो रहा है। एजीएम में बीसीसीआई के नए सचिव का चुनाव नहीं होगा लेकिन इस बैठक में चुनाव के लिए विशेष आम बैठक (एसजीएम) की तारीख तय की जा सकती है। निवर्तमान सचिव जय शाह के सर्वसम्मति से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) का चेयरमैन चुने जाने के बाद नए सचिव की नियुक्ति अनिवार्य हो गई है।।ाह हालांकि एमजीएम में बीसीसीआई सचिव की अपनी मौजूदगी भूमिका नहीं छोड़ेंगे क्योंकि उन्हें आईसीसी चेयरमैन का प्रभार एक दिसंबर से संभालना है। सभी राज्य संघों को भेजे गए बैठक के 18 सूत्री एजेंडे में अन्य महत्वपूर्ण बिंदु आईसीसी बैठकों में बीसीसीआई के प्रतिनिधि की नियुक्ति है क्योंकि शाह अब उस भूमिका के लिए

ये दिग्गज बना न्यूजीलैंड टीम का कोच, टीम इंडिया को जिता चुके हैं वर्ल्ड कप

विक्रम राठौड़ अब न्यूजीलैंड टीम को कोचिंग देंगे। न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने टीम के आगामी सीजन को देखते हुए ये फैसला किया है। कीवी टीम को 9 सितंबर से ग्रेटर नोएडा में अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट मैच खेलना है। इसके बाद वह श्रीलंका और भारत के खिलाफ भी रेड बॉल क्रिकेट सीरीज खेलेगी। भारतीय टीम के पूर्व बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़ अब न्यूजीलैंड टीम को कोचिंग देंगे। न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने टीम के आगामी सीजन को देखते हुए ये फैसला किया है। कीवी टीम को 9 सितंबर से ग्रेटर नोएडा में अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट मैच खेलना है। इसके बाद वह श्रीलंका और भारत के खिलाफ भी रेड बॉल क्रिकेट सीरीज खेलेगी।

एशिया में टेस्ट मैचों के लिए न्यूजीलैंड ने विक्रम राठौड़ को अपने साथ जोड़ा है। विक्रम राठौड़ राहुल द्रविड़ के कोचिंग स्टाफ का हिस्सा थे। वह केवल अफगानिस्तान टेस्ट के लिए टीम के साथ हों गे।राठौड़ के अलावा श्रीलंकाई दिग्गज रंगना हेराथ भी कीवी टीम से जुड़े हैं। वह श्रीलंका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए न्यूजीलैंड के साथ होंगे। पहले ये जगह सकलेन मुश्ताक को ऑफर की गई थी। हालांकि, पीसीबी से जुड़ने के कारण उन्होंने पीछे हटने का फैसला किया। वहीं न्यूजीलैंड के कोच गैरी स्टीड दोनों के टीम के साथ जुड़ने से काफी खुल हैं। उन्होंने कहा कि, हम विक्रम और रंगना के जुड़ने से काफी उत्साहित हैं। दोनों का अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में बड़ा कद है। मैं जानता हूं कि मेरे खिलाड़ी भी उनसे सीखने के लिए उत्सुक हैं।

पाकिस्तान की इस महिला क्रिकेटर को रोहित–विराट को बधाई देना पड़ा महंगा, ट्रोल होने पर कर दी पोस्ट डिलीट

निदा डार ने एक्स पर रोहित शर्मा और विराट कोहली और भारतीय टीम के हेड कोच राहुल द्रविड़ की तस्वीर शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा कि, भारत को टी20 वर्ल्ड कप जीतने पर बहुत बधाई। निदा ने दो महीने बाद टीम इंडिया को बधाई दी है। भारत ने 29 जून को टी20 वर्ल्ड कप जीता था। पाकिस्तान की महिला क्रिकेटर निदा डार एक्स पर ट्रोलर्स के निशाने पर हैं। वहीं निदा को सिर्फ पाकिस्तान ही नहीं बल्कि भारत के फैंस भी जमकर ट्रोल कर रहे हैं। इसके पीछे कारण टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली हैं। दरअसल, निदा ने इन दोनों खिलाड़ियों को एक्स पर बधाई दी है जिसके बाद से ही उन्हें ट्रोलर्स के सामना करना पड़ रहा है।निदा डार ने एक्स पर रोहित शर्मा और विराट कोहली और भारतीय टीम के हेड कोच राहुल द्रविड़ की तस्वीर शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा कि, भारत को टी20 वर्ल्ड कप जीतने पर बहुत बधाई। रइन लोगों ने वर्ल्ड क्रिकेट को बहुत कुछ दिया है। उनकी लीडरशिप स्किल और डेडिकेशन से इस दुनिया को बहुत प्ररेणा मिलती है। हैप्पी रिटायरमेंट्स लेजेंड्स। बता दें कि, निदा ने दो महीने बाद टीम इंडिया को बधाई दी है। भारत ने 29 जून को टी20 वर्ल्ड कप जीता था। यही कारण है कि फैंस ने निदा को आड़े हाथों लिया और कहा कि दो महीने बाद यादा आया है। वहीं कुछ के मुताबिक निदा टाइम ट्रैवल करने गई और वहीं अटक गई। हालांकि, कुछ समय बाद निदा ने ये पोस्ट डिलीट कर दी।

संन्यास के बाद ब्रेंडन मैकुलम की राह पर चलेंगे बेन स्टोक्स, खुद बताया रिटायरमेंट के बाद का प्लान

बेन स्टोक्स ने हाल ही में अपने इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद की अपनी योजनाओं के बारे में बताया। बेन स्टोक्स का मानना है कि इंटरनेशनल क्रिकेट को अलविदा कहने के बाद वो कोच बनने की राह पर आगे बढ़ सकते हैं। बता दें कि, इंग्लैंड क्रिकेट टीम के मौजूदा हेड कोच ब्रेंडन मैकुलम ने भी अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद यही किया था।इंग्लैंड टेस्ट क्रिकेट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स ने हाल ही में अपने इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद की अपनी योजनाओं के बारे में बताया। बेन स्टोक्स का मानना है कि इंटरनेशनल क्रिकेट को अलविदा कहने के बाद वो कोच बनने की राह पर आगे बढ़ सकते हैं।यह वीनर्स नकली दांतों से 300 गुना बेहतर है! और कीमत बहुत सस्ती हैऔर जानें बता दें कि, इंग्लैंड क्रिकेट टीम के मौजूदा हेड कोच ब्रेंडन मैकुलम ने भी अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद यही किया था। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के करीब 6 साल बाद ब्रेंडन मैकुलम को टेस्ट क्रिकेट में इंग्लैंड का मुख्य कोच नियुक्त किया गया था। बेन स्टोक्स और ब्रैंडन मैकुलम दोनों के बीच काफी अच्छे संबंध ा हैं। दोनों को इंग्लैंड की टेस्ट टीम में बैजबॉल को लाने का श्रेय दिया जाता है। अब ऐसा लग रहा है कि स्टोक्स रिटायरमेंट के बाद मैकुलम के नक्शेकदम पर चलते हुए कोच बन सकते हैं। द टेलीग्राफ से बात करते हुए बेन स्टोक्स ने कोच बनने की अपनी भविष्य की योजनाओं के बारे में खुलकर बात की। वहीं उन्होंने माना कि खेल के प्रति उनका प्यार उन्हें रिटायर होने के बावजूद क्रिकेट के मैदान को नहीं छोड़ने के लिए मजबूर करेगा।रिटायरमेंट के बाद कोच बनना चाहते हैं स्टोक्स बेन स्टोक्स ने कहा कि मैं खुद को ऐसा व्यक्ति नहीं मानता कि जब मैं खेलना छोड़ दूं तो मैं क्रिकेट से जुड़ा ही न रहूं। मैं खुद को कोच बनने की राह पर आगे बढ़ते हुए देखता हूं। मुझे लगता है कि ये खेल के प्रति मेरे प्यार के कारण है। जब मैं खेलना छोड़ दूंगा तो मैं कुछ लोगों के करियर को प्रभावित करने की कोशिश करना चाहूंगा। इससे पहले बेन स्टोक्स ने वनडे फॉर्मेट से संन्यास ले लिया था, लेकिन वनडे वर्ल्ड कप 2023 से ठीक पहले उन्होंने वनडे में फिर से वापसी करने का फैसला किया था। हालांकि, उनका ये फैसला ठीक नहीं रहा और उनकी टीम का प्रदर्शन बेहद खराब रहा।

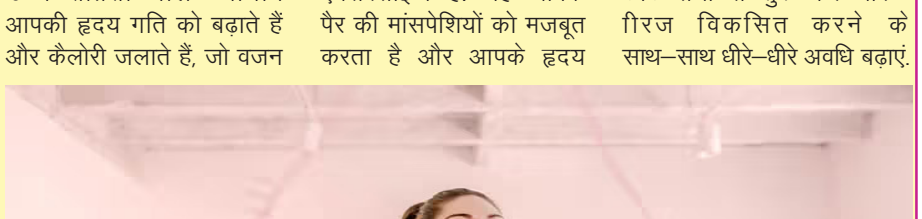

गाजर खाने के एक नहीं कई हैं फायदे, जान लेंगे तो हो जाएंगे हैरान

गाजर एक ऐसी सब्जी होती है जो सेहत के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद होता है. पहले यह सिर्फ सर्दियों में मिलती लेकिन अब यह पूरे साल मिलती है. गाजर में विटामिन और एंटीऑक्सीडेंट्स भरपूर मात्रा में होते हैं. इसे खाने से आंख, लिवर, किडनी और शरीर के बाकी अंगों को भी काफी ज्यादा फायदा मिलता है. आइए जानें रोजाना गाजर खाने से क्या फायदा होता है.

गाजर का इतिहास

गाजर जड़ वाली सब्जियां हैं जो सबसे पहले 900 ई. के आसपास अफगानिस्तान में उगाई गई थीं. नारंगी उनका सबसे प्रसिद्ध रंग हो सकता है. लेकिन वे बैंगनी, पीले, लाल और सफेद सहित और भी दूसरे रंगों में भी मिलते हैं. शुरुआती गाजर बैंगनी या पीले रंग की होती थीं. नारंगी गाजर 15वीं या 16वीं शताब्दी के आसपास मध्य यूरोप में विकसित की गई थीं.ऑर्गेनिक बनाम नॉन–ऑर्गेनिक

ऑर्गेनिक गाजर में नैचुरल तरीकों से उगाया जाता है. वहीं उसमें किसी भी तरह के कैमिकल और कीटनाशकों का इस्तेमाल नहीं किया जाता है. वहीं नॉन ऑर्गेनिक गाजर में पारंपरिक रूप से उगाई जाती हैं और कीटों के संक्रमण और बीमारियों को रोकने के लिए कीटनाशकों का उपयोग किया जाता है.आंखों के लिए होता है फायदेमंदगाजर को आंखों के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद माना जाता है. क्योंकि इसमें भरपूर मात्रा में विटामिन ए और अल्फा–कैरोटीन, बीटा–कैरोटीन नाम के दो कैरोटीनॉयड होते हैं. लेकिन गाजर में सिर्फ एक पोषक तत्व नहीं बल्कि कई सारे पोषक तत्व होते हैं जो आंखों के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद होते हैं. गाजर में पाए जाने वाले एंटीऑक्सीडेंट ल्यूटिन और जेक्सैंथिन आंखों के लिए काफी फायदेमंद माना जाता है. यह आंखों की रेटिना और लेंस के लिए अच्छा होता है. रोज एक गाजर खाएं यह सेहत के लिए अच्छा होता है.

शुगर मैनेज करने में मददगार

गाजर में ढेर सारे फाइबर होते हैं जो ब्लड शुगर और इंसुलिन के लिए काफी ज्यादा अच्छा होता है. कच्ची या थोड़ी पकी हुई गाजर में ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम होता है.जो शुगर बैलेंस में मदद करता है. डायबिटीज के मरीज आराम से गाजर खा सकते हैं.

वजन को करना है कंट्रोल

गाजर की सबसे खास बात यह है कि इसमें 88 प्रतिशत तक पानी होता है. इसमें फाइबर और रफेज होती है. जिससे वजन कंट्रोल में रहता है. इसके अलावा अगर आप हर रोज एक गाजर खा लेते हैं तो लगभग 80 प्रतिशत कैलोरीज खा लेते हैं जिसके कारण काफी देर तक पेट भरा हुआ लगता है. यह सब्जी वजन कंट्रोल करने में मदद करता है.बीपी बैलेंस करने में होता है कारगरअगर आपका बीपी हाई है तो हर रोज 1 गाजर खाना चाहिए. गाजर में पोटेशियम की मात्रा काफी ज्यादा होती है. जो बीपी बैलेंस करने का काम करती है. साथ ही यह शरीर में सोडियम का लेवल बैलेंस करता है. जिससे बीपी कंट्रोल में रहता है. दिल को हेल्दी रखने में गाजर काफी ज्यादा अच्छा होता है.

महिलाओं को अगर दिल की बीमारी से बचना है तो यह 5 काडियो जरूर करना चाहिए

कार्डियो एक्सरसाज को हर महिला को अपनी लाइफस्टाइल में शामिल करना चाहिए ताकि क्रोनिक हार्ट डिजीज के जोखिम को कम किया जा सके. दरअसल, इन असरदार वर्कआउट्स के जरिए दिल में ब्लड सर्कुलेशन अच्छे तरीके से होता है और यह दिल के लिए हेल्दी रहता है. यह हार्ट हेल्थ के लिए बहुत अच्छा होता है. रोजाना एक्सरसाइज हार्ट हेल्थ के लिए बहुत फायदेमंद होता है. तेज चलनाअगर आपको कोई भी टफ एक्सरसाइज करने का मन नहीं तो आप एक एक्सरसाइज कर सकते हैं. वह है तेज चलना. तेज चलना आपके हार्ट बीट को बढ़ाने और हृदय स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद करता है. हर दिन कम से कम 30 मिनट तेज चलने का लक्ष्य रखें. यह व्यायाम जोड़ों के लिए आसान है और लगभग कहीं भी किया जा सकता है, जिससे यह सभी फिटनेस स्तरों के लिए एक बढिया विकल्प बन जाता है.दौडना या जॉगिंग

दौडना और जॉगिंग आपके हृदय स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के बेहतरीन तरीके हैं. ये उच्च–तीव्रता वाले व्यायाम आपकी हृदय गति को बढ़ाते हैं और कैलोरी जलाते हैं, जो वजन को कंट्रोल करने और दिल की बीमारी के जोखिम को कम करने में मदद कर सकते हैं. कम दूरी से शुरू करें और जैसे–जैसे आपकी फिटनेस बेहतर होती है, धीरे–धीरे अपनी स्पीड बढ़ाते रहें.साइकिल चलानासाइकिल चलाना, चाहे स्थिर बाइक पर हो या बाहर, एक कम प्रभाव वाला व्यायाम है जो दिल से जुड़ा एक बहुत अच्छा एक्सरसाइज है. यह आपके पैर की मांसपेशियों को मजबूत करता है और आपके हृदय स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है. इससे फायदा लेना है तो हर सप्ताह कम से कम 150 मिनट मध्यम–तीव्रता वाली साइकिल चलाने का लक्ष्य रखें.रस्सी कूदनारस्सी कूदना एक मजेदार और प्रभावी कार्डियो वर्कआउट है जिसे लगभग कहीं भी किया जा सकता है. यह हृदय स्वास्थ्य, समन्वय और सहनशक्ति में सुधार करता है. छोटे सत्रों से शुरू करें और धीरज विकसित करने के साथ–साथ धीरे–धीरे अवधि बढ़ाएं.

रस्सी कूदने से कैलोरी बर्न करने और समग्र स्वास्थ्य में सुधार करने में भी मदद मिलती है.

डांसडांस करने से सिर्फ आपका मन ही खुश नहीं होता बल्कि ओवरऑल हेल्थ भी अच्छा होता है. यह एक बेहतरीन कार्डियो वैस्कुलर एक्सरसाइज भी है. चाहे आप साल्सा, हिप–हॉप या एरोबिक डांस क्लास पसंद करते हों, डांस आपकी हार्ट बीट को बढ़ाने में मदद करता है ।

विक्रांत मैसी की सेक्टर 36 का खतरनाक ट्रेलर रिलीज, खूंखार अंदाज में नजर आए अभिनेता

विक्रांत मैसी की अपकमिंग धमाकेदार सीरीज सेक्टर 36 13 सितंबर को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने जा रही है। यह फिल्म सच्ची घटना पर बेस्ड है। सेक्टर 36 का ट्रेलर रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर छा गया है, जिसे देख आपकी रूह कांप उठेगी। कई बच्चों के लापता होने की कहानी से लेकर पुलिस को चकमा देने वाले किडनैपर विक्रांत मैसी के साथ दीपक डोबरियाल भी नजर आएंगी। लापता हो रहे बच्चों की सच्चाई के बारे में पता लगने वाले एक पुलिस अधिकारी के सामने रोंगटे खड़े कर देने वाला सच सामने आता है, जिसके बाद उसके होश उड़ जाते हैं।

विक्रांत मैसी की सेक्टर 36 का ट्रेलर सोशल मीडिया पर मेकर्स ने शेयर किया है। ट्रेलर में विक्रांत और दीपक गैंगस्टर लुक में धमाका करते दिखाई दे रहे हैं। विक्रांत मैसी स्टारर सेक्टर 36 शुरुआत से ही चर्चा में रही है। मेलबर्न के मशहूर इंडियन फिल्म फेस्टिवल में इस फिल्म ने धूम मचा दी थी और अब ओटीटी पर धूम मचाने वाली है। सच्ची घटनाओं पर आधारित इस क्राइम ड्रामा में विक्रांत और दीपक डोबरिया की टॉम एंड जेरी की दौड़ वाकई दिलचस्प लग रही है।

12वीं फेल विक्रांत मैसी एक बार फिर से ओटीटी पर धमाका करने के लिए तैयार हैं। सेक्टर 36 में एक पुलिस अधिकारी झुग्गी बस्तियों से बच्चों के गायब होने के मामले की जांच करता है। इस दौरान उसका सामना खतरनाक सीरियल किलर से होता है जो बच्चों को किडनैप करता है। पोस्टर के बाद इसका नया वीडियो भी अब चर्चा में बना हुआ है। विक्रांत मैसी की फिल्म सेक्टर 36 अपनी रिलीज से पहले ही सुर्खियां बटोर रही है।

अभिनेता विक्रांत मैसी आज इंडस्ट्री के जाने–पहचाने नाम हैं जो 12वीं फेल के बाद दिनेश विजन की मैडॉक फिल्म्स और जियो स्टूडियो द्वारा निर्मित, सेक्टर 36 में नजर आने वाले हैं। आदित्य निंबालकर की बतौर निर्देशक पहली सीरीज है और जिसमें अपराध और सामाजिक असमानता को बहुत अच्छे से पेश किया गया है। सेक्टर 36 13 सितंबर को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी।

आलिया भट्ट की जिगरा के दो धांसू पोस्टर हुए जारी, हाथ में छेनी–हथौड़ा–औजार लिए नजर आई अभिनेत्री

इन दिनों आलिया भट्ट अपनी आगामी कई फिल्मों को लेकर लगातार चर्चा में बनी हुई हैं, जहां एक ओर आलिया वाईआरएफ की स्पाई यूनिवर्स की पहली महिला प्रधान फिल्म अल्फा की शूटिंग कर रही हैं, तो वहीं इसी बीच अब आलिया फिल्म जिगरा को लेकर फिर से चर्चा का विषय बन गई हैं। फिल्म जिगरा का आज एक के बाद अब दूसरा नया पोस्टर सामने आ चुका है। जहां पहले पोस्टर में वेदांग नजर आए, वहीं दूसरे पोस्टर में आलिया भट्ट खतरनाक अंदाज में दिखाई दे रही हैं। साथ ही दोनों के पोस्टर के साथ लिखी लाइन ने सभी का ध्यान अपनी ओर आर्किषत किया है।

11 अक्तूबर को रिलीज हो रही फिल्म जिगरा में आलिया भट्ट के अलावा वेदांग रैना भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। रिपोर्ट्स के अनुसार इस फिल्म में आलिया अभिनेता वेदांग की बड़ी बहन का किरदार निभाती नजर आएंगी। वासन बाला ने फिल्म का निर्देशन किया है, जबकि फिल्म का निर्माण करण जौहर के प्रोडक्शन तले किया जा रहा है। आलिया भट्ट के अलावा फिल्म के प्रोडक्शन हाउस ने भी फिल्म जिगरा का नया पोस्टर अपनी सोशल मीडिया साइट पर जारी किया है। आज कुछ ही देर में जिगरा के एक के बाद दूसरा पोस्टर जारी किया गया। जहां पहले पोस्टर की बात करें तो इस पहले जिगरा के पोस्टर पर वेदांग रैना नजर आए। वहीं साथ में एक और शख्स दिखाई दे रहा है। पोस्टर पर उनकी पीठ दिखाई दे रही है सिर्फ, साफतौर पर उन्हें देखा नहीं जा सकता है, लेकिन अब जब जिगरा का दूसरा पोस्टर भी जारी किया गया, तो इस शख्स का चेहरा सामने आ चुका है। यह कोई और नहीं बल्कि आलिया भट्ट हैं।

आज के दिन जिगरा के दूसरे पोस्टर में दिखाई दीं आलिया

जिगरा के दूसरे पोस्टर में आलिया भट्ट बेहद ही खतरनाक अंदाज में नजर आ रही हैं। आलिया ने अपने एक्स अकाउंट पर जिगरा का पोस्टर जारी किया, जिसमें वह हाथ में छेनी, हथौड़ा और कई औजार लिए नजर आ रही हैं। इस पोस्टर के साथ कैप्शन में लिखा,कहानी बहुत लंबी है और भाई के पास वक्त बहुत बहुत कम। जाहिर सी बात है कि आलिया यहां वेदांग की बात कर रही हैं, क्योंकि फिल्म में वेदांग, आलिया के भाई के किरदार में नजर आएंगे।आज के दिन जिगरा के बैक टू बैक दो पोस्टर जारी किए गए, जिसमें पहले नए पोस्टर में वेदांग का लुक और दूसरे पोस्टर में आलिया का बेहद ही खतरनाक अंदाज देखकर सोशल मीडिया पर प्रशंसकों सहित सेलेब्स के कमेंट की बाढ़ आ गई। फिल्म मेकर करण जौहर ने लिखा, लेट्स गो, एक यूजर ने लिखा, क्या धांसू पोस्टर है, इस तरह से ही लोगों के बीच में उत्सुकता पैदा होती है, एक और यूजर ने लिखा, क्या ये जेल ब्रेक स्टोरी है, एक और यूजर ने लिखा, बहुत ज्यादा उत्साहित हूं 11 अक्तूबर को लेकर। हालांकि, प्रशंसकों को फिल्म जिगरा के दोनों पोस्टर पसंद आए।आज जिगरा से वेदांग रैना का लुक जारी किया है, जबकि सबसे पहला जिगरा के पोस्टर में आलिया भट्ट नजर आई थीं। आलिया का यह पोस्टर 13 जून को जारी किया गया था। इस पोस्टर में आलिया भट्ट रफ–टफ लुक में बैकपैक टांगे नजर आई थीं।

श्री सिम्हा कोडुरी की फिल्म मथु वडालारा 2 की रिलीज की तारीख से उठा पर्दा, फर्स्ट–लुक पोस्टर आउट

मथु वडालारा, जिसे रिलीज होने पर सर्वसम्मति से प्रशंसा मिली, एक सनसनीखेज हिट बन गई। अब, वही क्रिएटिव टीम एक सीक्वल, मथु वडालारा 2 के साथ वापस आ गई है। श्री सिम्हा कोडुरी मुख्य भूमिका में अपनी भूमिका को फिर से निभाएंगे, जबकि सत्या उनके दोस्त की महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। फिल्म का निर्देशन रितेश राणा कर रहे हैं। चिरंजीवी (चेरी) और हेमलता पेदामल्लू क्लैप एंटरटेनमेंट के बैनर तले निर्माण कर रहे हैं, जबकि प्रतिष्ठित बैनर माइथ्री मूवी मेकर्स इसे प्रस्तुत कर रहे हैं। इस बहुप्रतीक्षित सीक्वल की घोषणा आज, श्री कृष्ण जन्माष्टमी के शुभ अवसर पर की गई। निर्माताओं ने दो पोस्टर के माध्यम से सनकी दुनिया को पेश किया।

फर्स्ट–लुक पोस्टर में श्री सिम्हा और सत्या गतिशील पोज में अपने विरोधियों पर बंदूकें चलाते हुए दिखाई दे रहे हैं निर्माताओं ने एक और पोस्टर भी जारी किया है जो सीक्वल में शामिल किए गए अपराध तत्वों की ओर इशारा करता है।भाग 1 की घटनाओं के बाद, डिलीवरी एजेंट बाबू (श्री सिम्हा) और येसु (सत्य) वापस आ गए हैं, लेकिन इस बार, वे विशेष एजेंट हैं। ये विशेष एजेंट विशेष कार्य, बड़ी गलतियाँ, अधिक ट्विस्ट और ढेर सारी मस्ती का वादा करते हैं।फारिया अब्दुल्ला सीक्वल की विचित्र दुनिया में शामिल हो गई हैं, जिसमें सुनील, वेनेला किशोर, अजय, रोहिणी, राजा चेम्बोलू, झांसी, श्रीनिवास रेड्डी और गुंडू सुदर्शन भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। प्रत्येक किरदार एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए तैयार है, जो इन प्रसिद्ध अभिनेताओं के शामिल होने से मनोरंजन के उच्च स्तर का वादा करता है। काला भैरव फिल्म के लिए संगीत प्रदान करते हैं, जबकि सुरेश सारंगम छायांकन संभालते हैं। कार्तिका श्रीनिवास आर संपादक हैं।निर्माताओं ने 13 सितंबर को मथु वडालारा 2 को रिलीज करने की घोषणा की है।

वरुण धवन–सामंथा रुथ प्रभु की सिटाडेल हनी बनी को मिली रिलीज तारीख, टीजर आया सामने

बॉलीवुड एक्टर वरुण धवन और सामंथा रुथ प्रभु स्टारर मोस्ट अवेटेड प्राइम वीडियो सीरीज सिटाडेल हनी बनी की रिलीज डेट का एलान हो गया है. इसी के साथ सीरीज से एक वरुण और सामंथा का एक धांसू पोस्टर शेयर कर टीजर भी जारी किया गया है. टीजर में वरुण और सामंथा को गोलियां बरसाने के साथ–साथ फुल ऑफ एक्शन मोड में देखा जा रहा है. सिटाडेलरू हनी बनी के टीजर में सीरीज की स्टारकास्ट के चेहरे भी सामने आ चुके हैं. इसमें केके मेनन, सिंकदर खेर, फिल्म कबीर सिंह में शाहिद कपूर के दोस्त बने सोहम कपूर, एस्पिरेंट सीरीज के शिवाकिंत सिंह परिहार, साकिब सलीम, काश्वी मजूमदार और सिमरन ऋषि बग्गा अहम रोल में दिख रहे हैं . साथ ही वरुण धवन और सामंथा रुथ प्रभु के अलग–अलग अवतार देखने को मिल रहे हैं. टीजर में वरुण–सामंथा के बीच रोमांस भी देखा जा रहा है.हाल ही में सिटाडेलरू हनी बनी के मेकर्स ने .08 तारीख को शेयर किया था और दर्शकों को बेचौनी में छोड़ा था. वहीं, बाद में बताया गया है कि सिटाडेलरू हनी बनी की रिलीज डेट का इस दिन एलान किया जाएगा. बता दें, सिटाडेलरू हनी बनी आगामी 7 नवंबर 2024 को प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होने जा रही है. रूसो ब्रदर्स सिटाडेलरू हनी बनी को बनाया है. सिटाडेलरू हनी बनी रूसो ब्रदर्स के विदेशी प्रोजेक्ट सिटाडेल का इंडियन वर्जन है. सिटाडेल में प्रियंका चोपड़ा ने अहम रोल प्ले किया था. सिटाडेलरू हनी बनी के डायरेक्टर राज एंड डीके हैं, जो इससे पहले फैमिली मैन बना चुके हैं.

बाक्स आफिस पर स्त्री 2 की आंधी बरकरार, बाहुबली 2 को छोड़ा पीछे, खेल खेल में का बंटाधार

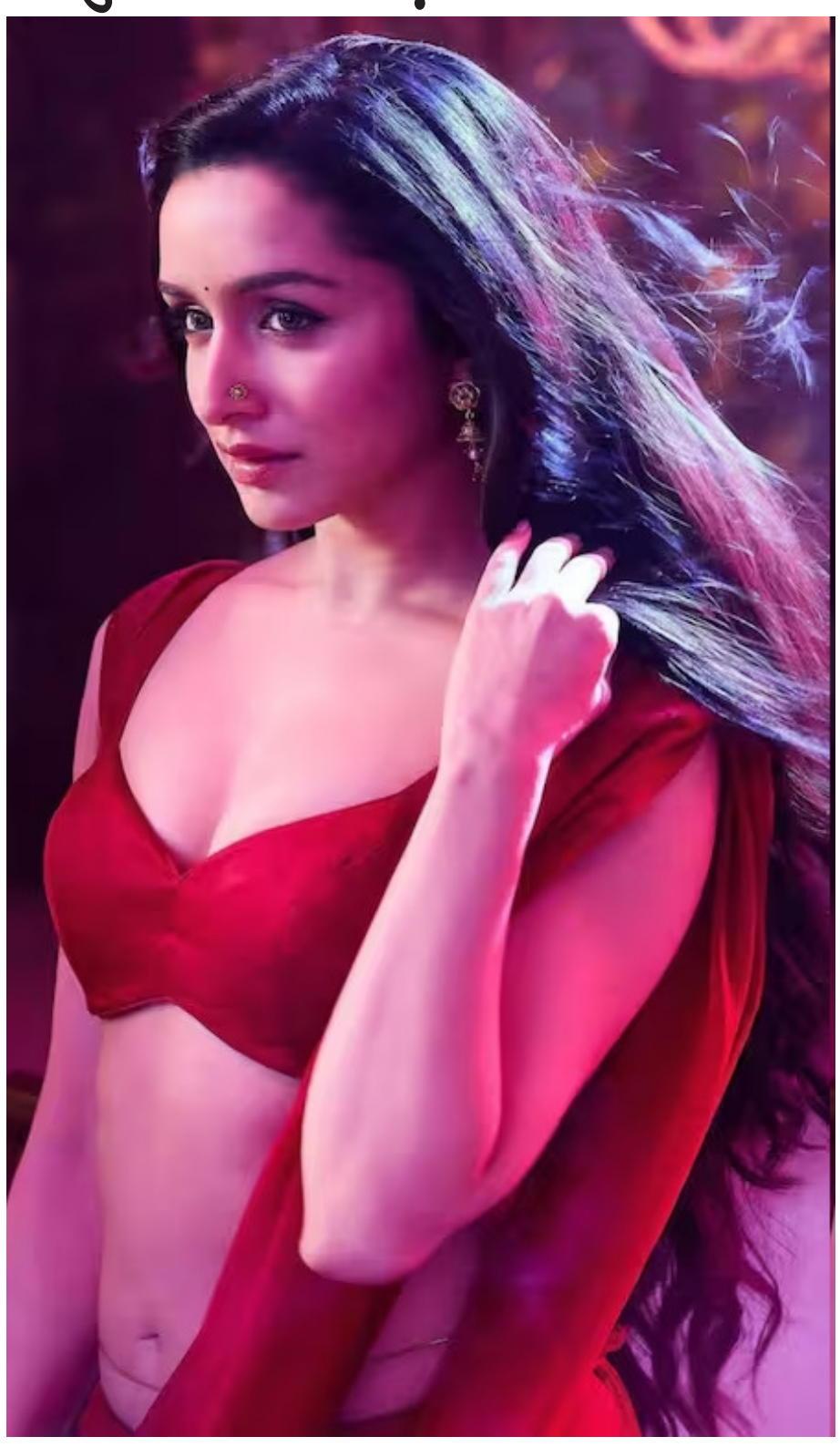

निर्माता अपनी फिल्म की रिलीज को लेकर काफी तैयारियां करते हैं। वहीं, किसी खास अवसर पर तो सिनेमाघरों में फिल्मों की भरमार देखने को मिलती है। ऐसा ही कुछ पिछले महीने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर भी हुआ। न सिर्फ हिंदी बल्कि साउथ की फिल्मों से भी सिनेमाघर गुलजार नजर आए। 15 अगस्त को साउथ में डबल इस्मार्ट, तंगलान और मिस्टर बच्चन तो वहीं हिंदी में स्त्री 2, खेल–खेल में और वेदा रिलीज हुईं। हालांकि, अधिकांश फिल्में दर्शकों का दिल जीतने में असफल रहीं, जिसके कारण यह अब सिनेमाघरों से हट चुकी हैं। वहीं, स्त्री 2 इन सभी फिल्मों को धूल चटाकर बॉक्स ऑफिस पर अपनी पकड़ बनाई हुई है। दूसरी ओर खेल–खेल में दर्शकों को तरसती नजर आ रही है।

स्त्री 2 का निर्देशन अमर कौशिक ने किया है। कहानी की बात करें तो इस बार चंदेरी गांव सिरकटे के आतंक का सामना कर रहा है। मैडॉक फिल्म्स और जियो स्टूडियो के जरिए निर्मित इस फिल्म की कहानी नीरेन भट्ट ने लिखी है, जो दर्शकों को काफी ज्यादा पसंद आई है। मैडॉक सुपरनैचुरल यूनिवर्स की इस पांचवीं किस्त में कलाकारों का प्रदर्शन शानदार रहा है। दर्शकों को यह फिल्म कितनी पसंद आई है, इसका अंदाजा तो इसके बॉक्स ऑफिस कलेक्शन से ही लगाया जा सकता है।

श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव अभिनीत फिल्म स्त्री 2 बॉक्स ऑफिस पर राज कर रही है। तकरीबन 60 करोड़ रुपये के बजट में बनी इस फिल्म ने कमाई के कई रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। यह न सिर्फ अपने साथ रिलीज हुई सभी फिल्मों पर भारी पड़ी है, बल्कि कुछ बहुचर्चित और ब्लॉकबस्टर फिल्मों का भी रिकॉर्ड ध्वस्त करती नजर आई है। साल 2018 की फिल्म स्त्री के इस सीक्वल ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 20 दिन में 492.30 करोड़ रुपये की कमाई की। वहीं, इसने 21वें दिन यानी तीसरे बुधवार को 5.50 करोड़ रुपये की कमाई की, जिससे इसका 21 दिन का कुल कारोबार 497.80 करोड़ रुपये हो गया।

स्त्री 2 बॉलीवुड की पहले दिन सबसे ज्यादा कमाई करने वाली हॉरर कॉमेडी फिल्म है। इसने 51.8 करोड़ रुपये के साथ अपना खाता खोला था।स्त्री 2 ने बाहुबली 2 को पीछे छोड़ दिया है। तीसरे सप्ताह हिंदी में बाहुबाली 2 ने 42.55 करोड़ का कारोबार किया था, वहीं स्त्री 2 ने बाहुबली 2 को पीछे छोड़ते हुए 48.75 करोड़ कमा लिए हैं।बाहुबली 2 का यह रिकॉर्ड पिछले 7 साल में किसी फिल्म ने नहीं तोड़ा था।

अक्षय कुमार, दर्शकों के मनोरंजन के लिए एक के बाद एक फिल्में लेकर आ रहे हैं लेकिन उन्हें सफलता मिलती नहीं दिख रही है। खिलाड़ी कुमार ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अपनी फिल्म खेल खेल में को रिलीज करने की ठानी, जिसका नतीजा सबके सामने है। मुदस्सर अजीज के निर्देशन में बनी यह 100 करोड़ी फिल्म बॉक्स ऑफिस पर औंधे मुंह गिरी है।

इटैलियन फिल्म परफेक्ट स्ट्रेंजर्स की आधिकारिक हिंदी रीमेक खेल खेल में में अक्षय कुमार के साथ–साथ वाणी कपूर, तापसी पन्नू, एमी विर्क, प्रज्ञा जायसवाल, फरदीन खान और आदित्य सील जैसे सितारे मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म ने रिलीज के 20 दिन में घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 30.36 करोड़ रुपये की कमाई की। इसने 21वें दिन यानी तीसरे बुधवार को महज 52 लाख रुपये अपने खाते में जोड़े, जिससे इसका अब तक का कुल कलेक्शन 30.88 करोड़ रुपये ही हो पाया है।

विश्वक सेन ने किया नई फिल्म वीएस13 का ऐलान, प्री–लुक पोस्टर भी आउट

मास का दास विश्वक सेन ने अपने 13वें प्रोजेक्ट की घोषणा की है, जिसका संभावित नाम वीएस13 है, जिसका प्री–लुक पोस्टर पहले ही काफी चर्चा में है। एसएलवी सिनेमा के सुधाकर चेरुकुरी द्वारा निर्मित यह फिल्म एक राजनीतिक एक्शन ड्रामा होगी, जो गांव की पृष्ठभूमि पर आधारित होगी। नवोदित श्रीधर गंटा द्वारा लिखित और निर्देशित, वीएस13 प्रभावशाली उत्पादन मानकों के साथ एक विशिष्ट फिल्म होने का वादा करती है।प्री–लुक पोस्टर में विश्वक सेन को एक तनावपूर्ण दृश्य में एक आईपीएस अधिकारी के रूप में दिखाया गया है, जो एक झुकी हुई व्यवस्था को तोडने से इनकार करने पर प्रकाश डालता है। एक आकर्षक टैगलाइन, हर क्रिया एक प्रतिक्रिया को जन्म देती है के साथ, फिल्म में जाने–माने अभिनेताओं और शीर्ष श्रेणी के तकनीशियनों का मिश्रण होगा। सिनेमैटोग्राफी किशोर कुमार द्वारा संभाली जाएगी, जबकि संगीत अजनीश लोकनाथ द्वारा रचित होगा, जो कंतारा पर अपने काम के लिए जाने जाते हैं।वीएस13 को एसएलवी सिनेमा से प्रोडक्शन नंबर 8 के रूप में चिह्नित किया गया है, जिसने दशहरा जैसी बड़ी ब्लॉकबस्टर फिल्में दी हैं। फिल्म को उच्च बजट पर बनाया जाएगा, जिससे उच्च उत्पादन मानकों को सुनिश्चित किया जा सकेगा। इस बहुप्रतीक्षित परियोजना के बारे में आगे की जानकारी समय रहते सामने आ जाएगी। विश्वक सेन की अगली फिल्म वीएस13 उनके करियर की एक दिलचस्प परियोजना होने की उम्मीद है। अपने होनहार कलाकारों, क्रू और प्रोडक्शन मानकों के साथ, यह फिल्म एक मजबूत चर्चा का विषय बनने के लिए तैयार है। प्री–लुक पोस्टर ने पहले ही ध्यान आकर्षित कर लिया है।

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, शनिवार 07 सितंबर 2024
sheelshukla100@gmail.com

विकास खंड जोगिया में प्राइवेट भवन में आयोजित हुआ चौपाल

लाखो का पंचायत भवन फांक रहा धूल

ब्यूरो सिद्धार्थनगर–

प्रदेश में जब से भाजपा की सरकार आई तब से प्रदेश को एक नया आयाम देने के लिए प्रदेश सरकार हमेशा प्रयासरत रही शहर हो या ग्रामीण क्षेत्र लोगो को उनकी आवश्यकता की सुबिधा के उनके नजदीक उपलब्ध करवाने के लिए सरकार ने बहुत सारी लाभकारी योजनाए लागू की जिससे लोगो को दूर न जाकर अपने ही ग्राम सभा मे सुबिधा मिल सके लेकिन सरकार की इस मंशा पर प्रशासन की निष्क्रियता के चलते योजनों का लाभ और सुबिधा लोगो को वंचित कर रही है ग्रामीण क्षेत्रो में लोगो को सुबिधा देने के लिए सरकार ने पंचायत भवन योजना लागू की जो प्रत्येक ग्राम सभा मे लाखो की लागत से तैयार किया गया जिससे ग्राम सभा की कोई भी कार्य पंचायत भवन में किया जा सके लेकिन ये पंचायत भवन केवल शो पीस बनकर रह गए है लोगो की समस्या का समाधान ग्राम सभा मे करने के लिए चौपाल का आयोजन किया जाता है जो ग्राम सभा के पंचायत भवन में होना चाहिए लेकिन ये चौपाल पंचायत भवनों में कम स्कूलों, खाली मैदानों,और व्यक्तिगत भवनों में संचालित हो रहे है। इसी कड़ी में आज विकास खंड जोगिया के ग्राम सभा जोखवालिया मे ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया जिसमें गिने चुने लोग उपस्थित हुए लेकिन ये चौपाल पंचायत भवन की जगह एक घर मे आयोजित किया गया अगर ऐसे कार्यक्रम प्राइवेट भवन में ही आयोजित होने है तो पंचायत भवनों पर लाखों खर्च करने का मतलब व्यर्थ है विकास खंड के जिम्मेदार ही ग्राम सभा के विकास में अवरोध उत्पन्न कर रहे है सरकार की मांस पर पानी फेर रहे ग्राम सभा के जिम्मेदार।

पीड़ित परिवार ने लगाया जिला अस्पताल के डाक्टरों पर लापरवाही का आरोप

जिलाधिकारी को ज्ञापन देकर किया न्याय की मांग।

ब्यूरो सिद्धार्थनगर–

तीन दिन पहले जन्मी बच्ची की तबेत अचानक खराब होने से परिजनों ने जिला अस्पताल के डॉक्टरों पर लापरवाही का आरोप लगाया है शारदा तिवारी पुत्र स्वरू केदार तिवारी निवासी काशीराम आवास ब्लॉक न0 26 जगदीशपुर थाना व जनपद सिद्धार्थनगर जिलाधिकारी सिद्धार्थनगर से मिलकर ज्ञापन देकर आरोप लगाया है कि हमारी बहु प्रियंका तिवारी को जिला अस्पताल में दिनांक 03– 09– 2024 को भर्ती कराया था दिनांक 04– 09– 2024 को 12रू00 चउ को नॉर्मल डिलीवरी से बच्ची पैदा हुई थी डिलीवरी के पश्चात जच्चा बच्चा दोनों स्वस्थ थे बच्ची पैदा होते समय पूर्ण स्वस्थ थी। कुछ देर बाद अस्पताल के डॉक्टरों द्वारा कहा गया कि बच्ची को दिक्कत है, आई0सी0यू0 में शिफ्ट करना पड़ेगा परिजन आई0सी0यू0 में लेकर गए,परिजनो ने आरोप लगाया कि वहां के डॉक्टरों द्वारा लापरवाही बरती गई,जिसके चलते हमारी बच्ची की तबीयत खराब होने लगी परिजनों ने आरोप लगाया कि डॉक्टर नम्रता और डॉक्टर मुकेश अग्रहरी के ड्यूटी के दौरान उन्हीं के देखरेख में सारी लापरवाही बरती गई ऑक्सीजन की कमी बताकर मुंह में पाइप लगा दिए पाइप लगाने के बाद तुरंत बच्चे के मुंह से खून निकलने लगा और बच्चे की तबीयत खराब हो गई डॉक्टर नम्रता और डॉक्टर मुकेश अग्रहरी कहे कि अब हम इलाज नहीं करेंगे,अपनी बच्ची को लेकर जाओ,परिजनो के विरोध करने के बाद डॉ0 धमकी देने लगे उसके बाद बच्ची के परिजनों ने बच्ची को लेकर गोरखपुर के लिए निकल गए लेकिन बरगदवा पहुंचते पहुंचते हमारी नवजात मासूम बच्ची ने दम तोड़ दिया परिजनों ने डॉक्टरों पर आरोप लगाया की उन्होंने हम लोगों के साथ बहुत बुरा बर्ताव किया है,इन लोगों के लापरवाही के चलते हमारी नवजात बच्ची की जान गई है।

पीड़ित परिजनो ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर मांग किया है कि दोषी दोनों डॉक्टरों के खिलाफ जांच करके आपके द्वारा कठोर कार्यवाही की जाए,

तभी बच्ची के मृतक आत्मा को शांति मिलेगी बच्ची के परिजनों ने जिलाधिकारी से मांग किया है

कि दोषी डॉक्टरों के खिलाफ जांच करके कठोर कार्यवाही सुनिश्चित करने की कृपा करें जिससे पीड़ित को न्याय मिल सके।

गड्ढो में तब्दील हुई सड़क राहगीरों को करना पड़ रहा मुसीबत का सामना

जिम्मेदार नही दे रहे ध्यान हो सकता है बड़ा हादसा

ब्यूरो सिद्धार्थनगर–

जनपद सिद्धार्थनगर के शोहरतगढ़ ब्लाक अंतर्गत पीडब्ल्यूडी सड़क से गौरा–बजहा बॉर्डर का सड़क पता ही नही चल रहा है यह इस सड़क में गड्ढा है कि गड्ढे में सड़क ह जगह–जगह आपको गड्ढे ही गड्ढे नजर आएंगे जिससे आने जाने वाले राहगीरों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है लोग चोटिल होते हैं और उसी रास्ते पर स्कूल की कम से कम 20 गाड़ियां चलती हैं। और आए दिन गड्ढों के कारण गाड़ियां खराब हो जाती हैं।और बच्चों को या तो पैदल घर वापस जाना पड़ता है, या तो पैदल स्कूल जाना पड़ता है ऐसे में अगर देखा जाए तो इन स्कूली बच्चों को लिए काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है वही गांव के कुछ राहगीरों ने बताया कि लगभग दो ढाई साल पहले यह सड़क बनाया गया था और अभी से ही यह उखड़ कर पूरा जर्जर हो गया है आदमी गाड़ी से क्या पैदल भी ठीक से नहीं चल पाएगा जबकि अधिकारियों को चाहिए कि इस सड़क को जल्द से ठीक करवाए और आवागमन जो बाधित हो रहा है वह दूर हो जाए।

भनवापुर ब्लाक में फर्जी दस्ताबेज पर नौकरी कर रहे थे शिक्षक

विभागीय जांच में सामने आया मामला सभी आठो शिक्षक हुए फरार

ब्यूरो सिद्धार्थनगर–

जिले की भनवापुर ब्लॉक में कूटरचित दस्तावेजों के आधार पर आठ शिक्षकों ने नौकरी हासिल कर ली थी विभागीय जांच में जब मामला सामने आया तो सभी आठों शिक्षक विद्यालय छोड़कर फरार हो गए हैं बेसिक शिक्षा अधिकारी ने कहा है कि आरोपी शिक्षकों के विरुद्ध तहरीर देकर मुकदमा दर्ज कर दिया गया है वही खंड विकास अधिकारी के ऊपर भी कार्यवाही की जाएगी।

मामला 6 माह पहले जिले में 314 नियुक्ति का है जून महीने में इन सभी शिक्षकों को विद्यालय आवंटित हुआ था जिन में से 36 शिक्षकों को भनवापुर विकासखंड के विद्यालय आवंटित कर दिए गए थे इन शिक्षकों की उन विद्यालयों में तैनाती भी कर दी गई थी जहां–जहां पर एक–एक शिक्षक तैनात थे लेकिन इन आठ शिक्षकों ने बेसिक शिक्षा अधिकारी के फर्जी हस्ताक्षर कर बिना बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय में आए नियुक्ति पत्र सीधे खंड विकास अधिकारी बिंदेश्वरी मिश्र को दे दिया और भनवापुर ब्लॉक के खंड विकास अधिकारी ने बिना ठीक से जांच किए इन फर्जी शिक्षकों को विद्यालय आवंटित कर दिया खंड विकास अधिकारी ने ना तो सूची से मिलान किया और ना ही ओरिजिनल डॉक्यूमेंट से शिक्षकों के डाक्यूमेंट्स का मिलान किया इस लापरवाही के चलते बेसिक शिक्षा अधिकारी ने उनके विरुद्ध बेसिक शिक्षा निदेशक को पत्र लिखा है।

आगामी त्यौहार के दृष्टिगत शांति व्यवस्था हेतु थाना क्षेत्रो में पड़ने वाले चिन्हित हाट स्पाट तथा भीड़–भाड़ वाले स्थानों पर किया गया रुट मार्च

ब्यूरो सिद्धार्थनगर–

पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह के आदेश के क्रम में जनपदीय पुलिस द्वारा आगामी त्यौहार बराफवात, हरितालिका तीज व गणेश चतुर्थी के दृष्टिगत शांति व्यवस्था बनाये रखने हेतु अपने–अपने थाना क्षेत्रों में पड़ने वाले चिन्हित हाट स्पॉट व भीड़–भाड़ वाले स्थानों पर रुट मार्च एवं पैदल गश्त एवं चेकिंग कर आम–जनमानस में सुरक्षा का एहसास कराते हुये जनसंवाद स्थापित किया गया आपस में सौहार्द बनाये रखने व अफवाहों से दूर रहने तथा किसी भी खबर की प्रमाणिकता जाने बिना शेयर न करने हेतु अपील किया गया

दुर्दशा पर आंसू बहा रहा है कजगांव बाजार

जौनपुर। सरकार द्वारा चलाये जा रहे स्वच्छता अभियान को कजगांव बाजार कई वर्षों से मुंह चिढ़ा रहा है, कारण है कि उक्त बाजार की नालियां जगह–जगह टूट जाने से पूरे बाजार का गन्दा पानी से जल–जमाव के कारण नरकीय बना हुआ है । नाली की साफ–सफाई ठीक ढंग से न होने के कारण सड़कों पर बराबर गन्दा पानी डूबा रहता है इस सड़क पर आने–जाने वाले लोग बहुत परेशान रहते है।आज भी कजगांव बाजार में नालियां जगह–जगह क्षतिग्रस्त हो जाने के कारण लोगों के लिए मुसिबत का कारण बना हुआ है। बाजार में लोगों के घरों व दुकानों से निकलने वाले गन्दे पानी सड़क पर डूब हुआ रहता है जल निकासी के अभाव के कारण उक्त सड़के बरसात होते ही झील में पूरी तरह से तब्दील हो जाता है।जिससे राहगीरों को आवागमन में भारी परेशानी उठानी पड़ रही है।पैदल चलने वाले यात्रियों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।यहां आस–पास रहने वाले लोगों का बुरा हाल है।उक्त भीषण जल–जमाव के कारण दुकानदारों की दुकानदारी भी प्रभावित हो रही है।बताया जाता है कि शासन–प्रशासन के साथ–साथ सांसद,विधायक,नगर पंचायत अध्यक्ष व अधिशासी अधिकारी सहित सभी जिम्मेदार लोग पूरी तरह से कुम्भ कर्णी निद्रा में लीन नजर आ रहे हैं किसी भी जिम्मेदार व्यक्ति के द्वारा उक्त जल–जमाव के निवारण के लिए कोई कार्य नहीं किया जा रहा है।जब कि शासन के द्वारा नगर पंचायत बनाया गया तो लोगों के अन्दर एक उम्मीद थी कि अब तमाम प्रकार की सभी समस्याओं से निजात मिल जाएगा इसके बावजूद भी इस प्रकार का जल– जमाव के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया कि जिससे लोगों को निजात मिल सके।इस प्रकार की समस्या को लेकर नगर पंचायत वासियों में रोष व्याप्त है।

मेडिकल स्टोर में अज्ञात लोगों ने लगाई आग, लाखों का नुकसान

मीरजापुर (आरएनएस)। देहात कोतवाली क्षेत्र के ग्राम समाज

चांदीपुर में स्थित आरके मेडिकल स्टोर में बीती रात अज्ञात व्यक्तियों ने पेट्रोल डालकर जला दिया। जिसमें तकरीबन सात आठ लाख रुपए की दवा नुकसान होना बताया गया है। दुकान में आग लगाए जाने की जानकारी होते ही हड़कंप मच गया। सूचना होने पर मौके पर पहुंची पुलिस सीसीटीवी कैमरा के जरिए अज्ञात व्यक्तियों की खोज में लगी हुई है। खबर दिए जाने तक न तो दुकान में आग लगाने वालों की पहचान हो पाई है ना ही अभी तक कोई सुराग नहीं मिल पाया है।

महिलाओं को गौरीशंकर की कथा सुनायी

जौनपुर(आरएनएस)। हरितालिका तीज के अवसर पर माँ शारदा शक्तिपीठ मैहर मंदिर में स्थित शिवालय में माता पर्वती एवं भगवान शिव की पूजा अर्चना करने हेतु प्रातः काल से ही महिलाओं का आगमन षुरू हों गया। सुहागन महिलाएं निर्जला व्रत कर अपने पति की लंबी आयु और सुख समृद्धि के लिए गौरी शंकर की पूजा आराधना विधि विधान से किया।

कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन आगरा में

जौनपुर। क्रीड़ा अधिकारी डॉ0 अतुल सिन्हा ने अवगत कराया है कि खेल निदेशालय उ0प्र0, लखनऊ के तत्वावधान में खेल विभाग उ0प्र0 एवं उ0प्र0 कुश्ती संघ के समन्वय से प्रदेश स्तरीय समन्वय सब जूनियर बालक कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन 27 से 29 सितम्बर तक आगरा में किया जा रहा है।

राष्ट्रीय लोक अदालत की भव्य सफलता के लिए प्रचार वाहन को झंडी दिखाकर किया गया रवाना

ब्यूरो सिद्धार्थनगर– जनपद न्यायाधीशध्अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सिद्धार्थनगर विरजेन्द्र कुमार सिंह द्वारा दिनांक 14–09–2024 को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत की भव्य सफलता सुनिश्चित किये जाने के उददेश्य से 02 प्रचार वाहन को हरी झण्डी दिखाकार जनपद न्यायालय के प्रांगण से रवाना किया गया

इस अवसर पर रमेश चन्द प्रथम प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय, अरविन्द राय पीठासीन अधिकारी मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण, मो० रफी अपर जनपद एवं सत्र न्यायाधीश न्यायालय संख्या–1 सिद्घार्थनगर, सुबाष चन्द्र तिवारी विशेष न्यायाधीश (एस0सी0ध्एस0टी0 एक्ट)ध्नोडल अधिकारी राष्ट्रीय लोक अदालत, विरेन्द्र कुमार अपर जनपद एवं सत्र न्यायाधीश (पाक्सो एक्ट) सिद्घार्थनगर, मनोज कुमार तिवारी अपर जनपद एवं सत्र न्यायाधीशध्पूर्णकालिक सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, श्रद्घा भारतीय मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, अनुभव कटियार सिविल जज (सी0डि0), अरूण कुमार–चतुर्थ अपर सिविल जज (सी0डि0), शैलेन्द्र नाथ सिविल जज (सी0डि0)ध् एफ०टी०सी०, अंकिता चौधरी सिविल जज जू०डि०, स्वाती न्यायिक मजिस्ट्रेट, प्रशिक्षु न्यायिक अधिकारी श्रेय कुमार वर्मा सिविल जज (जू0डि0)ध् एफ०टी०सी०–प्रथम, प्रशिक्षु न्यायिक अधिकारी ऋचा चौधरी सिविल जज (जू0डि0)ध् एफ०टी०सी०–द्वितीय, इन्दू सिंह अध्यक्ष सिविल सिद्घार्थबार एसोसिएशन, दिव्य प्रकाश शुक्ल महामंत्री सिविल सिद्घार्थबार एसोसिएशन, अश्वनी कुमार मिश्र चीफ लीगल एड डिफेंस काउन्सिल, फराज डिप्टी लीगल एड डिफेंस काउन्सिल, राजेश कुमार चीफ मैनेजर भारतीय स्टेट बैंक, अशोक कुमार उपप्रबन्धक भारतीय स्टेट बैंक व बैंक के अन्य कर्मचारी तथा अधिवक्ता एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कर्मचारीगण उपस्थित रहें।दिनॉक 14.09.2024 दिन शनिवार को प्रातः 10.00 बजे से दीवानी न्यायालय परिसर सिद्घार्थनगर तथा वाहय न्यायालय बांसी व डुमरियागंज, कलेक्ट्रेट भवन, न्यायालय सहायक श्रमायुक्त तथा जनपद की समस्त तहसील मुख्यालयों पर आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत का प्रचार–प्रसार के उददेश्य से माननीय जनपद न्यायाधीशध्अध्यक्ष महोदय द्वारा प्रचार वाहन हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया जिसमें दीवानी, भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम, मोटर दुर्घटना प्रतिकर, वैवाहिक एवं पारिवारिक, नगर पालिका अधिनियम समस्त प्रकार के शमनीय आपराधिक मामले, राजस्व वाद व चकबन्दी वाद, सम्बन्धी वाद, भूमि अधिग्रहण सम्बन्धी मामले, राजस्व सम्बन्धी वाद, सर्विस मैटर्स, मनरेगा वाद, व्यापार कर वाद, वजन व मापतौल अधिनियम, वन अधिनियम, उपभोक्ता फोरम वाद, आरबीट्रेशन वाद, आपदा राहत वाद, आयकर वाद, यातायात चालानी वाद, चेक बाउंस से सम्बन्धित धारा–138 एन.आई. एक्ट. एवं बैंक रिकवरी, बी0एस0एन0एल0, भू राजस्व अधिनियम, विद्युत एवं जल बिलों से सम्बन्धित वाद एवं ऐसे अन्य समस्त वाद जिनका निस्तारण किया जाना संभव हो निस्तारण किया जायेगा। श्री मनोज कुमार तिवारी सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सिद्घार्थनगर के द्वारा यह जानकारी दी गयी कि दीवानी न्यायालय परिसर सिद्घार्थनगर में आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में अन्य प्रकृति के वादों का निस्तारण करने के साथ बैंक अधिकारियों के सहयोग से बैंक ऋण वसूली के प्रिलिटीगेशन मामलों का निस्तारण सुलह समझौते के आधार पर किया जायेगा। राजस्व एवं चकबन्दी वादों का निस्तारण सम्बन्धित न्यायालयों में राजस्व अधिकारियों के द्वारा किया जायेगा।

आम जनमानस से अपील की गई यदि किसी भी लम्बित वाद को राष्ट्रीय लोक अदालत में सुलह समझौते के आधार पर निस्तारित कराना चाहते है

तो कृपया सम्बन्धित न्यायालय के पीठासीन अधिकारी अथवा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सिद्घार्थनगर के कार्यालय से सम्पर्क कर अपने वाद को राष्ट्रीय लोक अदालत में नियत करा सकते हैं।

एनकाउंटर के नाम पर हत्या कर रही पुलिस– लाल बिहारी

जौनपुर(आरएनएस)। सुल्तानपुर जिले की पुलिस द्वारा जौनपुर जिले के एक लाख के इनामी बदमाश को एनकाउंटर में ढेर करने का मामला राजनीतिक रंग ले लिया है, सपा के एमएलसी व नेता विरोधी दल लाल बिहारी यादव की अगुवाई में सपा एक प्रतिनिधिमंडल उसके गांव पहुंचकर परिवार वालो से मिलकर ढांढस बधाया। मीडिया से बातचीत उन्होंने इसे एनकाउंटर नही बल्कि पुलिस द्वारा हत्या किये जाने का आरोप लगाया। नेता विरोधी दल ने कहा कि बीजेपी सरकार में यादव और मुसलमानों को टारगेट किया जा रहा है। एमएलसी लालबिहारी यादव ने सुल्तानपुर में 1 लाख के इनमिया मंगेश यादव मारे जाने के बाद उसके घर पहुंचकर मुलाकात करके सांत्वना दी और परिजनों को आश्वासन दिया कि इसकी जांच

आयोजित विज्ञान प्रतियोगिता में मेधावियों को किया गया सम्मानित

शिक्षक वह दीपक है जो खुद को जलाकर सबको रोशनी देता है सूर्य प्रकाश मिश्रा धनु

ब्यूरो देवरिया।

बरहज के सतरांव में समाजसेवी शिवम पाण्डेय के नेतृत्व में विज्ञान और सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। जिसके मुख्य अतिथि सूर्यप्रकाश मिश्रा रहे। उन्होंने प्रतिभागी छात्र छात्राओं को सम्मानित किया। प्रतियोगिता में पहले स्थान पर राजन खरवार, तो दूसरे स्थान पर नंदनी कुमारी, व तीसरे स्थान पर अर्चना, अनिता, कृति शामिल रहीं। वहीं कार्यक्रम में हाई स्कूल और इंटरमीडिएट के मेधावी रही शिवानी सिंह, दिशा कुमारी, संजना सिंह, कुमारी चांदनी, व आलिया को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के आयोजक राहुल मल्ल रहे। मुख्य अतिथि सूर्यप्रकाश मिश्रा ने छात्र–छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि शार्टकट से कभी कामयाबी नही मिलती इसलिए चुनौतीपूर्ण रास्ते को स्वीकार करें और जीवन में सफलता की नई ऊंचाइयों को प्राप्त करें। सैद्धांतिक व व्यावहारिक दोनों ज्ञान को जीवन का हिस्सा बनाकर आगे बढ़ें। वहीं शिक्षक अखिलेश सिंह ने कहा कि प्रतिभा परिवार की नहीं, समाज की होती है, प्रतिभा को बढ़ाने में परिवार का सर्वाधिक योगदान होता है, किंतु समाज के योगदान को विस्मृत नहीं करना चाहिए, जब समाज का योगदान साथ होता है तो प्रतिभा में निखार आता है, जब प्रतिभा का सम्मान समाज करता है तो समृद्धि को कोई रोक नहीं सकता है। विशिष्ठ अतिथि रणविजय ने कहा कि शिक्षा से बड़ी कोई संपत्ति नहीं है, आप सभी बच्चे अच्छा से अच्छा शिक्षा ग्रहण कर आईएएस, पीसीएस, डॉक्टर, इंजीनियर आदि बनें।इस अवसर पर कार्यक्रम में डॉ.सवीर अंसारी, मुकेश यादव, हिमांशु विश्वकर्मा, सुनील यादव, सत्यम सिंह, आदर्श सिंह, सिद्धार्थ सिंह, शारदा कुशवाहा, इजहारुल, नीरज, प्रीति कुमारी आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

हिन्दी दैनिक विजडम इंडिया
स्वामी,मुद्रक एवं प्रकाशक श्री शील कुमार शुक्ला द्वारा हिन्दुस्तान समाचार फीचर सेवा लि0 ,94, एम0जी0 मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ से छपवाकर 633/387,गेहमर कुंज कालोनी, फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
सम्पादक–शील कुमार शुक्ला
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।